THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 289 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.10 2080 शनिवार, 6 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

प्राण प्रतिष्ठा में 50 हजार करोड़ का कारोबार

अयोध्या, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। देश विदेश से अनेक लोगों को इस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय कोर कमेटी की तीन जनवरी को नागपुर में हुई बैठक में यह पता चला है कि अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से देश में 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होगा। अभी से ही मार्केट में राम मंदिर से जुड़ी विभिन्न वस्तुओं की भारी डिमांड हो गई है। मूर्तियों और पूजा सामग्री की डिमांड बढ़ रही है। कैट के पदाधिकारियों के अनुसार, राम मंदिर के उद्घाटन ने देश में पूजा पाठ से संबंधित एक बड़े व्यापार के अवसर पैदा किए हैं।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया, राम मंदिर लोगों की आस्था के साथ ही देश में एक बड़े व्यापार का भी केंद्र बन रहा है। खासतौर पर छोटे निर्माता और लघु व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए व्यापार के अनेक अवसर सामने आ रहे हैं। देश के विभिन्न शहरों में विशेषकर, घरों से छोटा-मोटा काम करने वाली महिलाओं एवं वंचितों को भी इस आयोजन से बड़ी मात्रा में रोजगार मिल रहा है।

राम मंदिर, देश में आर्थिक संपन्नता का एक बड़ा संदेश देगा। राम मंदिर से देश में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार के कैट के पूर्व आंकड़े से कहीं ज्यादा व्यापार होने जा रहा है। तीन जनवरी को नागपुर में हुई कैट की राष्ट्रीय कोर कमेटी की बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से अनेक व्यापारी नेताओं ने भाग लिया था। अयोध्या के राम मंदिर के उद्घाटन ने देश के विभिन्न प्रदेशों में पूजा पाठ से संबंधित एक बड़े व्यापार के अवसर पैदा किए हैं।

बतौर खंडेलवाल, पूजा के लिए विभिन्न आवश्यक वस्तुओं की बड़ी मांग देखने को मिल रही है। जैसे-जैसे 22 जनवरी नजदीक आ रही है, वैसे ही राम एवं पूजा पाठ से जुड़ी वस्तुओं की मांग में भी तेजी आ रही है। इस मांग को देखते हुए बहुत से लोगों ने अपने पारंपरिक व्यवसाय के साथ ही ऐसी अनेक वस्तुओं का उत्पादन या व्यापार शुरू कर दिया है, जो राम मंदिर के महोत्सव से जुड़ी हैं। राम मंदिर के प्रतीक के रूप में मंदिर का मॉडल हर कोई अपने घर में रखना चाहता है। यह मॉडल बाजार में 4 इंच, 6 इंच, 8 इंच एवं 12 इंच में उपलब्ध हैं। इससे बड़े साइज के मॉडल भी बाजार में मिल रहे हैं। मुख्य रूप से यह मॉडल पाइनवुड, लकड़ी, हार्डबोर्ड आदि में बनाए जा रहे हैं।

श्रीराम, राम मंदिर एवं राम दरबार के चित्र व अन्य देवी-देवताओं के चित्र एवं मूर्तियों की बड़ी मांग आ रही है। ये मूर्तियां, मिट्टी, पाइनवुड, लकड़ी, पीतल, तांबा एवं अन्य अनेक प्रकार के रॉ मैटेरियल से बनाई जा रही हैं। पूजा के लिए बड़ी मात्रा में मिट्टी, पीतल एवं अन्य धातुओं के एकल दीपक एवं एक ही दीपक में अनेक दीपक आरती के लिए, अगरबत्ती, धूपबत्ती स्टैंड सहित अन्य अनेक वस्तुएं भी बड़ी मात्रा में बाजार में हैं। ये ग्राहकों की बड़ी पसंद बनी हैं। >14

रामलला की नई-पुरानी मूर्तियों पर विवाद

मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास बोले-20 गज दूरी से पुरानी मूर्तियों का दर्शन मुश्किल, इस पर राजनीति गलत

अयोध्या, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास बताते हैं कि बावरी विध्वंस के दौरान उन्होंने राम लाल की मूर्ति को नुकसान होने से बचाया था। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के 3 जनवरी 2023 को भव्य श्रीराम मंदिर पर दिए बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

इंदौर में उन्होंने कहा था कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के लिए नई मूर्तियां बनवाने की क्या जरूरत आ पड़ी? रामलला की मुख्य मूर्ति कहां है? उन्हें क्यों नहीं स्थापित किया जा रहा है, जबकि पुरानी मूर्तियों को लेकर ही अयोध्या जन्मभूमि का पूरा विवाद है। दिग्विजय सिंह के इन सवालों का राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने खास बातचीत में जवाब दिया है। इसका जवाब देते हुए सत्येंद्र दास ने कहा, रामलला पहले से ही अपने बालक रूप में अस्थाई मंदिर में तीनों भाइयों के साथ विराजमान हैं। >14

बाबरी के पक्षकार इकबाल अंसारी को प्राण प्रतिष्ठा का न्योता

रामलला मंदिर में भक्तों को ऑटोमेटिक मशीन से बूंदी का प्रसाद दिया जाएगा

अयोध्या, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। समारोह के बाद 23 जनवरी से भक्तों को ऑटोमेटिक मशीन से प्रसाद दिया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यासी डॉ. अनिल मिश्र ने यह जानकारी दी। इधर, प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के लिए बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को निमंत्रण भेजा गया है।

डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि अहमदाबाद की कंपनी राम विलास एंड संस को प्रसाद बांटने का काम करेगी। कंपनी को 5 लाख पैकेट तैयार करने का ऑर्डर दिया गया है। एक बार में प्रसाद के 5000 हजार पैकेट को मशीन में लोड कर सकते हैं। उन्होंने कहा, भक्तों की संख्या को देखते हुए मशीन की संख्या को कम ज्यादा किया जा सकेगा। भक्त दर्शन करने के बाद प्रसाद ले सकेंगे। अभी तक तीर्थ क्षेत्र की ओर से इलायची दाने को लिफाफे में प्रसाद के रूप में दिया जाता है। प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम 1 घंटे चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी पूरे आयोजन में मौजूद रहेंगे। ट्रस्ट की तरफ से भेजे गए निमंत्रण कार्ड में प्राण प्रतिष्ठा का वक्त 11:30 से 12:30 दिया गया है। शुभ मुहूर्त 12:20 बजे का है। 12 बजकर 29 मिनट पर पीएम रामलला को दर्पण दिखाएंगे। कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों को आमंत्रण पत्र के साथ आधार कार्ड भी दिखाना होगा। उनका सामान, मोबाइल और बैग रखने के लिए 12 हजार लॉकर भी बनाए गए हैं।

ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने पर फैसला टला

वाराणसी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वे रिपोर्ट को सार्वजनिक करने पर अब 6 जनवरी को सुनवाई होगी। शुक्रवार को जिला जज की कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन टलने के बाद शनिवार की तारीख दी गई। दरअसल, चारो वादिनी महिलाओं की अपील पर सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के लिए सुनवाई पूरी हो चुकी है।

जिला न्यायालय में दो दिन पहले यानी बुधवार को एक घंटे की बहस में अदालत में दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें पेश की। हिन्दू पक्ष की ओर से याचिका दाखिल करने वाली महिलाओं और वकीलों ने रिपोर्ट की हार्ड कॉपी मांगी तो मुस्लिम पक्ष ने इसे मेल पर देने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। उधर, एएसआई ने चार सप्ताह तक रिपोर्ट को सार्वजनिक न करने की अपील की। एएसआई के वकील ने हाईकोर्ट के आदेश और सीनियर डिवीजन एफटीसी में चल रहे केस में रिपोर्ट सौंपे जाने का हवाला दिया।

अदालत से श्रीकांत पुजारी को मिली जमानत

बेंगलूरू, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हुबली की अदालत ने शुक्रवार को हिंदू कार्यकर्ता श्रीकांत पुजारी को जमानत दे दी है। एक दिन पहले उन्होंने 1992 के बाबरी विध्वंस के बाद हुए दंगों के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुजारी की गिरफ्तारी के बाद राज्य में सियासी तूफान खड़ा हो गया था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां राज्यभर में इसके खिलाफ प्रदर्शन किया था। वहीं, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इसे कानून-व्यवस्था का हिस्सा बताया था।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने उनकी गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा था कि यह अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से कुछ दिन पहले 31 साल पुराने मामले को फिर से खोलने के पीछे राज्य सरकार की मंशा को दिखाता है। वहीं, भाजपा नेता डीवी सदानंद गौड़ा ने पूछा था कि मामलों को बंद करना, क्या यह कानूनी सीमाओं के दायरे में था? भाजपा नेता सीएन अश्वथ नारायण ने कहा था, राज्य सरकार भेदभाव नहीं कर सकती और पैसे का दुरूपयोग नहीं कर सकती। सरकार जवाबदेह है। लोग यही मांग कर रहे हैं। तुष्टीकरण की राजनीति या धन का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए। जनता केवल वोट बैंक की राजनीति की सराहना नहीं करती है। वे पूरे मामले का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हम कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पूरे दृष्टिकोण की निंदा कर रहे हैं।

अयोध्या एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने पर मंजूरी, कैबिनेट में प्रस्ताव पास

अयोध्या, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को अयोध्या एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने पर मंजूरी दे दी है। इसका नाम महर्षि वाल्मिकी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या धाम रखा गया है। सरकार ने प्रस्ताव में कहा कि अयोध्या की आर्थिक क्षमता और ग्लोबल तीर्थस्थल के तौर पर इसके महत्व को बढ़ाने, विदेशी तीर्थयात्रियों और टूरिस्ट की सुविधा के लिए अयोध्या एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्जा देना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की

जिसमें तमिलनाडु के मंत्री को हटाने की मांग की गई थी

चेन्नई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी की बर्खास्तगी के मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल बिना मुख्यमंत्री की सिफारिश के मंत्री को बर्खास्त नहीं कर सकता। हम इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले से सहमत हैं। अनुच्छेद 136 के तहत इस फैसले में किसी भी दखल की जरूरत नहीं है।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बालाजी को मंत्री पद से हटाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इससे पहले चेन्नई के सामाजिक कार्यकर्ता एमएल रवि ने मद्रास हाईकोर्ट में यह याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

तब कोर्ट ने कहा था, मुख्यमंत्री यह तय कर सकते हैं कि मंत्री बालाजी को राज्य मंत्रिमंडल में रखा जाना चाहिए या नहीं। हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती दी गई थी।

वी सेंथिल बालाजी साल 2011 और 2015 के बीच अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार में परिवहन मंत्री थे। आरोप है कि अपने कार्यकाल के दौरान वे नौकरी के बदले नकदी घोटाले में शामिल थे। बाद में वे द्रमुक में शामिल हो गए और 2021 में मंत्री बने।

14 जून को बालाजी गिरफ्तार हुए थे :

तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी को 14 जून को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उधर, राज्यपाल आरएन रवि ने 29 जून 2023 को जेल में बंद वी सेंथिल बालाजी को तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया था। राज्यपाल ने सेंथिल को बर्खास्त करने के लिए सीएम एमके स्टालिन से भी राय-मशविरा नहीं किया। राज्यपाल के इस फैसले के खिलाफ स्टालिन ने कहा था, हम राज्यपाल के फैसले को कोर्ट में चुनौती देंगे। राज्यपाल को मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार नहीं है।

डीएमके नेता बोले, राज्यपाल के पास संवैधानिक अधिकार है :

डीएमके नेता सरवनन अन्नादुरई ने चेन्नई में कहा कि सेंथिल बालाजी को बर्खास्त करने वाले राज्यपाल कौन होते हैं, क्या उनके पास संवैधानिक अधिकार है? वह सनातन धर्म के अनुसार कार्य कर रहे हैं लेकिन सनातन धर्म हमारे देश का कानून नहीं है। हमारा संविधान हमारी बाइबिल, गीता, कुरान है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे संविधान को ठीक से पढ़ें। उनके पास अधिकार नहीं है, वह अपने आकाओं को खुश करने के लिए इस तरीके से काम कर रहे हैं।

दाऊद इब्राहिम की चार संपत्तियों की नीलामी

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दाऊद इब्राहिम पर भारतीय जांच एजेंसियां लगातार शिकंजा कस कर रही है। इसी क्रम में, प्रशासन ने दाऊद की कई प्रॉपर्टियों को नीलाम करने का फैसला लिया। आतंकवादी दाऊद की मां अमीना बी के नाम पर महाराष्ट्र के रत्नागिरी ज़िले के खेड़ तालुका में जो चार संपत्तियां हैं, उनकी आज नीलामी की गई। ये सभी चार संपत्तियां कृषि योग्य हैं और खेड़ के मुंबके गांव में स्थित हैं। इन संपत्तियों का मूल्य 19 लाख से अधिक बताया जा रहा है।

दाऊद इब्राहिम के परिवार के सदस्यों की दो संपत्तियां शुक्रवार को तस्कर और विदेशी मुद्रा का हेरफेर (संपत्ति की जब्ती) अधिनियम के तहत सक्षम अधिकारी द्वारा आयोजित नीलामी में बेची गईं। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड़ तहसील के मुंबके गांव स्थित चार संपतियां आज नीलामी के लिए उपलब्ध थी, लेकिन उनमें से दो के लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। हालांकि अन्य संपतियों के लिए क्रमश चार और तीन बिल्डरों ने बोली लगाई और एक व्यक्ति ने इन दोनों संपतियों के लिए सफल बोलीदाता बना। >14

पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जापान में सोमवार को आए भीषण भूकंप के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा को पत्र लिखा है और मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने उनसे कहा कि वह नए साल 2024 के पहले दिन जापान में आए भूकंप के बारे में जानकर बहुत दुखी और चिंतित हैं।

पीएम मोदी ने कहा, मैं मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम आपदा से प्रभावित जापान और उसके लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने कहा, एक विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदार के रूप में भारत जापान के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है और इस घड़ी में हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

सोमवार को मध्य जापान के नोटो प्रायद्वीप और आसपास के क्षेत्रों में 7.5 तीव्रता का भीषण भूकंप आया है। जिसमें कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई। अभी भी भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में मलबा और टूटी हुई सड़कें खोज और बचाव अभियान के लिए मुश्किलें पैदा कर रही हैं। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा मंगलवार को एक आपदा आपातकालीन बैठक की। एनएचके वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार वाजिमा सिटी में घरों सहित 25 इमारतें ढह गई हैं। पीएम मोदी ने गुजरात के मांडवी से भाजपा के पूर्व विधायक धनजी सेंघानी के निधन पर भी शोक जताया और कहा कि पूर्व सांसद के निधन की खबर से वह दुखी हैं। करीब 70 साल के सेंघानी का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि उन्हें हाल ही में लकवा मार गया (पक्षाघात) था। भाजपा नेता 2007 से 2012 के बीच कच्छ जिले के मांडवी से विधायक थे।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मांडवी के पूर्व विधायक धनजीभाई सेंघानी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। मेरी प्रार्थना है, भगवान उनकी दिव्य आत्मा को अपने पास रखे और उनके परिवार के सदस्यों को इस त्रासदी का सामना करने की शक्ति दें।

भूकंप में लोगों की मौत पर जताया शोक

वाइब्रेंट गुजरात पर 20 रुपए का सिक्का जारी करेंगे मोदी

अहमदाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के साथ गेटवे टू द फ्यूचर थीम पर 10 जनवरी से गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात समिट शुरू हो रही है। वाइब्रेंट गुजरात के 20 साल पूरे होने पर केंद्र सरकार 20 रुपए का सिक्का भी जारी करेगी। सिक्का पीएम मोदी लांच करेंगे। इस सिक्के पर 'विकसित भारत के लिए अग्रसर गुजरात' लिखा होगा।

समिट में 4 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 18 देशों के गवर्नर व मंत्री, 14 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ये 4 राष्ट्राध्यक्ष यूएई, मोजाम्बिक, चेक गणराज्य और ईस्ट तिमोर के हैं। पीएम मोदी समिट का उद्घाटन करेंगे। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह 12 जनवरी को कार्यक्रम का समापन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, चेक गणराज्य के पीएम पेट्र फियाला मुख्य अतिथि हो सकते हैं, जबकि यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ प्रधानमंत्री मोदी रोड शो कर सकते हैं।

कांग्रेस की गारंटी काठ की हांडी-मोदी की सच्ची : नड्डा

शिमला, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलने पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन पीटरहॉफ में किया गया।

नड्डा ने कहा हिमाचल में उत्साह से प्रसन्नता का वातावरण कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश। सभी कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया उसके लिए सबका धन्यवाद्। जाखू, तारा देवी को नमन , यात्रा सफल। हिमाचल प्रदेश देवभूमि है जब तक मैं यहां के देवी देवताओं को नमन नहीं करता है यात्रा सफल नहीं होती।

नड्डा ने कहा की नया साल राममय होगा, राम ने किया सभी मर्यादाओं का पालन। इसी प्रकार भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता भी राम की तरह मर्यादित रूप से जनता की सेवा करते हुए देश को सशक्त बनाएगा। इसी से देश शक्तिशाली होगा। नड्डा ने आह्वान किया की 22 जनवरी से हम सब सभी तीर्थ स्थलों और मंदिरों में सफाई अभियान चलाएंगे। राम ज्योति को नाम पर दिवाली मनाते हुए हर घर में 5 ज्योति जलाने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा की राम मंडी निर्माण में भी हिमाचल का भी बड़ा योगदान है, 11 जून 1989 को पालमपुर की पावन धरती से राम मंदिर का प्रस्ताव पारित हुआ था, आज प्रस्ताव साकार होता दिखाई दे रहा है। अटल, आडवाणी पालमपुर आए थे और इस प्रस्ताव को पारित करने का कार्य किया था यह हिमाचल के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा की कांग्रेस ने नेता कहते थे को 3 राज्य में वह जीत हासिल करेंगे, हमने तख्ता पलटा और आज बड़े बहुमत के साथ हमने तीनों राज्यों में सशक्त और प्रबल सरकार बनाई है।

'पृथ्वी योजना' के लिए 4797 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उप योजनाओं को क्लब करने के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी हैं। सरकार ने शुक्रवार को 2021 से पांच साल की अवधि में 4,797 करोड़ रुपये की लागत से पृथ्वी विज्ञान पहल को मंजूरी दे दी हैं।

इस योजना में वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान मॉडलिंग अवलोकन प्रणाली और सेवाएं, महासागर सेवाएं, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी, ध्रुवीय विज्ञान और क्रायोस्फीयर अनुसंधान, भूकंप विज्ञा और विज्ञान का अध्ययन शामिल हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पृथ्वी विज्ञान की व्यापक योजना कई एमओईएस संस्थानों में एकीकृत बहु विषयक पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान और अभिनव कार्यक्रमों के विकास को सक्षम बनाएगी। >14

पुंछ-राजौरी में सक्रिय 25-30 आतंकियों के खात्मे की तैयारी

श्रीनगर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में शांति के लिए हाल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में सुरक्षा प्लान-2024 को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले हुए। इनमें जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिले में सक्रिय 25 से 30 आतंकियों के खात्मे और भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए पाकिस्तान से चलाए जा रहे 9 हजार से ज्यादा सोशल मीडिया हैंडलों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। गृहमंत्री शाह की समीक्षा बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख शामिल थे। बैठक में 2024 के सुरक्षा प्लान से जुड़े 10 बिंदुओं पर सहमति बनी है। अभी सुरक्षा एजेंसियां गणतंत्रता दिवस की तैयारियों में व्यस्त हैं। नई सुरक्षा नीति पर 26 जनवरी के बाद अमल होगा।

पुंछ और राजौरी से आतंकवादियों को खत्म करना तय हुआ :

एक शीर्ष अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया है कि सबसे बड़ी प्राथमिकता पुंछ और राजौरी में सक्रिय 25 से 30 आतंकवादियों को खत्म करना तय हुआ है। इनमें से अधिकांश पाकिस्तान के हैं। सुरक्षा एजेंसियों को इन दो जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

आतंकी राजौरी और पुंछ जिलों में शिफ्ट हो गए हैं, क्योंकि ये नियंत्रण रेखा के करीब हैं। यहां कई प्राकृतिक गुफाएं हैं, जहां आतंकी छिपते हैं। सुरक्षा प्लान में इन जिलों में सभी प्राकृतिक और गुप्त ठिकानों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द नष्ट करने का निर्देश दिया गया है। 2023 में पुंछ और राजौरी जिलों में 25 से ज्यादा आतंकियों को मारा गया। वहीं, 19 जवानों शहीद हुए हैं।

संसद की सुरक्षा में सेंध का मामला : 6 में से 5 आरोपियों का पॉलीग्राफी टेस्ट होगा

कोर्ट ने सभी की कस्टडी 13 जनवरी तक बढ़ाई

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में 13 दिसंबर को सागर शर्मा और डी मनोरंजन नाम के शख्स कूदे थे। इन्होंने रंगीन धुआं छोड़ा था। संसद के बाहर इनके साथी नीलम और अमोल शिंदे नारे लगा रहे थे। संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले 6 आरोपियों में से 5 का पॉलीग्राफ टेस्ट होगा। 2 आरोपियों मनोरंजन और सागर ने नार्को एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग टेस्ट के लिए कोर्ट में अपनी सहमति दी है। बाकी तीन आरोपी अमोल, ललित और महेश भी पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए तैयार हो गए।

छठवीं आरोपी और संसद के बाहर नारे लगाने वाली नीलम आजाद ने पॉलीग्राफ टेस्ट कराने से मना कर दिया है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में शुक्रवार (5 जनवरी) को मामले की सुनवाई हुई। एडिशनल जज हरदीप कौर ने दिल्ली पुलिस की मांग पर आरोपियों की पुलिस कस्टडी को 13 जनवरी तक बढ़ा दिया है। आरोपियों को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। डिफेंस के वकील अमित शुक्ला ने दिल्ली पुलिस की पॉलीग्राफी टेस्ट की मांग पर कोर्ट से कानूनी सलाह के लिए 15 मिनट का समय मांगा। कोर्ट ने इसकी मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने आरोपी अमोल शिंदे, ललित झा, मनोरंजन डी, सागर शर्मा और महेश कुमावत से बात की, जिसके वह पॉलीग्राफ टेस्ट कराने के लिए तैयार हो गए।

वकील अमित शुक्ला ने दिल्ली पुलिस से मनोरंजन और सागर के नार्को और ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराने का कारण पूछा। स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर (एसपीपी) अखंड प्रताप ने बताया कि इसकी सलाह एक एक्सपर्ट ने दी है और वे इससे बंधे हैं। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने मोबाइल डेटा रिकवर करने और जांच के लिए कोर्ट से पुलिस कस्टडी आठ दिनों तक बढ़ाने की मांग की। वकील अमित शुक्ला ने पुलिस कस्टडी का विरोध किया और कहा कि ज्यूडिशियल कस्टडी के दौरान डेटा से रिलेटेड पूछताछ की जा सकती है यहां तक कि न्यायिक हिरासत के दौरान पॉलीग्राफ टेस्ट भी किया जा सकता है। इस पर एसपीपी ने कहा कि यूएपीए, एजेंसी को 30 दिनों तक पुलिस हिरासत बनाए रखने का अधिकार देता है।

बंगाल में ईडी की टीम पर हमला: याद है

राशन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रही है कार्रवाई

जब सीबीआई अफसरों पर भारी पड़ी थी ममता बनर्जी की पुलिस, धरने पर बैठ गई थीं

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राशन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी सिलसिले में ईडी की टीम शुक्रवार को छापेमारी करने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली गांव पहुंची, जहां पूरी टीम को ग्रामीणों की भीड़ ने घेर लिया और उन पर कथित तौर पर हमला कर दिया। भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ ने ईडी अधिकारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षाबलों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की। मालूम हो कि ईडी के अधिकारियों पर ग्रामीणों का हमला उस समय हुआ, जब ईडी की टीम टीएमसी नेता एसके शाहजहां शेख के घर छापेमारी करने पहुंची थी।

पहले भी आते रहे हैं इस तरह के मामले

मालूम हो कि पश्चिम बंगाल में ईडी और सीबीआई कई घोटालों की जांच कर रही है। हालांकि, केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के साथ यह पहली बार इस तरह का वाकया नहीं हो रहा है। अधिकारियों के साथ पहले भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं।

जब पुलिस ने सीबीआई के अधिकारियों को लिया था हिरासत में

साल 2019 में राज्य पुलिस और सीबीआई के अधिकारियों के बीच इसी तरह का टकराव देखने को मिला था। उस समय सीबीआई की टीम ने वर्तमान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) से पूछताछ करने पहुंची थी, जिसके बाद राज्य पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें अस्थायी रूप से हिरासत में ले लिया था। हालांकि, इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र और भाजपा पर जमकर हमला बोला था। इस दौरान उन्होंने संविधान को बचाने के लिए रात भर धरना भी दिया था।

क्या था ममता बनर्जी पर सीबीआई का मामला?

मालूम हो कि सारधा चिटफंड घोटाले मामले में सीबीआई के अधिकारियों ने उस समय के बंगाल पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार से पूछताछ करने कोलकाता पहुंची थी। हालांकि, राज्य पुलिस के अधिकारियों ने सीबीआई की टीम को राजीव कुमार के घर में दाखिल होने नहीं दिया और उन्हें अपने साथ शेक्सपियर सारणी थाने में लेकर गई। कोलकाता पुलिस ने इस मामले में दावा करते हुए कहा था कि सीबीआई की टीम राजीव कुमार से पूछताछ करने के लिए बिना किसी वॉरंट के आई थी। हालांकि, सीएम ममता को इस बारे में जब खबर लगी कि सीबीआई की टीम कोलकाता राजीव कुमार से पूछताछ करने आई है, जिसके बाद वह राजीव कुमार के आवास पर पहुंच गईं।

'लड़कियों को सेक्स की इच्छा पर कंट्रोल रखना चाहिए'

एचसी के आदेश पर अब सुप्रीम कोर्ट की विपरीत प्रतक्रिया

कोलकाता, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट की टिप्पणी 'लड़कियां यौन इच्छाओं पर कंट्रोल रखें' इसपर अब सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिक्रिया दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले की आलोचना की है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा था कि, 'लड़कियों को यौन इच्छाओं (सेक्स) पर कंट्रोल रखना चाहिए, दो मिनट के सुख के लिए उसे खुद को समर्पित नहीं करना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट की टिप्पणी पर कहा है कि, 'ऐसे फैसला लिखना बिल्कुल गलत है। और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे फैसले समस्याग्रस्त हैं। फैसले में लागू कानूनी सिद्धांत भी सवालों के घेरे में है।' सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की पीठ ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई सुनवाई के दौरान कहा, ''देखिए किस तरह के ये फैसले हैं, न्यायाधीशों ने किस तरह के सिद्धांतों का आह्वान किया है! हाई कोर्ट का कहना है कि पॉक्सो धारा में संशोधन किया जाना चाहिए और चूंकि इसमें संशोधन नहीं किया गया है, वे धारा 482 के तहत शक्ति का प्रयोग करेंगे।

29 वर्षीय व्यक्ति ने 12 साल की किशोरी से शादी कर किया गर्भवती , बाल विवाह का मामला दर्ज

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नवी मुंबई में पुलिस ने 12 वर्षीय किशोरी से कथित तौर पर शादी करने और उसके साथ कई बार बलात्कार करने तथा उसे गर्भवती करने के आरोप में 29 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया छह महीने पहले बाल विवाह हुआ था, जोकि देश में अवैध है। कथित तौर पर उस व्यक्ति ने किशोरी के साथ कई बार बलात्कार किया जिससे वह गर्भवती हो गयी। उन्होंने बताया कि व्यक्ति और नाबालिग दोनों मूल रूप से महाराष्ट्र के सतारा जिले के रहने वाले हैं। बृहस्पतिवार को एक सर्वेक्षण के दौरान पनवेल के एक स्थानीय डॉक्टर को ये जानकारी प्राप्त हुई कि लड़की चार महीने की गर्भवती है।

सांप के जहर से बने नशे में हुआ दिव्या का कत्ल, गैंगस्टर बिंदर गुर्जर के इशारे पर वारदात'

गुरुग्राम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गैंगस्टर संदीप गाडौली की गर्लफ्रेंड दिव्या पाहुजा की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जिस समय उसके प्रेमी अभिजीत ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया, उस समय वह सूखे नशे के प्रभाव में था। यह सूखा नशा पंजाब में एक फार्म हाउस में पाले गए सांपों के जहर से तैयार किया गया था। यह फार्म हाउस अभिजीत के एक दोस्त का है। आरोपी अभिजीत के इस कबूनामे के बाद गुरुग्राम पुलिस ने पंजाब पुलिस की मदद से मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इस समय अभिजीत पांच दिन की पुलिस हिरासत में है। गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट सेक्टर 17 ए की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बिंदर गुर्जर का करीबी है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के बीच

कब होगा सीटों का बंटवारा? संजय राउत ने दिया अपडेट

हमें चारों पार्टियों में कोई टकराव नहीं दिख रहा है- संजय राउत

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तेज होती तैयारियां तेज हो चुकी हैं। इसी बीच, शिवसेना (यूबीटी गुट) नेता संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी की कांग्रेस, एनसीपी, शिवसेना और वंचित बहुजन आघाडी प्रमुख के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है।

सीट बंटवारे को लेकर चर्चा खत्म

संजय राउत ने कहा, मैंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की, जो उच्च स्तरीय समिति का हिस्सा हैं। कुछ दिनों में हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा गठित समिति के साथ बैठक करेंगे और हमारी प्राथमिक चर्चा समाप्त हो जाएगी। कांग्रेस, एनसीपी, शिवसेना और प्रकाश अंबेडकर (वंचित बहुजन आघाडी प्रमुख) के साथ सीट बंटवारे पर हमारी बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। यह बहुत सकारात्मक चर्चा रही है। हमें चारों पार्टियों में कोई टकराव नहीं दिख रहा है। हम कांग्रेस और प्रकाश अंबेडकर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

पी चिदंबरम की अध्यक्षता में बैठक

इससे पहले, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी की गठबंधन समिति और घोषणा पत्र समिति के सदस्यों के साथ बैठक कीं। सबसे पुरानी पार्टी दो बार एक साथ आई, पहले पार्टी प्रमुख खरगे के आवास पर कांग्रेस गठबंधन समिति की बैठक हुई और बाद में एआईसीसी मुख्यालय में कांग्रेस घोषणा पत्र समिति की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने की थी। अलायंस कमेटी की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कमेटी के संयोजक मुकुल वासनिक ने कहा कि बैठक में इंडिया ब्लॉक के भीतर कांग्रेस की सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा हुई।

गठबंधन के नेताओं से कांग्रेस की चर्चा

मुकुल वासनिक ने कहा, कांग्रेस गठबंधन समिति ने पिछले कई दिनों में भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) के भीतर विभिन्न राज्यों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया। आज, उनका विवरण पार्टी अध्यक्ष खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को दिया गया। अब, जल्द ही कांग्रेस विपक्षी गठबंधन ब्लॉक के अन्य सहयोगियों के साथ राज्यवार चर्चा करेगी। इस बीच, चिदंबरम ने मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा, आज की बैठक मेनिफेस्टो कमेटी की पहली बैठक थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर अगले हफ्ते फिर से बैठक होगी।

1430 किमी का सफर

गुजरात से रामलला के दर्शन करने निकले लड़के लड़कियां अयोध्या तक करेंगे रनिंग

बिलिमोरा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के बिलिमोरा से 30 युवा अयोध्या के लिए निकले हैं। ये लोग दौड़ते हुए रामलला के दरबार में पहुंचेंगे। इनमें चार लड़कियां और 25 लड़के शामिल हैं। ये सभी युवा 1430 किलोमीटर का सफर रनिंग करके तय करेंगे। इन युवाओं ने 100 किलोमीटर की दूरी तय कर ली है और नर्मदा किनारे भरूच शहर में पहुंच चुके हैं। इन युवाओं का कहना है कि वे अपने आप को गौरवशाली मानते हैं। उन्हें बेहद खुशी है कि श्री राम जी का मंदिर बनकर तैयार है और प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। हमें खुशी है कि हम इस महोत्सव में शामिल होने वाले हैं। अयोध्या तक दौड़कर जाने की वजह पूछने पर उन्होंने बताया कि हम ये पूरे भारत के लोगों को संदेश देना चाहते हैं कि भारत एक बने और लोग अपनी फिटनेस का ध्यान रखें। इसी के साथ जय श्री राम के उद्घोष के साथ सभी युवाओं ने अयोध्या की तरफ प्रयाण किया। बता दें कि अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होनी है।

शरद पवार के पोते रोहित पवार तक पहुंची ईडी

सुबह ही 6 ठिकानों पर सर्च; एनपीसी चीफ के हैं बेहद करीब

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। एनसीपी मुखिया शरद पवार के करीबी और उनके पोते रोहित पवार की कंपनी बारामती एग्रो पर ईडी ने छापेमारी की है। शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की टीमें बारामती एग्रो के परिसर पहुंचीं और जांच की। एजेंसी का कहना है कि बारामती एग्रो के परिसरों में यह जांच महाराष्ट्र स्टेट कॉपरेटिव बैंक घोटाले को लेकर की गई है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप है। बारामती एग्रो के खिलाफ यह जांच पुणे, बारामती, औरंगाबाद और अमरावती समेत 6 जगहों पर हुई है। यही नहीं सर्च के दौरान बारामती स्थित कंपनी के परिसर को कवर कर दिया गया था। शरद पवार की फैमिली के खिलाफ ईडी की यह जांच उस समय हुई है, जब उनके भतीजे अजित पवार डिप्टी सीएम हैं। यह जांच 2019 में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से दर्ज किए गए केस में हुई है। दरअसल पिछले साल 22 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि राज्य के सहकारी सेक्टर की शुगर फैक्ट्रीज को जिस तरह से बेचा गया है, उसकी जांच होनी चाहिए। अदालत ने सुनवाई के दौरान बिक्री की कीमत पर भी टिप्पणी की थी। अदालत में सवाल उठा था कि आखिर इन्हें औने-पौने दामों पर क्यों बेचा गया।

'टारगेट का क्या है, कुछ भी तय करो; पर माहौल भाजपा के खिलाफ'

इस बीच एनसीपी चीफ शरद पवार का कहना है कि लोकसभा चुनाव में हालात भाजपा के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भले ही भाजपा 400 सीटों का टारगेट तय कर लिया है और उसे इसका हक भी है, लेकिन स्थिति उसके खिलाफ है। शिरडी में उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में है। वह आक्रामक अभियान भी चला सकते हैं। भाजपा की तो प्रोपेगेंडा मशीन है, जो जर्मनी में हिटलर की तरह से काम कर रही है। वे 543 में से 400 सीटें जीतने का टारगेट भी तय कर ही सकते हैं, लेकिन ऐसा कुछ संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, पंजाब, बंगाल, बिहार और झारखंड में सत्ता में नहीं है।

महाराष्ट्र में सिर्फ कांग्रेस ही विपक्ष में एकजुट बाकी दोनों में फूट

गौरतलब है कि एनसीपी चीफ शरद पवार इंडिया अलायंस के अहम चेहरे हैं। हालांकि अब उनकी ही पार्टी में बंटवारा हो गया है और ज्यादातर सांसद एवं विधायक अजित पवार के पक्ष में हैं। ऐसे में कांग्रेस से सीटों को लेकर उनकी क्या डील हो पाती है, यह देखना होगा। फिलहाल महाराष्ट्र में विपक्ष में कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है, जो एकजुट है। उद्धव सेना और एनसीपी में तो दो धड़े हैं, जिनमें से एक सत्ता का हिस्सा है तो दूसरा विपक्ष में बैठा है।

उद्धव गुट को 23 सीटें देने के मूड में नहीं है कांग्रेस

मुंबई में करेगी बड़ी बैठक

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के आने से पहले ही विपक्षी दलों के बीच सीटों को लेकर तनाव शुरू हो गया है। बता दें कि कांग्रेस और देश के विभिन्न विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में इस वक्त सीटों को लेकर विवाद गहराया हुआ है। पंजाब में केजरीवाल, बंगाल में ममता और महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव गुट) किसी भी हालत में सीटों पर समझौता करने को तैयार नहीं है। उद्धव गुट ने तो अकेले ही महाराष्ट्र की 48 में से 23 लोकसभा सीटों पर दावा ठोक दिया है।

23 सीटों पर तैयार नहीं है महाराष्ट्र कांग्रेस

उद्धव ठाकरे की शिवसेना बीते कई दिनों से महाराष्ट्र की 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा ठोक रही है। हालांकि, सूत्रों की मानें तो कांग्रेस की प्रदेश ईकाई किसी भी हालत में 23 सीटों पर मानने को तैयार नहीं है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने भी महाराष्ट्र की 20 सीटों पर दावा ठोका है।

बता दें कि महाराष्ट्र में एनसीपी (शरद पवार गुट), कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना इंडिया अलायंस का हिस्सा है। अगर उद्धव गुट 23 और कांग्रेस 20 सीटों पर चुनाव लड़ती है को शरद पवार वाली एनसीपी के लिए केवल 5 सीटें बचेंगी।

कांग्रेस करेगी बैठक

लोकसभा की 23 सीटों पर शिवसेना(यूबीटी) के दावे के बाद कांग्रेस अलर्ट हो गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के इंचार्ज रमेश चेन्निथला को मुंबई जाने का आदेश दिया गया है। 11 जनवरी को रमेश चेन्निथला मुंबई पहुंचेंगे और यहां 11 और 12 जनवरी को कांग्रेस की बड़ी बैठक होगी। इस बैठक में लोकसभा की सभी सीटों का जायजा लिया जाएगा। हर सीट पर वहां के स्थानीय नेताओं से उनका मत क्या है इसे रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके बाद रमेश चेन्निथला ये रिपोर्ट दिल्ली आलाकमान को सौपेंगे।

दिल्ली जाएंगे उद्धव ठाकरे

सीटों पर जारी विवाद के बीच ये भी खबर है कि उद्धव ठाकरे दिल्ली जाने वाले हैं। यहां 9 और 10 जनवरी को उद्धव कांग्रेस के नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान उद्धव और कांग्रेस नेताओं के बीच में महाराष्ट्र के सियासी हाल और इंडिया अलायंस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा हो सकती है।

तख्त श्री दमदमा साहिब के पूर्व जत्थेदार बलवंत सिंह नंदगढ़ का निधन

मुक्तसर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। (पंजाब) तख्त श्री दमदमा साहिब के पूर्व जत्थेदार बलवंत सिंह नंदगढ़ का शुक्रवार को निधन हो गया। करीब 80 वर्षीय जत्थेदार नंदगढ़ ने मुक्तसर के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे काफी समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार बूड़ागुज्जर जेल रोड के पास स्थित उनके फार्म हाउस पर होगा। जत्थेदार नंदगढ़ मार्च 2003 से लेकर जनवरी 2015 तक तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार रहे। इससे पहले वे 1996 में एसजीपीसी के सदस्य भी चुने गए थे। उन्हें अपनी बेबाक वाकशैली के लिए जाना जाता था। गौरतलब है कि जेल सुपरिंटेंडेंट शिवराज सिंह नदंगढ़ उनके बेटे हैं, जो पिछले कई दिनों से

क्या रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ेंगी सोनिया गांधी? इस वजह से शुरू हुई चर्चा

रायबरेली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच इन दिनों इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि इस बार सोनिया गांधी रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ेंगी। इसकी वजह है कि तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने उनसे मेडर सीट से चुनाव लड़ाने की मांग की है। इसके पीछे कांग्रेस की क्या रणनीति है और अगर सोनिया रायबरेली छोड़ती हैं तो उनकी विरासत को कौन संभालेगा इसे लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। दरअसल तेलंगाना कांग्रेस ने सोनिया गांधी को दक्षिण से लोकसभा चुनाव लड़ाने की मांग की है। इसके पीछे उत्तर और दक्षिण भारत की राजनीति को अहम माना जा रहा है। उत्तर भारत में अगर हिमाचल प्रदेश को छोड़ दिया जाए तो कहीं भी कांग्रेस का अपना सीएम नहीं है, बिहार में कांग्रेस जेडीयू और आरजेडी के साथ गठबंधन हैं। वहीं दक्षिण भारत में हाल ही में दो राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी हैं।

रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ेंगी सोनिया गांधी

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और उसकी सहयोगी दलों ने यहां की कुल 132 में से 63 सीटों पर जीत दर्ज की थी। यहीं वजह है कि अब कांग्रेस दक्षिण भारत में अपने पैर मजबूत करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेताओं को लगता है कि अगर सोनिया गांधी तेलंगाना से चुनाव लड़ती हैं तो पार्टी को मज़बूती मिल सकती है।

सोनिया गांधी नहीं तो कौन लड़ेगा चुनाव?

इन तमाम बातों के इतर यूपी की रायबरेली सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है और इसे गांधी परिवार का गढ़ माना जाता है। सोनिया गांधी इस सीट से लगातार चार बार से जीतती आ रही हैं और हर बात उन्हें पचास फ़ीसद से ज़्यादा वोट मिले हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि अगर सोनिया गांधी रायबरेली छोड़ती है तो फिर उनकी जगह कौन इस सीट पर चुनाव लड़ेगा? माना जा रहा है कि अगर सोनिया गांधी यहां से चुनाव नहीं लड़ती हैं तो यहां गांधी परिवार के ही किसी बड़े चेहरे को मैदान में उतारा जा सकता है।

इस रेस में प्रियंका गांधी का नाम सबसे आगे है। हालाँकि कांग्रेस नेता कई बार कह चुके हैं कि प्रियंका गांधी कब और किस सीट से चुनाव लड़ेंगी या नहीं इसका फ़ैसला वो ख़ुद ही लेंगी।

'मैं ऊंट दिखता हूं, तू बकरी'

पत्नी के छोटे कद की वजह से पति देना चाहता है तलाक

खंडवा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां के महिला थाने में गुरुवार देश शाम पहुंची एक नवविवाहित पीड़िता को उसका पति साथ रखना नहीं चाहता है, और उसका पति उसके कद पर तंज कसते हुए अक्सर कहता है कि तू बकरी दिखती है, मैं ऊंट दिखता हूं। अब पति उसे तलाक देने की बात कह रहा है। यही नहीं पति की बहनें और मां भी पति का साथ देते हुए महिला को कम हाइट के चलते तलाक देने की बात कहते हैं। महिला थाना प्रभारी ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग के बाद ही कुछ निर्णय लेने या लीगल कार्रवाई करने की बात कही है ।

स्वाति मालीवाल को पहली बार राज्यसभा भेजेगी आप, जेल में बंद संजय सिंह फिर बनेंगे सांसद

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी स्वाति मालिवाल को राज्यसभा भेजेगी। इसके अलावा जेल में बंद संजय सिंह फिर से राज्यसभा सांसद बनेंगे। आप ने अपने तीसरे उम्मीदवार के तौर पर एनडी गुप्ता को चुना है। यह राज्यसभा सांसद के तौर पर उनका दूसरा कार्यकाल होगा। दरअसल, दिल्ली के सभी तीन राजयसभा सांसदो का कार्यकाल 27 जनवरी को खत्म हो रहा है। इन सीटों पर 19 जनवरी को चुनाव होने हैं। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने तीनों सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। नॉमिनेशन की आखिरी तारीख 10 जनवरी है। आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने राज्यसभा चुनावों के लिए दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा संजय सिंह और एनडी गुप्ता को उनके दूसरे कार्यकाल के लिए राज्यसभा सांसद के रूप में जारी रखने का फैसला किया है। दिल्ली की तीनों सीटों पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। अभी संजय सिंह, सुशील कुमार गुप्ता और एनडी गुप्ता राज्यसभा सांसद हैं। लेकिन पार्टी ने अब सुशील गुप्ता की जगह स्वाति मालीवाल को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सुशील कुमार गुप्ता ने हरियाणा की चुनावी राजनीति में उतरने की इच्छा व्यक्त की, इसलिए उन्हें पार्टी ने उम्मीदवार नहीं बनाया है। संजय सिंह कथित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद है। ऐसे में उनकी तरफ से दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में एक आवेदन दायर किया गया था कि वे राज्यसभा के लिये आवेदन पत्र में हस्ताक्षर कर सकें। कोर्ट ने उन्हें इसकी अनुमति दे दी है।

शोपियां के चोटीगाम में मुठभेड़, एक आतंकी ढेर

शोपियां, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के चोटीगाम में शुक्रवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शुरू हुई मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया गया है। अभी एक और आतंकी के जंगलों में छिपे होने की आशंका है, जिसे मार गिराने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। चोटीगाम इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों ने घेराबंदी करते हुए तलाशी लेनी शुरू की।

इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ के कुछ ही घंटे बाद सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। एक और आतंकी के चोटीगाम के जंगल में छिपे होने के चलते सुरक्षाबलों का अभियान फिलहाल जारी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 6 जनवरी, 2024 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: सही फैसला लेना काबिलियत नहीं है, फैसला लेकर उसे सही साबित करना काबिलियत है...

आईआईटी हैदराबाद शोध एवं विकास सम्मेलन के दूसरे संस्करण इन्वेंटिव का आयोजन करेगा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान इन्वेंटिव-2024 का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्रता वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटीएच) शिक्षा मंत्रालय के अग्रणी कार्यक्रम इन्वेंटिव-2024 का 19 और 20 जनवरी 2024 को आयोजन करेगा। इस विशाल शोध और विकास (आर एंड डी) सम्मेलन का आयोजन खुद भारत के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के मार्गदर्शन में होगा। यह मौलिकता और प्रौद्योगिकी प्रगति का अनुष्ठान होने वाला है। आज (5 जनवरी 2024) को आईआईटी हैदराबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. बी.वी.आर. मोहन रेड्डी, इन्वेंटिव 2024 संचालन समिति के अध्यक्ष, प्रो. बी.एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद, प्रो बिद्याधर सुबुद्धि, निदेशक, एनआईटी वारंगल और प्रो पी.जे. नारायणन, निदेशक, आईआईआईटी हैदराबाद ने इस शोध एवं विकास सम्मेलन के बारे में दिलचस्प जानकारियां दी।

इन्वेंटिव-2024 अनुसंधान और नवाचार में देश के सर्वोच्च शिक्षा संस्थानों के प्रयासों का समग्र प्रभाव दर्शाने का मंच है। इसका मकसद राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, संस्थानों और उद्योग जगत के बीच सहयोगपूर्ण कार्यक्षेत्रों का पता लगा कर मौलिक नवाचारों को बढ़ावा देना और इनके लाभों को जन-जन तक पहुंचना है।

इस वर्ष आयोजन के पांच प्रमुख कार्य क्षेत्र नवाचार के विभिन्न परिदृश्य सामने रखेंगे और ये आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने से जुड़े क्षेत्रों के

अनुरूप होंगे। अपने संदेश में भारत केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा, इन्वेंटिव-2024 के पीछे हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के "जन अनुसंधान' के मंत्र की प्रेरणा है। यह देश के अंदर अनुसंधान और नवाचार के इकोसिस्टम को मजबूत करने के एकजुट प्रयास की खास पहल है।इन्वेंटिव-2024 के दूसरे संस्करण का आयोजन आईआईटी हैदराबाद कर रहा है जिसमे एक बार फिर नवाचार और उद्यमिता का उत्साह दिखेगा तथा उद्योग और शिक्षा जगत एकजुट हो कर आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने की नई रूपरेखा तय करेंगे।'इन्वेंटिव-2024 को लेकर यह खास तौर से उल्लेखनीय है कि इसमें विभिन्न संस्थानों की भागीदारी बढ़ने वाली है। इस संस्करण में 23 आईआईटी के अलावा, एनआईटी, आ ई आ ई ए स ई आ र , आईआईआईटी, आईआईएससी बैंगलोर जैसे प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान और देश के शीर्ष 50 एनआईआरएफ-रैंक वाले इंजीनियरिंग संस्थान अपने अनुकरणीय कार्यों की प्रदर्शनी शिक्षा और उद्योग जगत दोनों के भागीदारों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। विविधतापूर्ण इस सहयोग के तहत सुविचारित शोकेस तैयार होगा, जिसके तहत कथित कार्य क्षेत्रों में देश के 53 प्रौद्योगिकी संस्थानों के 120 बेहतरीन इनोवेशन पेश किए जाएंगे। यह पूरे आयोजन का बुनियादी आकर्षण होगा। इन्वेंटिव-2024 संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.वी.आर. मोहन रेड्डी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, ""देश हित में शिक्षा और उद्योग जगत का सहयोग बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। इससे न केवल अनुसंधान कार्यों का वास्तविक लाभ मिलेगा बल्कि उद्योग जगत का निवेश भी बढ़ेगा। हम भारत और विश्व बाजार के लिए नवाचार से नए प्रोडक्ट डिज़ाइन कर पाएंगे। इन्वेंटिव-2024 का यह दूसरा आयोजन है जिसका लक्ष्य शिक्षा जगत और उद्योग के बीच संपर्क कायम कर उनके बीच का अंतर समाप्त करना है। इस तरह के आयोजनों से हम आत्मनिर्भर और सशक्त भारत को लेकर प्रधानमंत्री का सपना सच होते देख रहे हैं।

इस विशाल आयोजन में दर्शक चुनिंदा प्रोजेक्ट के बूथ देखेंगे। इसी के साथ उद्घाटन के अवसर पर सरकार के कई प्रमुख अधिकारियों के अलावा उद्योग जगत के 1000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिती होगी।

यह आयोजन शोध एवं विकास प्रदर्शनी के अलावा एक प्रगतिशील मंच होगा जो शिक्षा और उद्योग जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा ताकि दुनिया की तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी प्रौद्योगिकी प्रगति बढे। इस उद्देश्य से प्रत्येक डोमेन के लिए एक घंटे की पैनल चर्चा होगी जिसमें विशेषज्ञ और विचारक मिल कर तमाम चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करेंगे जो अहम कार्य क्षेत्रों के भविष्य की रूपरेखा तय करने के लिए जरूरी है।

आईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी.एस. मूर्ति ने इन्वेंटिव-2024 के आयोजन के बारे में बताया, दूसरे आर एंड डी सम्मेलन इन्वेंटिव-2024 का आयोजन करना हमारे लिए खुशी की बात है। इसमें भारत के मुख्य उच्च शिक्षा संस्थान भाग ले रहे हैं। मुझे खुशी है कि इस बार इन्वेनटिव का दायरा बड़ा होगा। इसमें 23 आईआईटी के अलावा 30 अन्य संस्थान अपनी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगे। मुझे विश्वास है कि इन्वेंटिव-2024 के उद्योग प्रतिभागी इन प्रौद्योगिकियों के आविष्कारकों के साथ हाथ मिला कर देश को इनका व्यावसायिक लाभ देते हुए न केवल आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे बल्कि अधिकतर कार्य क्षेत्रों में ग्लोबल ✎यर और कुछ में ग्लोबल लीडर भी बनाएंगे। आईआईटी हैदराबाद ने आत्मीयता के साथ प्रमुख उद्योगों को इन्वेंटिव-2024 में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए उनसे यह अपील की है कि वे ज्ञान के आदान-प्रदान के अहम अवसरों का पता लगाएं। आयोजन दो दिनों का है। इसमें उद्योग जगत के 1000 से अधिक प्रतिभागियों का आना अपेक्षित है।इन्वेंटिव-2024 के पहले दिन 19 जनवरी 2024 को खास तौर से उद्योग जगत के प्रतिभागी आएंगे और अत्याधुनिक नवाचारों के बारे में गंभीरता से बात करेंगे। आयोजन का दूसरा दिन सार्वजनिक होगा। यह अधिक से अधिक लोगों के लिए प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में हाल की उपलब्धियां देखने का अवसर होगा। आईआईटी हैदराबाद के लिए इन्वेंटिव-2024 आयोजित करना गर्व की बात है। नवाचार और नई खोज का बेहतर भविष्य तैयार करते हुए यह आयोजन शिक्षा और उद्योग जगत को एकजुट कर प्रौद्योगिकी प्रगति का उत्साह बढ़ाता है।

वीएच ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ कीचड़ उछालने के लिए बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी हनुमंत राव ने 'कांग्रेस 420 वादे' नामक एक पुस्तिका जारी करके राज्य सरकार के खिलाफ कीचड़ उछालने के अभियान में शामिल होने के लिए भारत राष्ट्र समिति की आलोचना की। शुक्रवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों ने तेलंगाना में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में स्पष्ट फैसला दिया है और उन्हें विश्वास है कि वह चुनाव के दौरान किए गए अपने सभी वादों को पूरा करेगी। बीआरएस नेता कांग्रेस पार्टी की सफलता को पचाने में असमर्थ हैं और शरारती रणनीति के साथ नवगठित राज्य सरकार की छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। बीआरएस नेताओं को लोगों को बताना चाहिए कि उनकी पार्टी ने दस साल में कितने वादे पूरे किए हैं। बीआरएस पार्टी को यह भी बताना चाहिए कि वह दलितों को तीन एकड़ जमीन का वितरण, प्रत्येक घर को सरकारी नौकरी और दलित को मुख्यमंत्री बनाने में विफल क्यों रही। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी आगामी लोकसभा चुनाव में खम्मम से चुनाव लड़ने की योजना बना रही हैं, हनुमंत राव ने कहा कि अगर सोनिया गांधी खम्मम में चुनाव लड़ती हैं, तो इसका प्रभाव सभी निर्वाचन क्षेत्रों में होगा, जिससे कांग्रेस पार्टी को फायदा होगा। "मैं तेलंगाना में सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी की जीत के लिए सभी निर्वाचन क्षेत्रों में घर-घर जाकर प्रचार में भाग लूंगा। मैं इंडिया ब्लॉक के समर्थन से राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने तक संघर्ष भी करूंगा।"

यूपीएससी चेयरमैन से मिले सीएम रेवंत रेड्डी टीएसपीएससी के पुनगर्ठन पर विचार

हैदराबाद,5 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेड्डी का राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का दौरा दूसरे दिन भी जारी है। कल उन्होंने एआईसीसी के कार्यक्रम में हिस्सा लिया और तीन केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने टीएसपीएससी के पुनर्गठन करने के उद्देश्य से सरकार के कार्यों में तेजी लाया है। रेवंत रेड्डी, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, सीएस शांति कुमारी और कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आज (शुक्रवार) सुबह 11 बजे यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. मनोज सोनी से मुलाकात की। यूपीएससी के प्रदर्शन को देखा। सीएम रेवंत रेड्डी और अधिकारी परीक्षा के संचालन से संबंधित अन्य पहलुओं का अध्ययन करेंगे।

तेलंगाना राज्य के आईएएस का एक समूह पहले से ही यूपीएससी परीक्षा पैटर्न का अध्ययन कर रहा है। केरल राज्य का दौरा करने वाली टीम इस संबंध में राज्य सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगी। टीएसपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के मामले की सीआईटी ने जांच शुरू कर दी है। आईएएस अधिकारी मामले की जांच करने वाली एसआईटी टीम के सदस्यों से भी मामले पर चर्चा करेंगे। एसआईटी जांच के निष्कर्षों के आधार पर आईएएस अधिकारियों ने भविष्य में ऐसी गलतियों को दोहराने से बचने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि टीएसपीएससी परीक्षा बीआरएस सरकार के दौरान आयोजित की गई थी। लेकिन आने वाले दिनों में रेवंत रेड्डी सरकार ने परीक्षाओं को बिना किसी गलती के आयोजित करने के लिए कदम उठाए हैं। पिछली कुछ परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। अन्य को स्थगित कर दिया गया है। इनमें से कुछ परीक्षा आयोजित किए जाने हैं। नए अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद सरकार इन परीक्षाओं के आयोजन पर निर्णय ले सकती है। टीएसपीएससी सदस्यों के इस्तीफे पर राज्यपाल द्वारा निर्णय लेने के बाद सरकार इस संबंध में कार्रवाई कर सकती है।

नीतीश कुमार का रास्ता साफ : आज बनाए जा सकते हैं इंडिया के संयोजक

शनिवार की बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का रास्ता हो सकता है साफ

बैठक में भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनाव में रणनीति तैयार की जाएगी

जेडीयू के नेता ने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने की मांग की है।

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इंडी गठबंधन की शनिवार को होने जा रही बैठक वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के इस गठगंधन का संयोजक बनने की घोषणा हो सकती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इसका संचालन करेंगे। इसमें नीतीश कुमार सहित गठबंधन के सभी घटक दलों के प्रमुख शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि घटक दलों को इसकी जानकारी दे दी गई है। उन्हें एजेंडा भी बता दिया गया है। संयोजक की घोषणा पहला एजेंडा हो सकता है।

नीतीश कुमार के फार्मूला के तहत सीट शेयरिंग पर चर्चा

तेजस्वी यादव

इसके अलावा नीतीश कुमार के फार्मूला के तहत भाजपा के एक के मुकाबले विपक्ष का एक उम्मीदवार देने पर भी बातचीत होगी। नीतीश लंबे अरसे से कह रहे हैं कि घटक दलों के बीच लड़ने वाली सीटों का बंटवारा जल्द से जल्द हो। सूत्रों ने बताया कि नीतीश कुमार के संयोजक बनने पर सभी दलों की सहमति मिलने के बाद ही बैठक की तिथि तय की गई है। तेजस्वी ने संयोजक बनाने तो जेडीयू ने पीएम उम्मीदवार बनाने की रखी मांग तेजस्वी यादव ने जहां नीतीश कुमार को इंडी गठबंधन का संयोजक बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया तो वहीं बिहार सरकार में जदयू मंत्री मदन सहनी ने कहा कि नीतीश कुमार के अनुभव और काम को दखते हुए उन्हें तो पीएम पद का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए।

सीट बंटवारे पर क्या बोले नीतीश के मंत्री ?

मदन सहनी

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर नीतीश कुमार के मंत्री मदन सहनी ने कहा कि इस गठबंधन का शीर्ष नेतृत्व सारी चीजों को देख रहा है।

हमारे नेता नीतीश कुमार ने सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट किए। देशभर की जनता का हमारे नेता के प्रति लगाव बढ़ रहा है।

जीतन राम मांझी ने कहा

जो केके पाठक का विरोध कर रहे,वो गरीब दलित व अल्पसंख्यक विरोधी हैं

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के नेता जीतन राम मांझी ने प्रदेश की शिक्षा को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने वैसे लोगों पर सवाल उठाए हैं जो शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक का विरोध कर रहे हैं। तंज कसते हुए उन्होंने वैसे लोगों को सुनाया है। कहा कि जो केके पाठक का विरोध कर रहे हैं वो गरीब, दलित और अल्पसंख्यक विरोधी हैं। जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर लिखा, केके पाठक का विरोध करने वाले गरीब, दलित, अल्पसंख्यक विरोधी है क्योंकि सरकारी विद्यालयों में अधिकांश इन्हीं तबके के छात्र/छात्रा, खास कर भुंईयां/मुसहर तबके के विद्यार्थी ही पढने आतें हैं। इसके पहले बीते भी मांझी ने सोशल मीडिया पर शिक्षा व्यवस्था को लेकर ही एक पोस्ट लिखा था। उसमें उन्होंने केके पाठक से ही बड़ी मांग कर दी थी। लिखा था, वैसे तो केके पाठक साहब शिक्षा के दिशा में अद्वितीय काम कर रहें हैं। पर यदि वह एक काम और कर दें तो शिक्षा के क्षेत्र में एतिहासिक सुधार हो जाएगा। मुख्य सचिव का बच्चा हो या चपरासी का, विधायक का बच्चा हो या मंत्री का, सरकार से वेतन उठाने वालों के बच्चे सरकारी स्कूल में ही पढ़ेंगे। बता दें कि केके पाठक ने जब से कमान संभाली है तब से शिक्षा विभाग चर्चा में है। शिक्षकों की बहाली भी रिकॉर्ड तोड़ हुई है।

लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी की हुंकार

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के लिए वाराणसी में है खास इंतजाम

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हो रही है

राहुल गांधी करेंगे भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अगुवाई

11 दिनों तक यूपी के 20 जिलों का भ्रमण करेंगे राहुल गांधी

वाराणसी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर से राहुल गांधी देश की सड़कों पर उतरने वाले हैं। 14 जनवरी से राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ों न्याय यात्रा की शुरुआत होने वाली है। राहुल गांधी इस यात्रा की शुरुआत इस बार मणिपुर से करेंगे और फोकस रहेगा उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश में इस बार कांग्रेस के अहम चेहरों का जमघट लगने वाला है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हो रही है। यह यात्रा सोनभद्र, चंदौली के रास्ते 14 व 15 फरवरी को वाराणसी पहुंचेगी। इस यात्रा की अगुवाई कर रहे सांसद व वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक दिवसीय इस यात्रा के दौरान काशी में सर्वाधिक समय देंगे। हालांकि यहां रात्रि प्रवास की उम्मीद कम जताई जा रही है लेकिन इस दौरान बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करना तय माना जा रहा है।

ऐतिहासिक होगी राहुल गांधी की ये यात्रा

राहुल गांधी के मीरजापुर में रुकने की संभावना ज्यादा व्यक्त की जा रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि यात्रा ऐतिहासिक होगी। प्रदेश कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों को इस बाबत निर्देशित कर दिया गया है। राहुल गांधी की यह यात्रा उत्तर प्रदेश में 11 दिन की होगी और बीस जिलों से होकर गुजरेगी। मीरजापुर के बाद प्रयागराज इसके बाद अमेठी, रायबरेली होते ही लखनऊ होते हुए यात्रा आगे बढ़ेगी।

अजय राय को मिली अहम कमान

राहुल गांधी कहां रुकेंगे, यह सब अभी तय नहीं है। उत्तर प्रदेश में यात्रा यादगार बनेगी। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की ओर से इस यात्रा को सफल बनाने के लिए अपील की गई है। कांग्रेस के पदाधिकारी यात्रा की सफलता के लिए जुड़ने लगे हैं। कांग्रेस पदाधिकारियों के अलावा इस यात्रा से आमजन को भी जोड़ना है। इसके लिए पार्टी की ओर से घर घर संपर्क किया जाएगा।

जहानाबाद कोर्ट का अनोखा फैसला

'तीन महीने तक करना होगा ट्रैफिक का काम'

जहानाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद में जिला किशोर न्यायालय ने एक अनोखा फैसला सुनाया है। जिला किशोर न्याय परिषद जहानाबाद ने स्पेशल पोक्सो एक्ट के एक मामले में आरोपित बालक को सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया है। इस आदेश के तहत बालक को तीन महीने तक ट्रैफिक का काम करना होगा। यह अनोखा आदेश जिला किशोर न्याय परिषद जहानाबाद/अरवल की प्रधान दंडाधिकारी निवेदिता कुमारी ने दिया है।

आचरण में सुधार के लिए उठाया गया कदम

दरअसल, यह मामला जहानाबाद जिला किशोर न्याय परिषद से जुड़ा है। किशोर न्याय परिषद की ओर से मखदुमपुर थाने में दर्ज स्पेशल पोक्सो एक्ट के एक लंबित मामले की सुनवाई की गई। इसी दौरान बालक के आचरण में सुधार के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत उसे जहानाबाद जिले में तीन महीने तक ट्रैफिक सेवा करने के लिए कहा गया है। आदेश सुनाने के बाद प्रधान दंडाधिकारी ने स्थानीय पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया है कि उक्त विधि विरुद्ध बालक को ट्रैफिक के संबंध में उचित ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक का कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि बालक के कार्य की प्रत्येक माह की उपस्थिति विवरणी एवं उसके द्वारा किए गए कार्य की पूर्ण विवरणी हर महीने की अंतिम तारीख को जिला किशोर न्याय परिषद को उपलब्ध कराएं। सामुदायिक सेवा के दौरान वरुण कुमार गौतम, विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी, जिला किशोर न्याय परिषद, जहानाबाद की ओर से निरीक्षण भी किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उक्त बालक सही तरीके से सामुदायिक सेवा प्रदान कर रहा है।

ओबीसी को आरक्षण दिए बिना निकाय चुनाव?

पटना हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, बिहार सरकार को पूरी करनी होंगी तीन 'शर्तें'

पटना हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सुप्रीम कोर्ट ने बताया था ट्रिपल टेस्ट का फार्मूला

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को बगैर आरक्षण दिए चुनाव कराने के मामले पर सुनवाई पूरी कर पटना हाई कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश के। विनोद चन्द्रन एवं न्यायाधीश पार्थ सारथी की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। मालूम हो कि इससे पहले हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि प्रविधानों के अनुसार, तब तक स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की अनुमति नहीं दी जा सकती, जब तक राज्य सरकार 2010 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित तीन जांच अर्हताएं पूरी नहीं कर लेती।

सुप्रीम कोर्ट का ट्रिपल टेस्ट फार्मूला

सुप्रीम कोर्ट ने जो ट्रिपल टेस्ट का फार्मूला बताया था, उसमें उस राज्य में ओबीसी के पिछड़ापन पर आंकड़े जुटाने के लिए एक विशेष आयोग गठित करने और आयोग की अनुशंसा के अनुसार प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण का अनुपात तय करने को कहा था। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा था कि अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा कुल सीटों का 50 प्रतिशत की सीमा से ज्यादा नहीं हो। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय (के। कृष्णा मूर्ति, सुनील कुमार, विकास किशनराव गावली, सुरेश महाजन, राहुल रमेश वाघ और मनमोहन नागर) का हवाला देते हुए न्यायालय ने राज्य के मुख्य सचिव और राज्य निर्वाचन आयुक्त को आगे की कार्रवाई करने का आदेश दिया था। साथ ही सभी याचिकाओं को निष्पादित कर दिया था।

कोर्ट के आदेश के बाद बना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग

कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को समर्पित आयोग के रूप में अधिसूचित किया। समर्पित आयोग की रिपोर्ट को राज्य निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया और आयोग ने उस रिपोर्ट के आधार पर अति पिछड़ा वर्ग के लिए सीट आरक्षित कर नगर निकाय चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी की। हाई कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ताओं ने समर्पित आयोग की अधिसूचना और उसकी रिपोर्ट को खारिज कर चुनाव को निरस्त करने हेतु याचिका दायर की गई थी।

बीजेपी विधायकों के साथ नजर आए अखिलेश यादव, मुस्कुराते हुई शेयर की खास तस्वीरें

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजनीतिक तौर पर बीजेपी और समाजवादी पार्टी एक-दूसरे के धूर विरोधी हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी को घेरने के लिए विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन भी बन रहा है। इस गठबंधन में बीजेपी के खिलाफ सपा भी शामिल है। लेकिन एक ऐसी तस्वीर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शेयर की जिसमें वो बीजेपी विधायकों के बीच नजर आ रहे हैं। दरअसल, लखनऊ में मध्य उत्तर प्रदेश के विधायकों की एक सर्वदलीय बैठक थी। इस बैठक में बीजेपी और समाजवादी पार्टी के अलावा अन्य दलों के विधायक भी शामिल हुए थे। तस्वीर में अखिलेश यादव के बगल में यूपी विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा तस्वीरों में योगी सरकार में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी दिखाई दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें

इस तस्वीर को अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है। सपा प्रमुख ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा है, 'मध्य उप्र के सर्वदलीय विधायकों के साथ। लोकतंत्र की मुस्कुराती हुई तस्वीरें।' अगले महीने यूपी में विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना 'क्षेत्रवार संवाद कार्यक्रम' कर रहे हैं। इसकी कार्यक्रम के तहत मध्य क्षेत्र के विधायकों के साथ संवाद किया गया। योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण भी मौजूद थे, उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'लखनऊ में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मध्य क्षेत्र के विधायकों को बुलाया गया जिसमें अखिलेश यादव भी शामिल हुए। किस प्रकार लोकतंत्र को और प्रबल बनाया जा सकता है, क्या सर्वोत्तम प्रथाएं अपनाई जाएं और विधायक कैसे अपनी क्षमता को विस्तृत करें, इसपर बहुत सार्थक चर्चा हुई।' वहीं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'अगले महीने होने वाले विधानसभा के बजट सत्र से पहले विधायकों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया।

1 किलो मारिजुआना लेकर स्कूल के पास बेच रहीं थीं दो महिला ड्रग पेडलर

नोएडा पुलिस ने रेड मारकर किया गिरफ्तार

नोएडा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस जिले में नशीले पदार्थों को सप्लाई करने वाले लोगों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। अब पुलिस टीम ने एक स्कूल के पास से दो महिलाओं को नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिलाओं के पास से अधिक मात्रा में मारिजुआना बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नोएडा के बिसरख पुलिस ने नया हैबतपुर गांव में एक निजी स्कूल के पास महिलाओं को मादक पदार्थ के साथ पकड़ा है। गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान 30 वर्षीय कमला और 35 वर्षीय रोशना के रूप में हुई है। दोनों नोएडा की ही स्थानीय निवासी हैं। महिलाओं के पास से पुलिस टीम को एक किलोग्राम से अधिक मारिजुआना बरामद किया है। अधिकारी ने कहा कि गिफ्तार की दोनों महिलाओं के खिलाफ बिसरख पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाही ईदगाह परिसर सर्वे के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट पहुंची मस्जिद कमेटी, एचसी के फैसले को चुनौती

मथुरा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद की प्रबंधन समिति ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक हालिया आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह का अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण के लिए अनुमति दी थी। कोर्ट के इस आदेश को मस्जिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उच्च न्यायालय बीते वर्ष 14 दिसंबर को मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण की निगरानी के लिए एक अधिवक्ता आयुक्त की नियुक्ति पर सहमत हुआ था। मामले में हिंदू पक्ष का दावा है कि ऐसे संकेत हैं जिससे पता चलता है कि एक समय यह एक हिंदू मंदिर था।

हिन्दू पक्ष ने इस परिसर के एएसआई सर्वेक्षण की मांग की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने अनुमति दे दी है। ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंधन समिति ने हाई कोर्ट के आदेश को औपचारिक रूप से चुनौती देने के लिए अपील दायर की है। यह याचिका उच्चतम न्यायालय द्वारा 15 दिसंबर को मुस्लिम पक्ष की मौखिक याचिका खारिज करने के बाद दायर की गई है। उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति देने वाले फैसले पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था और मुस्लिम पक्ष को अपील के माध्यम से आदेश को चुनौती देने के लिए कहा था। मस्जिद समिति ने अपनी याचिका में कहा है कि उच्च न्यायालय को मामले में किसी भी अन्य आवेदन पर निर्णय लेने से पहले उसकी याचिका पर विचार करना चाहिए था।

जानें क्या है मामला?

दरअसल, ये पूरा मामला श्री कृष्ण जन्मभूमि और ईदगाह परिसर की 13.37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक से जुड़ा हुआ है। इसमें करीब 11 एकड़ की ज़मीन पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर बना हुआ है और 2.37 एकड़ जमनी पर शाही ईदगाह मस्जिद बनी हुई है। हिन्दू पक्ष का दावा है कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है वो कंस की कारागार हुआ करती थी, जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। हिन्दू पक्ष पूरी ज़मीन पर दावा करता है वहीं मुस्लिम पक्ष का कहना है कि 1968 में हुए समझौते में ये भूमि मस्जिद के लिए दी गई थी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ शाही ईदगाह कमेटी के बीच हुए 1968 के समझौते को नहीं मानता है। मुग़ल बादशाह औरंगजेब ने अपने शासन काल में कई मंदिरों को तोड़ा था, जिसमें श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर भी शामिल है। मस्जिद में मंदिर के अवशेष आज भी मौजूद हैं।

नोटों की गड्डी और मिठाई लेकर पहुंचे एसपी के पास

पांच साल के लिए हो गए अंदर

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नौ जनवरी 2019 को उत्तराखंड के बागेश्वर थाने में कपकोट के रीमा स्थित खड़िया खनन की कंपनी कटियार माइंस के प्रबंधक मध्यप्रदेश के कटनी जिला निवासी भगवान सिंह और कानूनी सलाहकार बागेश्वर निवासी इंद्र कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। दोनों अभियुक्तों पर तत्कालीन एसपी लोकेश्वर सिंह को 20 हजार रुपये रिश्वत की पेशकश करने का आरोप था। आरोपियों ने दूसरे राज्यों को जाने वाले खड़िया ट्रकों को ओवरलोडिंग के बावजूद पुलिस चेकिंग से बिना रोके निकालने के लिए एसपी से रिश्वत की पेशकश की थी। एसपी के निर्देश पर मौके पर ही दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया था। लोकेश्वर सिंह उत्तराखंड के टॉप मोस्ट ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में शुमार हैं। वह बागेश्वर के बाद चम्पावत और अब वर्तमान में पिथौरागढ़ में एसपी के पद पर तैनात हैं। ईमानदारी और अनुशासन के लिए आईपीएस लोकेश्वर सिंह की पूरे राज्य में मिसाल दी जाती है। भ्रष्टाचार के इस मामले में पुलिस ने पांच मार्च 2019 को कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया था। लोक सेवा अभियोजक गिरिजा शंकर पांडेय ने आरोपियों के खिलाफ आठ गवाह पेश किए। मिठाई का डिब्बा और नोटों की गड्डी भी साक्ष्य के तौर पर कोर्ट में पेश की गई। कोर्ट ने तमाम साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को पांच-पांच साल कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है।

बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अरविंद केजरीवाल को बताया धूर्त, कहा- 'दिल्ली की जनता के आंखों में डाला है मिर्चा'

गोंडा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा गोंडा में आयोजित किए गए मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी, खादी महोत्सव का समापन हो गया। खादी महोत्सव में प्रतिभा करने वाले सभी प्रतिभाओं अधिकारियों और खादी का स्टॉल लगाने वाले सैकड़ों लोगों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। खादी महोत्सव में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की खरीदारी लोगों द्वारा की गई है। समापन समारोह में बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए हैं।

बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मोहल्ला क्लीनिक में किए गए भ्रष्टाचार और ईडी के सामने न पेश होने पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं बहुत धूर्त देखे हैं लेकिन केजरीवाल जैसा धूर्त आदमी मैं आज तक नहीं देखा। उसने दिल्ली की जनता के आंखों में धूल नहीं मिर्चा डाला है मिर्चा डाल करके इतना दिन तक शासन करने का काम किया। आप देखिए की क्या आप देश के कानून से बड़े हैं अगर आपको देश की कोई जांच एजेंसी बुला रही है जांच करना चाहती है तो आप क्यों नहीं जा रहे हो, क्या आप देश के कानून से बड़े हैं।

एनसीपी पर बोला जोरदार हमला

वहीं एनसीपी प्रमुख शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड द्वारा भगवान राम को लेकर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कहा है जाकी रही भावना जैसी, हर मूरत देखी तिन तैसी। दो विचारधारा हमेशा इस धरती पर रही है और इस देश में भी रही है और यह विचारधारा कोई आज से नहीं है ब्रह्मा जी ने जब सृष्टि की उत्पत्ति की थी तभी से दो विचारधाराए रही हैं। दो विचारधाराओं का संघर्ष हमेशा होता रहा है लेकिन आज सनातन प्रेमियों की विजय है। उनके आराध्य देव का मंदिर जो कभी तोड़ा गया था वह आज उनके सामने भव्य रूप से बन रहा है और वह लोग गर्व महसूस कर रहे हैं। जिनको शर्म महसूस करना है वह शर्म महसूस करें क्या दिक्कत है। वहीं जगन्नाथपुरी मठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पीएम द्वारा किए जाने को लेकर दिए गए बयान पर बीजेपी सांसद ने कहा कि इतना बड़ा देश है सबके मत एक नहीं हो सकते हैं।

घर में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़

लुधियाना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लुधियाना घर में ही मशीन लगाकर नोट छापने के बाद उसे मार्केट में चलाने के लिए निकले एक गिरोह का लुधियाना की थाना सराभा नगर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि गिरोह का सरगना पुलिस को चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने पांच लाख दस हजार रुपये के पांच वाले नकली नोट और एक कार बरामद की है। आरोपियों से जो कार बरामद हुई है वह कार आरोपी अपने पड़ोसी की लेकर आए थे जिसे इस काम के बारे में पता भी नहीं था।

हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट की बिक्री पर क्यों लगाई रोक?

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने और हलाल सर्टिफिकेट जारी करने वाली संस्थाओं पर एफआईआर दर्ज किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। चेन्नई के हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने यूपी सरकार और एफएसएसएआई के फैसले को गलत बताते हुए याचिका दाखिल की है। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि इस फैसले का पूरे देश पर असर होगा, इसलिए सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होनी चाहिए।

यूपी सरकार ने किया था फोन

उत्तर प्रदेश में नवंबर 2023 में हलाल सर्टिफिकेट वाले खाद्य उत्पादों पर रोक लगा दी गई थी।

सरकार की ओर से इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया था कि राज्य में अब हलाल सर्टिफिकेट वाले उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री को तत्काल प्रभाव से बैन कर दिया गया है।

क्या होता है हलाल?

हलाल को लेकर अमूमन विवाद होते रहे हैं। दरअसल जिस जानवर को जिबह करके मारा जाता है, उसके मांस को हलाल कहा जाता है। जिबह करने का मतलब ये होता है कि जानवर के गले को पूरी तरह काटने की बजाय उसे रेत दिया जाता है, जिसके बाद उसके शरीर का लगभग सारा खून बाहर निकल जाता है। ऐसे ही जानवरों के मांस को हलाल मीट वाला सर्टिफिकेशन मिलता है।

क्या है हलाल सर्टिफिकेशन?

हलाल सर्टिफिकेशन इस्लाम के अनुसार दिया जाता है। हलाल सर्टिफिकेशन को ऐसे समझ सकते हैं कि ऐसे प्रोडक्ट्स जिन्हें मुस्लिम समुदाय के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। मुस्लिम लोग हलाल प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करते हैं। हलाल सर्टिफाइड होने का मतलब है कि मुस्लिम समुदाय के लोग ऐसे प्रोडक्ट्स को बिना किसी संकोच खा सकते हैं। भारत में पहली बार 1974 में हलाल सर्टिफिकेशन की शुरुआत हुई। भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई सरकारी संस्था नहीं है। कई प्राइवेट कंपनियां और संस्थाएं ऐसे सर्टिफिकेशन को जारी करती हैं। आरोप है कि हलाल मार्केट को बढ़ाने के लिए कुछ संस्थाएं ऐसे प्रोडक्ट्स पर भी ये सर्टिफिकेशन दे रही हैं, जिन्हें तमाम लोग रोजाना इस्तेमाल करते हैं। यूपी सरकार का कहना है कि सिर्फ मीट की बिक्री पर ही ऐसे सर्टिफिकेशन की जरूरत होती है, तमाम पैकेज्ड फूड पर ऐसे सर्टिफिकेशन की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी जांच एसटीएफ को भी सौंपी थी।

इसरो की एक और बड़ी सफलता

फ्यूल सेल फ्लाइट का किया सफल परीक्षण

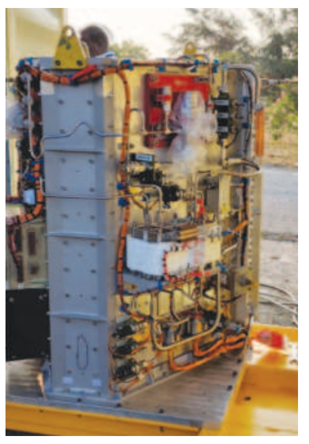

चेन्नई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में अपने अभियान का आकलन करने और भविष्य के अभियानों के लिए प्रणालियों के डिजाइन के लिए आंकड़ें एकत्रित करने के वास्ते एक ईंधन सेल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यहां स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अभियानों को दक्षता प्रदान करने और केवल पानी का उत्सर्जन करने वाली ये ईंधन सेल अंतरिक्ष में बिजली उत्पादन का भविष्य हैं। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र/इसरो ने अपने कक्षीय प्लेटफॉर्म पोअम 3 में 100 वॉट वर्ग की पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेमब्रेन फ्यूल सेल आधारित ऊर्जा प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। पोअम 3 का पीएसएलवी-सी58 से एक जनवरी को प्रक्षेपण किया गया था। इसरो का बयान इसरो ने एक बयान में कहा, ''इस प्रयोग का उद्देश्य अंतरिक्ष में पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेमब्रेन फ्यूल सेल के संचालन का आकलन करना और भविष्य के अभियानों के लिए प्रणालियों के डिजाइन की सुविधा के लिए आंकड़ें एकत्रित करना है।" पोअम (पीएसएलवी कक्षीय प्रायोगिक मॉड्यूल) में छोटी अवधि के परीक्षण के दौरान उच्च दाब वाले कंटेनर में रखी हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस से 180 वॉट ऊर्जा उत्पन्न की गई। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, ''इसने विभिन्न स्थैतिक और गतिशील प्रणालियों के प्रदर्शन पर प्रचुर मात्रा में डेटा प्रदान किया जो बिजली प्रणाली और भौतिकी का हिस्सा थे।" हाइड्रोजन ईंधन सेल शुद्ध जल और ऊष्मा के साथ ही सीधे हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस से बिजली उत्पन्न करते हैं। ईंधन सेल को आज इस्तेमाल होने वाले विभिन्न प्रकार के वाहनों में इंजन के स्थान पर सबसे उचित विकल्प माना जाता है। इसरो ने कहा कि ईंधन सेल अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक आदर्श ऊर्जा स्रोत है क्योंकि यह बिजली और शुद्ध जल दोनों उपलब्ध कराता है।

'कोर्ट को गुमराह किया तो'

सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी योजना को लेकर दिल्ली सरकार पर नाराज सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों के इलाज से जुड़ी योजना 'फरिश्ते दिल्ली के' को लेकर दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को चेतावनी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि अगर उसने याचिका के जरिए कोर्ट को गुमराह किया होगा, तो भारी जुर्माना लगाया जाएगा। दरअसल, दिल्ली सरकार ने एलजी दफ्तर पर फंड जारी करने में रोड़ा अटकाने का आरोप लगाया है। जवाब में एलजी कार्यालय ने कोर्ट में बताया कि एलजी को इस मामले में बेवजह घसीटा गया है, जबकि उनका इस मामले से को लेना-देना नहीं है। इस योजना पर फैसला दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री की कमेटी करती है।

क्या है फरिश्ते योजना?

दरअसल, दिल्ली सरकार की इस योजना के तहत कोई भी शख्स अगर सड़क हादसे में घायल होता है, तो उसे निजी अस्पताल में इलाज की सुविधा मिलती है। इसका पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाती है। केजरीवाल सरकार ने इसे 2018 में शुरू किया था। हालांकि, यह योजना फंड की कमी से बंद हो गई थी। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया था कि एलजी दफ्तर इस योजना के तहत फंड को रिलीज नहीं कर रहा है। इतना ही नहीं आप ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर योजना को फिर से शुरू करवाने की मांग की थी। सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने एलजी वीके सक्सेना और स्वास्थ्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल सरकार पर 'फरिश्ते' योजना में जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का आरोप लगाया था। वीके सक्सेना ने कहा था कि दिल्ली सरकार अपनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोषी ठहरा रही है। उन्होंने कहा, मुझे इस बात का आश्चर्य है कि आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में यह मामला दाखिल कर आरोप लगाया है कि वे इस योजना को रोकने के लिए जिम्मेदार हैं।

कांग्रेस के पूर्व सहयोगी एआईयूडीएफ ने दिखाए तेवर

कहा- राहुल भीड़ इकट्ठा कर सकते, लेकिन वोट नहीं मिलेंगे

बारपेटा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस की 'भारत न्याय यात्रा' को लेकर हमला बोला है। अजमल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ये यात्रा तो शुरू कर रहे हैं, लेकिन लोग इससे कांग्रेस को वोट नहीं देंगे। बदरुद्दीन ने कहा कि राहुल गांधी नेहरू परिवार के बेटे हैं। जब वह कहीं भी जाएंगे तो लोग वहां इकट्ठा हो जाएंगे और लोग उन्हें हीरो के रूप में देखेंगे, लेकिन लोग उन्हें वोट नहीं देंगे। अजमल ने गुरुवार को असम के बारपेटा जिले के बाघमारा चार इलाके में एक सार्वजनिक बैठक में ये बात कही। बता दें कि राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से 'भारत न्याय यात्रा' की शुरुआत करेंगे।

पोंगल से पहले तमिलनाडु सरकार ने दी खुशखबरी लोगों को दिए जाएंगे 1000 नकद उपहार राशि

चेन्नई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने पोंगल के अवसर पर लोगों को खुशखबरी दी है। राज्य सरकार ने शुक्रवार को बताया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पोंगल के अवसर पर लोगों को एक हजार रुपये नकद उपहार राशि देने की घोषणा की है। मालूम हो कि पोंगल का त्योहार इस वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाएगा। राज्य सरकार ने इस बारे में एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें कहा गया है कि त्योहार से पहले केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों, आयकर दाताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत लोगों, चीनी राशन कार्डधारकों और बिना राशन कार्ड धारकों को छोड़कर सभी राशन कार्डधारकों को त्योहार से पहले उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से पोंगल उपहार के रूप में एक हजार रुपये नकद दिए जाएंगे।

'मैं उनकी प्रवक्ता नहीं हूं।' शिवराज के दर्द पर उमा भारती की दो टूक, मोहन यादव की तारीफ के बांधे पुल

भोपाल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती सीहोर पहुंचीं। यहां पूर्व सीएम उमा भारती ने भगवान गणेश के दर्शन किए। इस दौरान पूर्व सीएम उमा भारती ने मीडिया से बातचीत करते हुए शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी दो टूक कह दिया। साथ ही पूर्व सीएम उमा भारती ने राजनीति को लेकर बात करने से इनकार कर दिया। सीहोर के गणेश मंदिर में पूजन-अर्चन के बाद मंदिर से आईं बीजेपी की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती से जब मीडिया ने पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिए गए बयान 'राजतिलक से पहले वनवास' को लेकर बात की तो पूर्व सीएम उमा भारती ने कहा कि 'मैं उनकी प्रवक्ता नहीं हूं।' बता दें पांचवीं बार प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बन पाने को लेकर शिवराज ने अपने मंगलवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र बुधनी में बयान दिया था। शिवराज ने कहा था कि 'कई बार राजतिलक होते-होते वनवास भी हो जाता है।

पति की मौत के बाद पत्नी को दिया गर्भपात की परमिशन

कोर्ट ने वकील की इन दलीलों पर महिला के हित में सुनाया फैसला

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक विधवा महिला को 27 हफ्ते के गर्भपात को गिराने की परमिशन दे दी। पति की मौत के बाद से विधवा महिला मेंटली रूप से डिस्टर्ब हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने याचिकाकर्ता की दलीलों और मानसिक स्थिती की रिपोर्ट्स पर विचार करने के बाद याचिका स्वीकार कर ली। जस्टिस प्रसाद ने कहा, "याचिकाकर्ता की मानसिक स्थिति में बदलाव हुआ है। याचिकाकर्ता अब विधवा हो गई है।" जस्टिस प्रसाद ने आगे कहा कि एम्स की मानसिक स्थिती की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि याचिकाकर्ता अपने पति के निधन के कारण बहुत अधिक परेशान है। उन्होंने आगे कहा कि हालत के कारण महिला अपना मानसिक संतुलन खो सकती है। इस तरह वह खुद को नुकसान भी पहुंचा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि इस कोर्ट की राय है कि महिला को एबॉर्शन की परमिशन दी जानी चाहिए। महिला को अगर गर्भवस्था जारी रखने के लिए कहा जाता है तो उसकी मानसिक हालत और खराब हो सकती है। इससे वह खुद को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए महिला को एबॉर्शन की परमिशन दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि एम्स से अनुरोध है कि याचिकाकर्ता 24 सप्ताह से अधिक की प्रेग्नेंसी को एबॉर्ट करें। हालांकि फैसला सुनाते समय हाईकोर्ट ने यह साफ कर दिया कि यह आदेश खास सिचुएशन को देखते हुए सुनाया गया है। इसलिए उसे मिसाल के तौर पर न देखा जाए। दरअसल, हाईकोर्ट ने बुधवार को याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें सुनने और महिला की मानसिक हालत देखने के बा यह फैसला सुरक्षित रख लिया था।

वकील ने दी ये दलीलें

आदेश जारी करने से पहले पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील डॉ। अमित मिश्रा की दलीलें सुनीं। वकील ने कोर्ट के सामने कहा कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन वह चली गई थी क्योंकि डॉक्टर उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए कह रहे थे। वकील ने कहा कि प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए महिला को मजबूर करना उसकी निजता पर हमला है। वह फिलहाल अवसाद से पीड़ित है।

वह खाना भी नहीं खा पाती है। महिला की मेंटली स्टेटस के बारे में जो रिपोर्ट पेश की गई थी। उसके अनुसार, उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसके मन में आत्महत्या के विचार आ रहे थे। वह डिप्रेशन में थी। वह खुद को या बच्चे को नुकसान ना पहुंचा दे इसलिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

श्मशान घाट में पालतू बिल्ली का अंतिम संस्कार, 6 लोगों के खिलाफ एफआई दर्ज

ठाणे, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के मीरा भायंदर में एक शवदाहगृह में एक पालतू बिल्ली का अंतिम संस्कार करने के आरोप में एक महिला समेत छह लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों में दो पालतू जानवरों के मालिक, तीन सफाई कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मीरा भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) के अधिकारियों ने मामले की शिकायत की, जिसके आधार पर बुधवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 297 (शवदाहगृहों पर अतिक्रमण) के तहत मामला दर्ज किया गया था, हालांकि इस मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। भायंदर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, ''घटना 22 दिसंबर की शाम को हुई।

पश्चिमी चंपारण सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे मनोज बाजपेयी?

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिमी चंपारण के रहने वाले मनोज बाजपेयी के बारे में एक खबर सोशल मीडिया पर चर्चा में है कि वे 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। इस बारे में जब मनोज बाजपेयी को जानकारी हुई, तो उन्हों मजेदार तरीके से सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सबसे पहले जानते हैं कि आखिर मनोज बाजपेयी के बारे में सोशल मीडिया पर चुनाव वाली वायरल खबर क्या थी? दरअसल, सोशल मीडिया पर कुछ खबरें आईं, जिसमें दावा किया गया कि मनोज बाजपेयी 2024 में बिहार के पश्चिमी चंपारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। मनोज बाजपेयी इंडिया गठबंधन की ओर से उम्मीदवार होंगे। बता दें कि फिलहाल इस सीट पर भाजपा का कब्जा है।

भाजपा के टिकट पर 2019 के लोकसभा चुनाव में डॉ। संजय जायसवाल ने चुनाव लड़ा था और उन्होंने चुनाव जीता भी था। वे कुछ समय पहले तक बिहार भाजपा के अध्यक्ष भी थे। खैर, जब मनोज बाजपेयी के बारे में चुनाव लड़ने वाली खबर आई तो उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा- अच्छा ये बताइये, ये बात किसने कहा या कल रात सपना आया? बोलिये बोलिये। दरअसल, मनोज बाजपेयी के पश्चिमी चंपारण से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा सितंबर 2022 में ही शुरू हो गई थी। दरअसल, उन्होंने इस दौरान राष्ट्रीय जनता दल यानी आरजेडी के सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात की थी। लालू से मुलाकात की उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हुईं थीं। अब सोशल मीडिया का कमाल देखिए, दावा किया जाने लगा कि मनोज बाजपेयी 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। हालांकि बाद में एक न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान ही उन्होंने इस संभावना से इनकार किया था कि वे राजनीति में आएंगे। उन्होंने उस दौरान की चर्चा को भी नकारते हुए कहा था कि ये कतई संभव नहीं है। बता दें कि बिहार के इस लोकसभा सीट पर 2009 से भाजपा का कब्जा है।

विधायक पापा ने ही निकाली बिगड़ैल बेटे की हेकड़ी, खुद हवालात में कराया बंद

ग्वालियर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की पिछोर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों के लिए भी एक मिसाल पेश की है। दरअसल, भाजपा विधायक ने अपने ही बिगड़ैल बेटे के कारनामों से परेशान होकर उसे हवालात में भेज दिया है। विधायक खुद अपने बेटे को लेकर थाने पहुंचे। वहीं विधायक के इस काम की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। आम तौर पर देखा जाता है कि दूर के रिश्तेदार भी किसी के विधायक या सांसद हो जाने पर रौब झाड़ते हैं, लेकिन यहां विधायक प्रीतम लोधी ने जिस तरह से अपने ही बेटे को हवालात में भेज दिया है उससे कहीं ना कहीं सभी जनप्रतिनिधियों को सबक लेना होगा। बता दें कि पिछोर विधायक प्रीतम लोधी का बेटा दिनेश लोधी आए दिन नशे करके हंगामा करता है। इतना ही नहीं दिनेश पर लोगों को परेशान करने के भी आरोप लगते रहे हैं। अपने ही बेटे की इन हरकतों से विधायक खुद परेशान हो गए। इसके बाद विधायक प्रीतम लोधी खुद अपने बेटे को लेकर थाने पहुंचे। यहां उन्होंने थाने के टीआई और खुद एसपी से भी बेटे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही। यहां बता दें कि थाना पुरानी छावनी सहित कई अन्य थानों में दिनेश के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

फिलहाल दिनेश को थाना पुरानी छावनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बेटे को हवालात भिजवाने के बाद भाजपा विधायक ने मीडिया से बात की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती, अपराधी का कोई रिश्ता नहीं होता, अपराधी अपराधी होता है। उन्होंने कहा कि मेरे लड़के ने अपराध किया है, मैंने स्वयं उसे पुलिस के हवाले किया है। एसपी साहब से मैंने खुद बात की और कहा कि इसके खिलाफ कड़ी से कड़ी धाराएं लगाई जाएं और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। थाने में मैंने भी पुलिस के साथ अपने बेटे दिनेश को थर्ड डिग्री दी है। उन्होंने कहा कि मैं अपराध के विरोध में हूं और हमेशा रहूंगा। पुलिस को पता है मैंने अपराधी का साथ दिया या फरियादी का।

मरीजों के लिए राहत की खबर, दिल्ली हाईकोर्ट ने तय कर दी ट्रांसप्लांटेशन की टाइमलाइन

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने अहम फैसले में ट्रांसप्लांटेशन से जुड़े आवेदनों, दस्तावेजों के सत्यापन आदि के लिए समयसीमा तय कर दी है। इससे उन मरीजों को बहुत राहत मिलेगी जिन्हें ट्रांसप्लांटेशन के लिए भटकना और लंबा इंतजार करना पड़ता है। जस्टिस प्रथिबा एम सिंह ने कहा है कि मानव अंगों के प्रत्यारोपण नियम 2014 के रुल 10 के तहत इसके आवेदन को 10 दिनों के भीतर प्रक्रिया में लाना जरूरी है और वहीं दस्तावेजों के सत्यापन पर अधिकतम 14 दिनों के भीतर विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने ये भी कहा कि 2014 के नियमों के मुताबिक जरूरी दस्तावेज पूरा करने के लिए दिए गए किसी भी अवसर के बारे में पहले सूचित किया जाना चाहिए। जवाब देने के लिए अधिकतम एक सप्ताह का समय दिया जाना चाहिए। यदि इसके बाद भी समय देने की जरूरत है तो उचित विचार-विमर्श के बाद अवधि को बढ़ाया जा सकता है। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि पूरी प्रक्रिया शुरू करने से लेकर निर्णय तक 6 से 8 सप्ताह से अधिक समय नहीं लगना चाहिए।

वायु सेना के पूर्व अधिकारी की याचिका पर सुनवाई

दरअसल हाईकोर्ट ने भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया, जिन्हें मार्च 2017 में किडनी फेल होने का पता चला था। जिसके बाद दिसंबर 2018 में गुड़गांव के एक अस्पताल ने प्रीमेप्टिव रीनल ट्रांसप्लांट की सिफारिश की। जबकि याचिकाकर्ताओं ने कई दस्तावेज इकट्ठा किए और उन्हें अस्पतालों को मुहैया कराया लेकिन उनकी याचिका पर कोई निर्णय नहीं लिया गया।

पूर्व अधिकारी को हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ा

अंततः वे हाईकोर्ट गये। 24 फरवरी 2021 को हाईकोर्ट ने प्राधिकार समिति को दो सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का आदेश दिया। अक्टूबर 2021 में जब मामला दोबारा उठाया गया तो कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता की मृत्यु हो चुकी है। न्यायालय ने मामले को जारी रखने का फैसला किया और ट्रांसप्लांटेशन से जुड़ी प्रक्रियाओं और चरणों के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर दलीलें सुनीं।

भोपाल में जूड़ा के विरोध के चलते प्रोफेसर को 24 घंटे में हटाया गया

भोपाल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार एक्शन में है। राजधानी भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग में पदस्थ की गई डॉ अरुणा कुमार के खिलाफ जूनियर डॉक्टर ने विरोध क्या किया, सरकार ने उनको 24 घंटों के भीतर ही हटाने का फैसला कर लिया।

गांधी मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग में पदस्थ रही डॉ अरुणा कुमार पिछले दिनों भी विवाद में रही हैं। एक जूनियर डॉक्टर डॉ बाला सरस्वती ने आत्महत्या कर ली थी और प्रताड़ना का कथित तौर पर आरोप डा अरुणा पर लगाया था। परिणामस्वरूप उन्हें हटा दिया गया था। वे स्वास्थ्य संचालनालय में पदस्थ रही। बीते रोज जैसे ही उनकी मेडिकल कॉलेज में पदस्थापना का आदेश जारी हुआ,

पूर्व विधायकों पर ईडी की छापेमारी, गोल्ड-पैसे और हथियारों का जखीरा मिला

सोनीपत, 5 जनवरी (एजेंसियां)। देश के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में छापेमारी की जा रही है। हर रोज एजेंसी के सामने चौंकाने वाली जानकारी सामने आती है। इसी क्रम में ईडी ने हरियाणा और पंजाब के विभिन्न जिलों में आईएनएलडी के पूर्व एमएलए दिबांग सिंह, कांग्रेस के पूर्व एमएलए सुरिंदर पंवार और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। इस छापेमारी में मिली सामाग्रियों को देखकर लोग हैरान हो गए हैं। केंद्रीय एजेंसी ने हरियाणा के यमुनानगर जिले में कथित अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत गुरुवार को पूर्व विधायक और सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और आईएनएलडी के पूर्व एमएलए दिलबाग सिंह के खिलाफ छापेमारी शुरू की थी। इस

छापेमारी में ईडी ने विदेशी निर्मित हथियार, लगभग 300 कारतूस समेत अनेक सामाग्रियां बरामद की है। इनेलो विधायक दिलबाग सिंह और उनके सहयोगियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई तलाशी के दौरान विदेशी निर्मित हथियार, लगभग 300 कारतूस, 5 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। ये मामला हरियाणा पुलिस द्वारा पट्टा समाप्ति अवधि और अदालत के आदेश के बाद भी यमुनानगर और आसपास के जिलों में अतीत में हुए बोल्डर, बजरी और रेत के कथित अवैध खनन की जांच के लिए दर्ज की गई कई एफआईआर से उपजा है। यमुनानगर, सोनीपत, मोहाली, फरीदाबाद, चंडीगढ़ और करनाल में दोनों राजनेताओं और संबंधित संस्थाओं के लगभग 20 ठिकानों पर ईडी को 4-5 किलोग्राम सोना और बड़ी मात्रा में कैश मिला है। इसके अलावा भारत और विदेशों में संपत्ति से संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। ईडी द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई छापेमारी के दौरान कैश, हथियार, गोल्ड के साथ-साथ 100 से अधिक शराब की बोतलें बरामद की गई हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 6 जनवरी - 2024

जेलों में भी जाति ?

कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के स्वर्णकाल में भी देश के जेलों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। देश के अधिकांश जेलों की सडी-गली व्यवस्था के समाचार तो आए दिन मिलते ही रहते हैं लेकिन हद तो तब हो गई जब यह समाचार भी सामने आया कि कैदियों के साथ जातिगत भेदभाव भी किया जा रहा है। अब तक तो यह बात ढंगी व छुपी हुई थी लेकिन मामला तब सामने आया जब गत दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर दावा किया गया कि जेलों की व्यवस्था कैसी है? सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार सहित 11 राज्य सरकारों को इस मामले में नोटिस भी जारी कर दिया है। इस याचिका में उदाहरणों के साथ बताया गया है कि देश की कई जेलों में खाना बनाने जैसे काम को कथित ऊंची जाति के कैदियों को दिया जाता है, जबकि झाड़ू लगाने और शौचालयों की सफाई करने जैसे कार्य कुछ खास या निचली कही जाने वाली जातियों के कैदियों से कराया जाता है। यह भी नहीं कहा जा सकता कि यह सब काम कोई दबे-छुपे ढंग से कराया जा रहा है या किसी खास ऑफिसर की मनमानी का नतीजा है। जानकारी मिली है कि यह चलन शुरू से ही है, जो अब एक परिपाटी का रूप ले चुकी है। इसकी पुष्टि अदालत में दी गई इस जानकारी से भी होती है कि देश के बहुत से राज्यों में जेल मैनुअल जाति के आधार पर इस तरह के कार्य विभाजन किया जाता रहा है। हालांकि 2003 का मॉडल जेल मैनुअल साफ कहता है कि कार्य विभाजन सुरक्षा, अनुशासन और संस्थानिक कार्यक्रमों के आधार पर ही होना चाहिए। देखा जाए तो जातिगत भेदभाव की यह बुराई समाज से ही जेल की दीवारों के बीच पहुंच रही है। सैकड़ों सालों से चली आ रही जातीय भेदभाव की जडें आज भी समाज में अपनी जडें जमाए हुए हैं। भेदभाव या उत्पीड़न की कोई बड़ी घटना हो जाए तो वहीं खबर के रूप में सामने आती है वरना यह सोच तो रोजमर्रा की जिंदगी के एक हिस्से के रूप में हर जगह मौजूद है। फिर भी, जेल में ऐसा होना ज्यादा गंभीर इसलिए है क्योंकि जेल शासन व्यवस्था का एक हिस्सा है, जो देश के संविधान और कायदे-कानूनों से संचालित होता है। यहां इस तरह की गड़बड़ी होती है तो यह पूरे तंत्र की बड़ी नाकामी ही मानी जाएगी। आजकल गुलामी की निशानियों को मिटाने का अभियान सचेत ढंग से लिया गया है। ऐसे में यह बात चकित करती है कि जेलों में अंग्रेजों के जमाने की जातिवादी सोच आज भी मौजूद है। इसका खामियाजा अक्सर खास जातियों और जनजातियों के आदतन अपराधी भुगतने को मजबूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जानकारी मिलते ही इस व्यवस्था की बुराई को दूर करने संकल्प लेते हुए इस दिशा में ठोस कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। सॉलिसिटर जनरल ने भी अदालत की भावनाओं के अनुरूप कहा है कि अगर ऐसा हो रहा है तो यह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। राज्यों को नोटिस जारी करने के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि जेल मैनुअल को अपडेट करने समेत सभी जरूरी कदम उठाए जाएं ताकि व्ययस्था में फैली सडांध को दूर किया जा सके।

श्रम का विकल्प सिर्फ अथक परिश्रम

संजीव ठाकुर

हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है1 जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं1 आज के परिपेक्ष में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है1 बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या विकल्प नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं1 सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं1. मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए 1 यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो, तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है1 जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है1 यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है1 मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए, और इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है1 और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है1 भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है1ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है, जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है, जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता।

दक्षिण में परचम फहराने की तैयारी में भाजपा का अश्वमेध

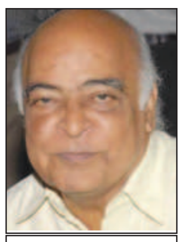

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी तीन हिंदी भाषी राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में वापसी के बाद जोश से ओतप्रोत है। सत्ता के इस सेमीफाइनल में एकतरफा जीत के बाद पार्टी की अगली नजर इस साल होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव पर है जहां उसने 400 के पार का लक्ष्य बनाया है लेकिन भाजपा के लिए दक्षिण का किला भेदना हमेशा से चुनौती रहा है। कर्नाटक भी हाथ से फिसल जाने के बाद वहां की लड़ाई इतनी आसान नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को दक्षिण भारत के पांच राज्यों की 131 सीटों में से सिर्फ 29 में जीत मिल पाई थी। उसमें भी 29 में से 25 सीटें अकेले कर्नाटक से आई थीं। ऐसे में इस बार 400 के टार्गेट को पाने के लिए शीर्ष नेतृत्व ने नया प्लान बनाया है। भाजपा दक्षिण भारत के 131 सीटों में से 84 सीटों पर फोकस कर रही है। नए साल की शुरुआत प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत के दौरे के साथ ही की हैं। दक्षिण भारत के 131 सीटों की अगर बात करें तो तमिलनाडु में 39, कर्नाटक में 28 और आंध्र प्रदेश में 25 लोकसभा की सीटें हैं। वहीं केरल में 20, तेलंगाना में 17 और लक्षद्वीप और पुदुचेरी में 1-1 लोकसभा की सीटें हैं।भाजपा उन 84 सीटों पर फोकस कर रही है जहां इतिहास में कभी भी भाजपा को जीत नहीं मिली है। इन राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी की सभाओं में अच्छी भीड़ होती रही है लेकिन चुनावों में भाजपा को वोट अधिक नहीं मिलता रहा है। भाजपा की तैयारियों को लेकर बताया जाता है कि साल 2014 में भाजपा का फोकस उत्तर भारत और पश्चिम भारत पर रहा था। साल 2019 के चुनाव में भाजपा ने पूर्वी भारत में अपनी पकड़ मजबूत बनायी। 2024 में उम्मीद है कि भाजपा दक्षिण भारत की तरफ भी फोकस करेगी।भाजपा की तेलंगाना और कर्नाटक में अच्छी पकड़ है।गत चुनाव में कर्नाटक में भाजपा ने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार जेडीएस के साथ भाजपा ने गठबंधन किया है हालांकि गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर दिक्कतें आ रही है। वहीं तेलंगाना में पार्टी ने अपने लिए 10 सीटों का लक्ष्य रखा है। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बीआरएस और कांग्रेस के लिए खाली मैदान छोड़ दिया लेकिन शायद लोकसभा में पार्टी अपने हालत में सुधार करेगी। साउथ इंडिया में जहां भाजपा की बहुत अधिक पकड़ नहीं देखने को मिल रही है, वहीं प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता दक्षिण भारत में काफी अधिक रही है। संभावना यह है कि प्रधानमंत्री मोदी साउथ इंडिया की किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। इसका एक बड़ा असर चुनाव पर हो सकता है।भाजपा की एक कोशिश रहेगी कि प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का फायदा पार्टी उठा सके। अगर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव लड़ते हैं तो उसका असर पूरे दक्षिण भारत पर पड़ सकता है। दक्षिण भारत में भाजपा को 2 नए सहयोगी भी मिल सकते हैं। एआएडीएमके और जेडीएस से बात चल रही है, साथ ही टीडीपी के साथ भी गठबंधन की चर्चा चल रही है। भाजपा के पास दक्षिण के कई राज्यों में कुछ भी खोने के लिए नहीं है। यही कारण है कि समय-समय पर पार्टी की तरफ से आक्रामक प्रचार अभियान चलाया गया है। तमिलनाडु में प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के नेतृत्व मेंभाजपा ने जमकर मेहनत किया है। हालांकि के. अन्नामलाई को लेकरभाजपा की सहयोगी रही AIADMK सहज नहीं रही थी और बाद में उसने गठबंधन से अलग होने का भी फैसला ले लिया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा का दक्षिण में जोरदार प्रदर्शन करने का इरादा कम नहीं हुआ है। आने वाले दो महीनों में प्रधानमंत्री इन दक्षिण के 5 राज्यों में खूब प्रचार करेंगे और विकास की कई योजनाएं भी शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को तमिलनाडु के दौरे पर थे जहां उन्होंने 20,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक शानदार नया हवाई अड्डा भी शामिल है। इस हवाई अड्डे के बनने से राज्य के हवाई संपर्क में काफी सुधार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को केरल में थे जहां उन्होंने त्रिशूर में एक भव्य रोड शो और एक जनसभा को संबोधित किया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस जनसभा में लगभग दो लाख भाजपा महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। यह कांग्रेस की ओर से भाजपा के दक्षिण में कमजोर होने के दावों के बादभाजपा का एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बताया जाता है कि काशी-तमिल संगमम से लेकर त्रिशूर में महिला संगमम तक, नरेंद्र मोदी चुपके-चुपके दक्षिण में भाजपा की पैठ बढ़ा रहे हैं। तमिलनाडु दौरे के अगले दिन बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी केरल में '2 लाख महिलाओं' की रैली के जरिए दक्षिण भारत में भाजपा के लोकसभा अभियान का शंखनाद कर चुके हैं।केरल के त्रिशूर में 'नारी शक्ति मोदीकोप्पम महिला संगमम' के जरिएभाजपा शक्ति प्रदर्शन कर रही है। पार्टी का दावा है कि ये कार्यक्रम अभूतपूर्व है क्योंकि दक्षिण भारत में किसी भी पार्टी के कार्यक्रम में महिलाओं की इतनी बड़ी भागीदारी नहीं हुई है। ये कार्यक्रम ऐतिहासिक महिला आरक्षण कानून को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिलने पर केरल की महिलाओं की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देने के लिए है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने पिछले कई सालों की कोशिशों से धीरे-धीरे एक नया वोट बैंक तैयार करने में सफलता हासिल की है। ये नया वोट बैंक है आधी आबादी यानी महिलाओं का। ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल को संसद से पास कराना उसी दिशा में एक अहम कदम है। एक ही बार में तीन बार तलाक बोलकर महिला से रिश्ता खत्म करने की बुराई तलाक-ए-बिद्दत को बैन करने से मुस्लिम महिलाओं को फायदा पहुंचा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्यों की कई भाजपा सरकारें महिलाओं को सीधा फायदा पहुंचाने वाली कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। केंद्र सरकार की बात करें तो उसकी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन अकाउंट, मिशन पोषण, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन, मैटरनिटी लीव को 12 की जगह 26 हफ्ते करना, मातृवंदन योजना के तहत बच्चे के जन्म पर मां को 5000 रुपये जैसी तमाम योजनाएं महिलाओं पर ही केंद्रित हैं। आर्मी में महिलाओं को परमानेंट कमीशन देने जैसे कदम से समान अवसर और समानता का अधिकार देने की कोशिश की। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन का लाभ मिला है। अभी अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी ने उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी से मुलाकात की थी। इसके अलावा जनधन योजना के तहत 27 करोड़ महिलाओं का बैंक में खाता खुला है। बैंक से बिना गारंटी के कर्ज वाली मुद्रा लोन योजना के लाभार्थियों में 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। स्टैंड अप इंडिया स्कीम के लाभार्थियों में भी आधे से ज्यादा महिलाएं हैं। चुनावों में भाजपा को मोदी सरकार की इन स्कीम का लाभ मिलता रहा है। भाजपा का दक्षिण भारत में कमाल दिखाने का इरादा है। पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 में पांच दक्षिणी राज्यों की कम से कम 40-50 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। एक बातचीत में भाजपा के एक सीनियर लीडर ने बताया कि कर्नाटक में भाजपा 25 सीटें बरकरार रखने का दावा कर रही है। पार्टी का कहना है कि लोगों ने सिद्धारमैया सरकार पर जल्दी ही भरोसा खो दिया है। विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद पार्टी का वोट शेयर नहीं गिरा। 2019 में तेलंगाना में 4 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। पार्टी का मानना है कि तेलंगाना राष्ट्र समिति (BRS) के टूटने से सीधा मुकाबला कांग्रेस से होगा, जिससे पार्टी को फायदा मिल सकता है। भाजपा के निशाने पर केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश भी हैं।

सख्ती से पहले व्यवस्थाओं की हो दुरुस्तगी

ऋतुपर्ण दवे

सुकून की बात है कि ट्रांसपोर्टरों की देशव्यापी हड़ताल खत्म हो गई। इससे भी अच्छी बात यह रही कि सरकार को जल्द समझ आ गया कि मामला हाथ से निकलता दिख रहा है। इधर देश भर के तमाम ट्रांसपोर्टर संगठनों को 'हिट एंड रन' मामले में सजा के नए प्रावधानों को लेकर न केवल काफी भ्रम था बल्कि खासकर ड्राइवरों की चिन्ता वाजिब थी। हो सकता है कि एकाएक सरकार के बैकफुट पर आने की वजह सामने आ रहे आम-चुनाव हों? लेकिन कानून के सबसे ज्यादा असर से डरे ड्राइवरों का डर और भविष्य कि चिन्ता भी नकारी नहीं जा सकती है। कम तनख्वाह, गरीबी गुजारा और साधारण रहन-सहन के चलते भारत के समकक्ष माने जाने वाले देशों के मुकाबले हमारे प्राइवेट ड्राइवरों की हैसियत एक मजदूर से ज्यादा नहीं है। भारत में हर साल करीब साढ़े 4 लाख सड़क दुर्घटनाओं में डेढ़ लाख मौतें होती हैं। जबकि हिट एंड रन से 25-30 हजार लोगों की जान चली जाती है। सच है कि दुर्घटना जानबूझकर कोई नहीं करता। लेकिन दुर्घटना के बाद ड्राइवर फरार हो जाते हैं क्योंकि यदि रुकेगा तो आसपास इकट्ठी हुई भीड़ बिना गलती जाने खुद ही फैसला करने लगती है। अनेकों उदाहरण सामने हैं कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद पकड़े गए ड्राइवर किस बुरी तरह पिटते हैं, उनकी मौत तक हो जाती है। कई बार लदा-लदाया वाहन समते ड्राइवर को जिन्दा तक जला दिया जाता है। ऐसे सार्वजनिक कृत्य करने वालों के खिलाफ अक्सर मामला तक दर्ज नहीं होता। ड्राइवर जान से हाथ धो बैठता है तो उसका परिवार अनाथ होकर दर-दर भटकने को मजबूर। भारत में करीब 1 करोड़ कमर्शियल वाहन हैं जिससे 20 करोड़ लोगों को काम मिलता है। ऐसे में हड़ताल होने से हुआ नुकसान समझ आता है। निश्चित रूप से सरकार द्वारा इस कानून पर सोच-विचार कर, ट्रांसपोर्टरों का पक्ष जानने की पहल अच्छी है। लेकिन यही काम पहले भी हो सकता था जब इसके संशोधन खातिर अमल में जुटे विशेषज्ञ और नौकरशाह दूर की सोचते। क्या उन्हें नहीं पता था कि ट्रांसपोर्टर संगठन कितना मजबूत है? वाहनों के पहिए थम जाएंगे तो हालात कैसे बेकाबू हो जाएंगे? वही हुआ। यकीनन ट्रांसपोर्टेशन देश की अर्थव्यवस्था के साथ आम लोगों की सभी जरूरतों की पूर्ति करता है। सब्जी, भाजी, दूध, अनाज, दवाई और आम और खास सभी के आवागमन का जरिया भी है। ऐसे में हड़ताल से एक ही दिन में देश भर में महज पेट्रोल-डीजल की किल्लत तो सब्जियों के दूने भाव ने हालात कहां से कहां पहुंचा दिए सबने चंद घण्टों में देख लिया। यह सही है कि भारतीय न्याय दंड सहिंता में पहले हिट-एंड-रन जैसी घटनाओं खातिर कोई सीधा कानून नहीं था। जिसमें आरोपी पर आपीसी को धारा 304 ए में अधिकतम दो साल की जेल या जुर्माने का प्रावधान रहा। लेकिन नई भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस जो ब्रिटिश-कालीन भारतीय दंड संहिता की जगह बना, उसमें यदि ड्राइवर से गंभीर सड़क दुर्घटना होती है और वह पुलिस या किसी अधिकारी को जानकारी दिए बिना चला जाता है, तो उसे दंडित किया जा सकेगा। इसमें 10 साल तक की जेल और 7 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन बड़ा सवाल कि आरोपी ड्राइवर की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होगी, भले ही टक्कर सामने वाले की गलती से हुई हो? वहीं दुपहिया वाहन चालकों के मामले तो अक्सर सामने या साइड से आकर पीछे के चकों से दुर्घटनाग्रस्त होने के न जाने कितने मामले हैं। निश्चित रूप से हरेक में मौके पर आरोपी बड़ा वाहन वाला ही कहलाता है। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि बड़े वाहन भी साइड देते समय सड़क नहीं छोड़ते हैं। सामने से आ रहा वाहन इस मुगालते में रहता है कि खाली सड़क है साइड मिलेगा। लेकिन पलक झपकते आमने-सामने आ जाते हैं और नतीजा गंभीर दुर्घटना में तब्दील हो जाता है। भारत में इस कानून में सुधार की दरकार जरूरी है। लेकिन सभी पहलुओं पर विचार के साथ। दुनिया भर के कानूनों को भी देखना होगा जहां ड्राइवर बनना एक सम्मानजनक पेशा है। संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में ऐसे मामलों में ड्राइवर को सबसे पहले गाड़ी से जुड़े दस्तावेज पुलिस को सौंपने होते हैं।

अगर घटनास्थल पर पुलिस नहीं है तो 6 घंटे के अंदर जानकारी पुलिस को देनी होगी। देरी पर वजह बतानी होगी। यहां ड्राइवर को चार साल की जेल या उससे 44,44,353 रुपए बतौर जुर्माना वसूला जा सकता है। लेकिन एक्सीडेंट के कारण कोई घायल होता है और उसे हॉस्पिटल ले जाया जाता है तो दोषी ड्राइवर को 2 साल की जेल और 22 हजार रुपए तक जुर्माना वसूला जाएगा। कनाडा में ड्राइवर को 5 साल की जेल लेकिन एक्सीडेंट से मौत पर आजीवन कैद का प्रावधान है। गलत जानकारी देने पर जुर्मान बढ़ सकता है। अमेरिका में अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग नियम हैं। ड्राइवर की भूमिका से दुर्घटना की गंभीरता आंकी जाती है। इससे जुर्माना और सजा भी घट-बढ़ जाती है। जुर्माने के साथ 10 साल की जेल तक हो सकती है। ब्रिटेन में ड्राइवर के मौके पर रहना या भाग जाना भी सजा तय करता है। यहां अनिश्चित जुर्माने के साथ 6 माह की जेल का प्रावधान है। सबसे कम सड़क दुर्घटनाएं जापान में होती हैं। वर्ष 2020 में से केवल 3416 लोगों को ही अपनी गंवानी पड़ी। लेकिन अमेरिका, जापान, नार्वे, स्वीटडरलैंड जैसे विकसित देशों की तुलना हम बहुत पीछे हैं। यहां हिंट एंड रन से मौतों का आंकड़ा अत्याधिक है जिसकी वजह लापरवाही, गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के साथ सड़क नियमों का पालन नहीं करना है। इसमें सीट बेल्ट, हेलमेट नहीं पहनना तथा ओवरस्पीडिंग है जो कैमरों से पकड़ी जा सकती है तो नशे में गाड़ी चलाने वालों की जांच टोल नाकों पर ऑटोमेटिक मशीनें लगाकर की जा सकती हैं जो अगले पुलिस टीम, चौकी या उड़न दस्ते को संदेश भेज दे। यकीनन कानून में सुधार वक्त का तकाजा है। रही बात दुर्घटना करने वालों की पतासाजी की तो आजकल जगह-जगह सीसीटीवी लगे हैं, टोल नाके भी हैं। सबके साथ समन्वय बिठाकर भी आरोपी तक पहुंचा जा सकता है। जब बड़े-बड़े हाईवे और राजमार्गों पर अरबों रुपए खर्च होते सकते हैं तो क्या कुछ हजार और खर्च कर हर किलोमीटर पर सीसीटीवी नहीं जरूरी नहीं हो सकते? यकीनन तीसरी आँख और तकनीक की निगरानी से ड्राइवरों पर नकेल के साथ सुरक्षा भी दी जा सकती है जिसका सभी पर मनोवैज्ञानिक असर पड़ेगा। जब व्यवस्थाएं दुरुस्त हो जाएंगी तो सख्त और प्रैक्टीकल कानूनों से भला कोई क्यों ऐतराज करेगा?

शुभ यात्रा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

भारतीय रेलों का शौचालय अनूठे अनुभवों का खजाना है, जिसकी सराहना केवल वे ही कर सकते हैं जिन्हें इनका उपयोग करने का दुर्भाग्य प्राप्त हुआ है। तंग जगह, संदिग्ध स्वच्छता, हिलती-डुलती दुनिया और अत्यधिक दुर्गंध का संयोजन सबसे शांत यात्री को भी कांपते हुए गंदगी का शौचदूत बना सकता है। किंतु, डरिए मत, क्योंकि मैं यहां आपको भारतीय रेलों के भीतर शौचालयों के भीतर होने वाले अद्भुत रोमांचों की कहानियों से रूबरू कराने आया हूं। सबसे पहले, आइए आधुनिक इंजीनियरिंग के इन चमत्कारों के भौतिक आयामों पर चर्चा करें। मैं आधुनिक शब्द का प्रयोग शिथिल रूप से करता हूँ, क्योंकि ये शौचालय अक्सर किसी बीते युग की चीज़ से मिलते जुलते हैं। तंग जगह आराम और राहत की जगह की तुलना में अपहरण कर छिपाकर रखने वाली सुरक्षित जगह है। यह स्थान इतना हिलता-डुलता रहता है कि अपने आपको इधर-उधर न छूने की पैंतरेबाज़ी करनी पड़ती है। सावधान रहना चाहिए कि किसी भी अज्ञात पदार्थ के डर से किसी भी सतह को न छू लें। एक बार यह मान लेने के बाद कि जब इस यात्रा के विकल्प में कोई चारा नहीं है तब यात्री को गंध की एक श्रृंखला अपने जीवन अनुभव में जोड़कर अपने आने वाली पीढ़ी को शौच बखान के अंतर्गत जोड़कर सुनाना चाहिए। सुगंध इतनी तीव्रता से इंद्रियों पर हमला करती है कि यह अनैच्छिक उल्टी और आँसू पैदा कर सकती है। यह एक ऐसा स्थान है जहाँ किसी को अपने घ्राण तंत्र पर हमले को सहने और अपनी सहनशीलता को आगे बढ़ाने के लिए अपनी पूरी मानसिक शक्ति जुटानी पड़ती है। शौचालय का जंजीर वाला लोटा स्विज़ बैंक से भी अधिक सुरक्षित है। यह ध्यान रखना पड़ता है कि सुविधाएं स्वयं अक्सर वांछित नहीं होती हैं। पाइपलाइन, अक्सर ख़राब स्थिति में होती है, मानो इसे टिप-टिप करते हुए अकाल के दिनों में बरसात की अनुभूति की जिम्मेदारी दी गई है। जो बहादुर आत्मा सुविधाओं का उपयोग करने का साहस करती है, उसे संदिग्ध उत्पत्ति और निरंतरता की अचानक बौछार की संभावना के लिए तैयार रहना चाहिए। किंतु डरिए मत, क्योंकि साहसिक कार्य यहीं समाप्त नहीं होता है।

भारतीय रेल शौचालयों का असली चमत्कार उनके द्वारा प्रदान किया जाने वाला सामुदायिक अनुभव है। स्वयं को कई अन्य व्यक्तियों के साथ अंतरंग स्थान साझा करते हुए देखना असामान्य नहीं है, सभी थोड़ी सी गोपनीयता और गरिमा के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अजीब सी खामोशी को केवल ट्रेन की लयबद्ध गड़गड़ाहट और कभी-कभार सुविधाओं से जूझ रहे किसी व्यक्ति की कराह को छिपाने का इससे बढ़िया स्थान नहीं हो सकता है। और हमें उस अनूठे सांस्कृतिक अनुभव को नहीं भूलना चाहिए जो भारतीय रेल के शौचालय प्रदान करते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां सामाजिक मानदंड और व्यक्तिगत सीमाएं अपनी सीमाओं तक फैली हुई हैं।

भारत, भारतीयों और मोदी के खिलाफ साजिश है अडानी मामला

राजेश कुमार पासी

अडानी भारत के प्रमुख उद्योगपति हैं और उनकी कंपनी मुख्य रूप से देश के बुनियादी ढांचे के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है । 2014 के बाद मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद उद्योग और व्यापार को बढ़ाने के लिए नीतियों का निर्माण किया है । जब देश में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा दिया जायेगा, तभी देश का विकास होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे । मोदी सरकार निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है ताकि देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर किया जा सके । यही कारण है कि विपक्ष के नेता इस सरकार पर आरोप लगाते हैं कि मोदी को गरीबों की चिंता नहीं है, उन्हें सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता है । कांग्रेस नेता कहते हैं कि मोदी किसानों-मजदूरों की जेब से पैसा निकाल कर अपने दोस्तों अडानी-अंबानी की जेब में डाल रहे हैं । यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ-साथ अंबानी और अडानी जैसे उद्योगपति विपक्ष के निशाने पर रहते हैं । राफेल खरीद के मामले को लेकर राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी ने देश के 30000 करोड़ रुपये अनिल अंबानी की जेब में डाल दिए है जबकि कंपनी ने सिर्फ 800 करोड़ का काम ही उनकी कंपनी को दिया था । एक विदेशी कंपनी ने देश की एक कंपनी को ठेका दिया तो मोदी ने कैसे देश के रुपये उनकी जेब में डाल दिये, बहुत दिमाग लगाने पर भी समझ नहीं आ रहा है । राहुल गांधी बड़े खानदान के वारिस हैं तो उनकी समझ बहुत ज्यादा है, उनको समझ आ सकता है । पिछले कई सालों से राहुल गांधी अडानी के पीछे पड़े हुए हैं कि मोदी उनके हाथ देश बेच रहे हैं जबकि उनकी राज्य सरकारें अडानी के साथ समझौते कर रही हैं । देश का पूरा व्यापार और उद्योग चीन के हवाले करने वाली पार्टी के नेता का बयान कुछ अजीब लगता है । शायद परेशानी भी यही है कि जिन क्षेत्रों में अडानी काम कर रहे हैं, उन सभी क्षेत्रों में चीन का वर्चस्व है । अडानी न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी चीन के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं । चीन को बुनियादी ढांचे के विकास में महारत हासिल है और अडानी इसी क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी बनते जा रहे हैं । पिछले वर्ष जनवरी में एक शार्ट सेलिंग अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर आरोप लगाया था कि यह समूह चालाकी से अपने शेयरों के मूल्यों को प्रभावित करता है । रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि इस समूह ने अपने लेन देन का सही ब्यौरा नहीं दिया है । इस रिपोर्ट के आने के बाद शेयर मार्किट में आग लग गई और अडानी के शेयरों में जबरदस्त गिरावट आ गई । अडानी के शेयरों में निवेश करने वाले लाखों निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये डूब गए । हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह पर लगाए गए आरोपों को लेकर विपक्ष ने सड़क से लेकर संसद तक खूब हंगामा किया । मोदी सरकार और अडानी के खिलाफ प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई । अडानी-मोदी, भाई-भाई के नारों से संसद गूंज गई । संसद के तीन-तीन सत्र इस मामले को लेकर बर्बाद कर दिए गये । केन्द्र सरकार पर मामले की जांच को लेकर पक्षपात का आरोप लगाया गया । मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सुप्रीम कोर्ट ने जांच के लिये 6 सदस्यों की टीम का गठन कर दिया । इस टीम में नंदन नीलकेणी, सीए, वित्त विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज शामिल थे । इसके अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच करने के लिए सेबी को भी निर्देश दिये । जांच कमेटी ने अडानी समूह पर लगाए गए सभी आरोपों को गलत माना और सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी । सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया । सेबी ने अडानी समूह के 24 मामलों की जांच पूरी कर ली है और अडानी समूह को क्लीन चिट दे दी है । 2 मामलों की जांच के लिये सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने का अतिरिक्त समय दिया है । ये दो मामलों विदेशी एजेंसियों से सम्बन्धित हैं, इसलिए सेबी के लिये जांच करना मुश्किल हो रहा है । जब रिपोर्ट आई थी तो अडानी समूह का मार्किट कैप 19 लाख करोड़ था जो रिपोर्ट आने के बाद 7 लाख करोड़ से भी नीचे गिर गया था । जांच कमेटी और सेबी की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह का बाजार मूल्य लगातार बढ़ रहा है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह 15 लाख करोड़ के आसपास पहुंच गया है । लगता है कि जल्दी ही यह समूह अपना पुराना बाजार मूल्य हासिल कर लेगा । सवाल यह है कि जिन निवेशकों का पैसा गलत रिपोर्ट की वजह से डूब गया है, उनके नुकसान की भरपाई कौन करेगा ? संसद के तीन सत्र खराब करने के लिए क्या विपक्ष देश से माफी मांगेगा ? मेरा मानना है कि न तो निवेशकों के नुकसान की भरपाई हो सकती है और न ही देश का बेशर्म विपक्ष अपनी करनी के लिये माफी मांगेगा ।

करमनघाट हनुमान मंदिर हैदराबाद

तेलंगाना के हैदराबाद (प्राचीन भाग्यनगर) में स्थित है करमनघाट हनुमान मंदिर। भारत के किसी भी अन्य हिस्सों में स्थित हनुमान जी के मंदिरों से अलग इस मंदिर में मंगलवार या शनिवार की बजाय रविवार को हनुमान जी की विशेष पूजा की जाती है। हैदराबाद के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक करमनघाट हनुमान मंदिर को भी औरंगजेब ने तोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन हनुमान जी के चमत्कार के चलते वह इस मंदिर का कुछ नहीं कर सका। तो आइए आपको इस मंदिर के उस रोचक इतिहास से रू-ब-रू कराते हैं, जिसके कारण यह मंदिर अद्वितीय है।

जब राजा ने सुना राम नाम का जाप

12वीं शताब्दी (सन 1143 के आसपास) का दौर था। काकतीय वंश के राजा प्रोला द्वितीय जंगल में शिकार के लिए गए हुए थे। थक कर जब वह एक पेड़ के नीचे विश्राम करने लगे, तब उन्हें उस घने जंगल के बीचोंबीच भगवान राम का जाप सुनाई दिया। राजा को आश्चर्य हुआ कि इस जंगल में कौन है, जो भगवान राम का जाप कर रहा है। जब राजा उस स्थान पर पहुँचे तो उन्हें वहाँ हनुमान जी की एक अद्भुत बैठी हुई प्रतिमा दिखाई दी। इसी प्रतिमा के भीतर से भगवान राम के जाप की आवाज सुनाई दे रही थी। इसके बाद राजा अपनी राजधानी लौट आए और उन्होंने हनुमान जी के इस अद्भुत मंदिर की स्थापना की।

औरंगजेब के छूटे पसीने

करमनघाट मंदिर के निर्माण के लगभग 400 वर्षों के बाद यहाँ इस्लामिक आक्रांता औरंगजेब भी आया था। उस समय औरंगजेब भारत भर में हिन्दू मंदिरों को नष्ट करने के मिशन पर था और उसने कई मंदिरों को नष्ट भी कर दिया था।

इसी क्रम में जब वह अपनी सेना के साथ इस मंदिर को तोड़ने के लिए आया तो उसकी सेना करमनघाट हनुमान मंदिर के परिसर के भीतर प्रवेश भी न कर सकी। गुस्से में औरंगजेब ने खुद मंदिर को नष्ट करने के लिए हथियार उठाया, लेकिन जैसे ही वह मंदिर के नजदीक पहुँचा, उसे एक भयंकर गर्जना सुनाई दी।

इस आवाज को सुनकर औरंगजेब भय से काँप उठा और उसके हाथ से हथियार छूट गए।

उसी समय एक आकाशवाणी हुई, 'मंदिर तोड़ना है राजा, तो कर मन घट' जिसका मतलब था कि अगर मंदिर को तोड़ना चाहता है तो अपने मन (हृदय) को ताकतवर बना। हालाँकि, औरंगजेब इस घटना के बाद चुपचाप मंदिर से चला गया। इसी आकाशवाणी के कारण इस मंदिर का नाम करमनघाट हुआ।

मंदिर के विशेष विधान

खुद की रक्षा करने वाले हनुमान जी के इस मंदिर में कुछ विशेष लेकिन रोचक विधान हैं। मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा ध्यान मुद्रा में है, लेकिन उन्हें एक सैनिक के समान वेशभूषा पहनाई जाती है। इसके अलावा, यहाँ हनुमान जी की पूजा में नारियल का उपयोग किया जाता है।

इस मंदिर की एक अन्य रोचक परंपरा है। भारत के अन्य हनुमान मंदिरों में मंगलवार या शनिवार को हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व है, लेकिन करमनघाट का हनुमान मंदिर इस मामले में अलग। इस मंदिर में रविवार को विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है।

द्रविड़ शैली में बनाए गए इस मंदिर में हनुमान जी के अलावा श्री राम, भगवान शिव, देवी सरस्वती, माता पार्वती, संतोषी माता, भगवान वेणुगोपाल और भगवान जगन्नाथ स्वामी की प्रतिमाएँ स्थापित हैं। मंदिर में श्रीरामनवमी, हनुमान प्रकटोत्सव और अन्य हिन्दू त्यौहारों पर विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया जाता है। मंदिर के प्रशासन द्वारा 'अन्नदानम' का आयोजन किया जाता है। इसके तहत भक्तों, गरीबों और असहाय लोगों को मुफ़्त में भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

कैसे पहुँचें?

हैदराबाद मुख्य शहर से करमनघाट हनुमान मंदिर की दूरी लगभग 10 किलोमीटर है। हैदराबाद में ही अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा स्थित है। मंदिर से हवाईअड्डे की दूरी लगभग 22 किलोमीटर है।

इसके अलावा, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से करमनघाट मंदिर की दूरी लगभग 18 किलोमीटर है। सिकंदराबाद देश के लगभग सभी बड़े शहरों से रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है। हैदराबाद के महात्मा गाँधी बस टर्मिनल से हनुमान मंदिर की दूरी 12 किलोमीटर है। नागपुर, चेन्नई, बेंगलुरु, अमरावती और कई अन्य शहरों से हैदराबाद बस के माध्यम से भी पहुँचना काफी आसान है।

मृत्यु परिचित और ज्ञात नहीं हो सकती है

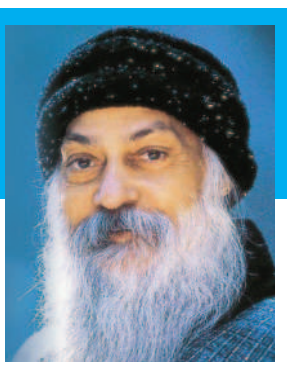

जीवन क्या है, मनुष्य इसे भी नहीं जानता है। और जीवन को ही हम न जान सकें, तो मृत्यु को जानने की तो कोई संभावना ही शेष नहीं रह जाती। जीवन ही अपरिचित और अज्ञात हो, तो मृत्यु परिचित और ज्ञात नहीं हो सकती है। सच तो यह है कि चूंकि हमें जीवन का पता नहीं, इसलिए ही मृत्यु घटित होती प्रतीत होती है। जो जीवन को जानते 'हैं, उनके लिए मृत्यु एक असंभव शब्द है, जो न कभी घटा, न घटता है, न घट सकता है।जगत में कुछ शब्द बिलकुल ही झूठे हैं, उन शब्दों में कुछ भी सत्य नहीं है। उन्हीं शब्दों में मृत्यु भी एक शब्द है, जो नितांत असत्य है। मृत्यु जैसी घटना कहीं भी नहीं घटती। लेकिन हम लोगों को तो रोज मरते देखते हैं, चारों तरफ रोज मृत्यु घटती हुई मालूम होती है। गांव—गांव में मरमट हैं। और ठीक से हम समझें तो ज्ञात होगा कि जहां—जहां हम खड़े हैं, वहां —वहां न मालूम कितने मनुष्यों की अर्थी जल चुकी है। जहां हम निवास बनाए हुए हैं, उस भूमि के सभी स्थल मरघट रह चुके हैं।

करोड़ों —करोड़ों लोग मरे हैं, रोज मर रहे हैं, और अगर मैं यह कहूं कि मृत्यु जैसा झूठा शब्द नहीं है मनुष्य की भाषा में, तो आश्चर्य होगा। एक फकीर था तिब्बत में मारपा। उस फकीर के पास कोई गया और पूछने लगा कि मैं जीवन और मृत्यु के संबंध में कुछ पूछने आया हूं। मारपा बहुत हंसने लगा और उसने कहा, अगर जीवन के संबंध में पूछना हो, तो जरूर पूछो, क्योंकि जीवन का मुझे पता है। रही मृत्यु, तो मृत्यु से आज तक मेरा कोई मिलना नहीं हुआ, मेरी कोई पहचान नहीं है। मृत्यु के संबंध में पूछना हो, तो उनसे पूछो जो मरे ही हुए हैं या मर चुके हैं। मैं तो जीवन हूं मैं जीवन के संबंध में बोल सकता हूं, बता सकता हूं। मृत्यु से मेरा कोई परिचय नहीं।

यह बात वैसी ही है जैसी आपने सुनी होगी कि एक बार अंधकार ने भगवान से जाकर प्रार्थना की थी कि यह सूरज तुम्हारा, मेरे पीछे बहुत बुरी तरह पड़ा हुआ है। मैं बहुत थक गया हूं। सुबह से मेरा पीछा होता है और सांझ मुश्किल से मुझे छोड़ा जाता है। मेरा कसूर क्या है? दुश्मनी कैसी है यह? यह सूरज क्यों मुझे सताने के लिए मेरे पीछे दिन —रात दौड़ता रहता है? और रात भर में मैं दिन भर की थकान से विश्राम भी नहीं कर पाता हूं कि फिर सुबह सूरज द्वार पर आकर खड़ा हो जाता है। फिर भागो! फिर बचो! यह अनंत काल से चल रहा है। अब मेरी धैर्य की सीमा आ गई और मैं प्रार्थना करता हूं? इस सूरज को समझा दें।

सुनते हैं, भगवान ने सूरज को बुलाया और कहा कि तुम अंधेरे के पीछे क्यों पड़े हो? क्या बिगाड़ा है अंधेरे ने तुम्हारा? क्या है शत्रुता? क्या है शिकायत? सूरज कहने लगा, अंधेरा! अनंत काल हो गया मुझे विश्व का परिभ्रमण करते हुए, लेकिन अब तक अंधेरे से मेरी कोई मुलाकात नहीं' हुई। अंधेरे को मैं जानता ही नहीं। कहां है अंधेरा? आप उसे मेरे सामने बुला दें, तो मैं क्षमा भी मांग लूं और आगे के लिए पहचान लूं कि वह कौन है ताकि उसके प्रति कोई भूल न हो सके।**(क्रमशः)**

भगवान पार्श्वनाथ 23 तीर्थंकर

निर्मला बैद

भगवान पार्श्वनाथ जैन धर्म के तेइसवें (23वें) तीर्थंकर हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार वर्तमान में काल चक्र का अवरोही भाग, अवसर्पिणी गतिशील है और इसके चौथे युग में 24 तीर्थंकरों का जन्म हुआ था।भगवान पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी के भेलूपुर में हुआ था। एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण के चाचा अश्वसेन के पुत्र बचपन से ही अहिंसा विचार धारा से ओतप्रोत थे जब एक वैवाहिक कार्यक्रम में श्री कृष्ण एवं बलराम द्वारा विभिन्न स्थानों के राजाओं को आमंत्रित किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में शाकाहारी एवं मांसाहारी भी थे फलस्वरूप नेमिनाथ जी बहुत दुखी हुए और जैन धर्म समर्थन ऐवं प्रसार के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म आज से लगभग 2 हजार 9 सौ वर्ष पूर्व वाराणसी में हुआ था। वाराणसी में अश्वसेन नाम के इक्ष्वाकुवंशीय क्षत्रिय राजा थे। उनकी रानी वामा ने पौष कृष्ण एकादशी के दिन महातेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसके शरीर पर सर्पचिह्न था। वामा देवी ने गर्भकाल में एक बार स्वप्न में एक सर्प देखा था, इसलिए पुत्र का नाम 'पार्श्व' रखा गया। उनका प्रारंभिक जीवन राजकुमार के रूप में व्यतीत हुआ। एक दिन पार्श्व ने अपने महल से देखा कि पुरवासी पूजा की सामग्री लिये एक ओर जा रहे हैं। वहाँ जाकर उन्होंने देखा कि एक तपस्वी जहाँ पंचाग्नि जला रहा है, और अग्नि में एक सर्प का जोड़ा मर रहा है, तब पार्श्व ने कहा— 'दयाहीन' धर्म किसी काम का नहीं'।

वैराग्य और दीक्षा

तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने तीस वर्ष की आयु में घर त्याग दिया था और जैनेश्वरी दीक्षा ली थी और ब्रह्मचारी अविवाहित थे।

केवल ज्ञान- काशी में 83 दिन की कठोर तपस्या करने के बाद 84वें दिन उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था। पुंड्र, ताम्रलिप्त आदि अनेक देशों में उन्होंने भ्रमण किया। ताम्रलिप्त में उनके शिष्य हुए। पार्श्वनाथ ने चतुर्विध संघ की स्थापना की, जिसमे मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका होते है और आज भी जैन समाज इसी स्वरुप में है। प्रत्येक गण एक गणधर के अन्तर्गत कार्य करता था। सभी अनुयायियों, स्त्री हो या पुरुष सभी को समान माना जाता था। सारनाथ जैन-आगम ग्रंथों में सिंहपुर के नाम से प्रसिद्ध है। यहीं पर जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ जी ने जन्म लिया था और अपने अहिंसा धर्म का प्रचार-प्रसार किया था।

केवल ज्ञान के पश्चात तीर्थंकर पार्शवनाथ ने जैन धर्म के चार मुख्य व्रत – सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह की शिक्षा दी थी।

निर्वाण- अंत में अपना निर्वाणकाल समीप जानकर श्री सम्मेद शिखरजी (पारसनाथ की पहाड़ी जो झारखंड में है) पर चले गए जहाँ श्रावण शुक्ला सप्तमी को उन्हे मोक्ष की प्राप्ती हुई। भगवान पार्श्वनाथ की लोकव्यापकता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि आज भी सभी तीर्थंकरों की मूर्तियों और चिह्नों में पार्श्वनाथ का चिह्न सबसे ज्यादा है। आज भी पार्श्वनाथ की कई चमत्कारिक मूर्तियाँ देश भर में विराजित है। जिनकी गाथा आज भी पुराने लोग सुनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि महात्मा बुद्ध के अधिकांश पूर्वज भी पार्श्वनाथ धर्म के अनुयायी थे।

पूर्वजन्म- जैन ग्रंथों में तीर्थंकर पार्श्वनाथ को नौ पूर्व जन्मों का वर्णन हैं। पहले जन्म में ब्राह्मण, दूसरे में हाथी, तीसरे में स्वर्ग के देवता, चौथे में राजा, पाँचवें में देव, छठवें जन्म में चक्रवर्ती सम्राट और सातवें जन्म में देवता, आठ में राजा और नौवें जन्म में राजा इंद्र (स्वर्ग) तत्पश्चात दसवें जन्म में उन्हें तीर्थंकर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूर्व जन्मों के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः वे तीर्थंकर बनें।

अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को ही क्यों रखा गया

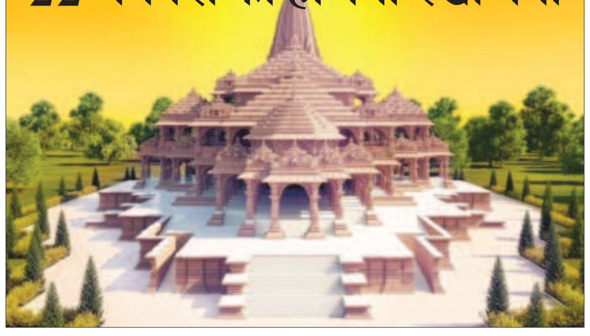

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर राम मंदिर का निर्माण कार्य इस समय जोरों पर चल रहा है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में भी बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है। राम मंदिर में भगवान श्री राम को विराजमान करने के लिए 22 जनवरी 2024 का दिन चुना गया है। बता दें इस दिन राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकेंड का अति शुभ मुहूर्त रहेगा। लेकिन क्या आपके मन में भी ये सवाल आता है कि आखिर इस शुभ काम के लिए 22 जनवरी का दिन ही क्यों चुना गया? चलिए जानते हैं इसके पीछे का कारण।

22 जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन का समय

बताया जा रहा है कि अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी 2024 को किया जा रहा है। बता दें कि राम लला की मूर्ति स्थापित करने का शुभ मुहूर्त 84 सेकेंड का बताया जा रहा है, जो 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकेंड से लेकर 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकेंड का समय बेहद शुभ है। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद महापूजा और महाआरती होगी।

22 जनवरी 2024 तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार 22 जनवरी को पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि है। नक्षत्र मृगशिरा और योग ब्रह्म सुबह 8 बजकर 47 मिनट तक है फिर इसके बाद इंद्र योग लग जाएगा।

नारद मुनि के श्राप की वजह से भगवान विष्णु ने लिया था श्री राम का अवतार

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार सनकादिक मुनि भगवान विष्णु के दर्शनों की इच्छा से बैकुंठ पधारे। तब उनको दो द्वारपालों ने प्रवेश द्वार पर ही रोक लिया और उनका उपहास उड़ाने लगे।

तब संकादिक मुनि ने गुस्से में आकर दोनों को तीन जन्मों तक राक्षस के रूप में पैदा होने का श्राप दे दिया। जय विजय दोनों के बार बार माफी मांगने पर मुनि ने कहा कि भगवान विष्णु ही तीनों जन्मों में तुम्हारा वध करेंगे। उसके बाद तुम्हे मोक्ष की प्राप्ति होगी।

इन दोनों द्वारपालों ने पहला जन्म हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष के रूप में लिया। तब भगवान विष्णु वराह अवतार में प्रकट हुए और इन दोनों का संहार किया। दूसरा जन्म इन्होंने रावण और कुंभकर्ण के रूप में लिया।

तब भगवान विष्णु ने श्री राम का अवतार लेकर इनका अंत किया। तीसरे जन्म में ये दोनों शिशुपाल और दंतवक्र के रूप में जन्मे, तब भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण का अवतार लेकर इनका वध किया। इसके बाद इन दोनो को मोक्ष की प्राप्ति हुई।

नारद मुनि का भगवान विष्णु को श्राप?

धार्मिक कथाओं के अनुसार, एक बार नारद मुनि को कामदेव पर विजय प्राप्त करने के कारण अहंकार घर कर गया। तब अहंकार से ग्रस्त नारद मुनि भगवान विष्णु के पास जाकर कामदेव को जीतने की बात बताते हुए अपनी प्रशंसा करने लगे।

तब भगवान विष्णु ने नारद मुनि के अहंकार को तोड़ने के लिए माया रची। बैकुंठ से लौटते समय नारद मुनि ने एक सुंदर नगर के भव्य महल में एक अति रूपवती राजकुमारी को देखा और उसपर मोहित हो गए। राजकुमारी से विवाह की इच्छा लिए वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे और उनसे खुद को सुंदर और आकर्षक बनाने की विनती करने लगे। तब भगवान विष्णु ने कहा हम वही करेंगे जो आपके लिए कल्याणकारी होगा।

भगवान विष्णु ने ऐसा कहकर नारद जी का मुंह बंदर जैसा बना दिया। खुद के रूप से अनजान नारद मुनि राजकुमारी से विवाह करने उसके महल पहुंचे जहां और भी राजकुमार राजकुमारी से विवाह के लिए आए हुए थे। वहां भरी सभा में सब नारद मुनि का बंदर वाला चेहरा देखकर हसीं उड़ाने लगे और राजकुमारी ने भी नारद मुनि को छोड़ एक अति सुंदर राजकुमार का रूप धरे भगवान विष्णु के गले में जयमाला डाल दी।

तब नारद मुनि ने अपना मुख जल में देखा तब अपना मुख बंदर जैसा देख उनको भगवान विष्णु पर बहुत क्रोध आया। और वे बैकुंठ पहुंचे वहां भगवान विष्णु के साथ वही राजकुमारी बैठी हुई थी। तब क्रोधित होकर नारद मुनि ने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि आपकी वजह से मेरा मजाक बना इसलिए मैं आपको श्राप देता हूं कि आप धरती पर मनुष्य के रूप में जन्म लेंगे। और आपको बंदरों की सहायता की जरूरत पड़ेगी। आपकी वजह से मुझे अपनी प्रिय स्त्री से दूर होना पड़ा इसलिए आप भी स्त्री वियोग सहेंगे।

माना जाता है नारद मुनि के श्राप के कारण भगवान विष्णु ने श्री राम के रूप में मनुष्य जन्म लिया।

रवि तेजा की ईगल को मिली नई रिलीज डेट, अब मकर संक्रांति पर नहीं बल्कि 9 फरवरी को आएगी फिल्म

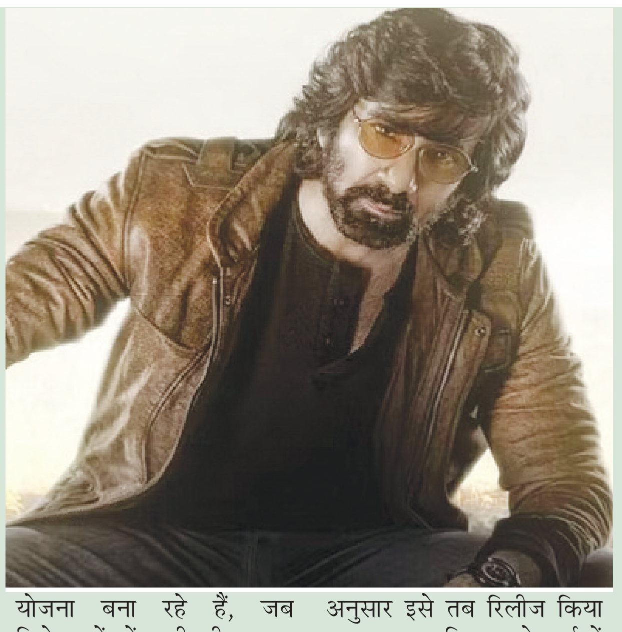

इस साल मकर संक्रांति, पोंगल बस कुछ ही दिन दूर है और त्योहारी सीजन में कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। इससे पहले, रवि तेजा स्टारर ईगल भी संक्रांति के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। अब, निर्माताओं ने खुद घोषणा की है कि ईगल 9 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, क्योंकि कई लोकप्रिय फिल्में भी उसी पूर्व तारीख के साथ रिलीज हो रही हैं।

निर्माताओं ने जारी किया बयान

फिल्म के स्थगित होने की घोषणा करते हुए, निर्माताओं ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि निर्माता फिल्म को ऐसे समय में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, जब सिनेमाघरों में भारी भीड़ जमा होगी। मेकर्स की प्लानिंग के अनुसार इसे तब रिलीज किया जाएगा, जब फिल्म को दर्शकों द्वारा सबसे अधिक सराहा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि निर्देशक और रचनात्मक कर्मचारियों के काम की पूरे दिल से सराहना की जानी चाहिए और स्थगन उसी के लिए प्रभावी होगा।

तेलुगु और तमिल क्षेत्रों में कई फिल्में होंगी रिलीज

अगले सप्ताह संक्रांति और पोंगल त्योहार आ रहे हैं और तेलुगु और तमिल दोनों क्षेत्रों में कई फिल्में रिलीज होंगी। तेलुगु में प्रमुख रिलीज में महेश बाबू की गुंटूर करम शामिल है, जो त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित है और कहा जाता है कि यह एक मसाला मनोरंजक फिल्म है। यह सुपरस्टार महेश बाबू की 28वीं फिल्म है जो 2022 में उनकी आखिरी फिल्म सरकारू वारी पाटा के बाद रिलीज हुई है।

'कौन बनेगा करोड़पति-15' के आखिरी एपिसोड में नजर आईं दादी-पोती शर्मिला टैगोर-सारा

शर्मिला टैगोर और सारा अली खान हाल ही में 'कौन बनेगा करोड़पति-15' के आखिरी एपिसोड में नजर आईं। इस दादी-पोती की जोड़ी ने अमिताभ बच्चन के साथ अपने जीवन के कुछ मजेदार किस्से शेयर किए। उन्होंने इब्राहिम खान के जन्म से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। बता दें इब्राहिम सैफ और उनकी पहली पत्नी अमृता सिंह के बेटे हैं। बिग बी ने शर्मिला से पूछा पटौदी परिवार में सबसे ज्यादा हक कौन जमाता है?

इसका जवाब देते हुए शर्मिला टैगोर ने कहा- सारा अली खान। सारा अपना नाम सुनकर चौंक जाती हैं। क्योंकि उन्होंने इस सवाल पर अपने पिता सैफ का नाम लिया था। दादी शर्मिला ने सारा का नाम लेने के पीछे का कारण बताते हुए कहा- जब इब्राहिम का जन्म हुआ था। उस वक्त मैंने अमृता को अपनी शादी में पहने हुए इयररिंग दिए थे। मैंने कहा था कि जब इब्राहिम की पत्नी आएगी तो ये उसको दे देना।

इसके बाद उन्होंने बिग बी से कहा- आप अनुमान लगाइए कि आज वो इयररिंग किसके पास है? ये सुनकर बिग बी ने पूछा कि क्या वो सारा ही हैं जिनके पास वो इयररिंग है..तो सारा सिर हिलाते हुए हां कहती हैं।

बता दें एक्टर सैफ अली खान ने मात्र 21 साल की उम्र में अपने से 12 साल बड़ी एक्ट्रेस अमृता सिंह से सीक्रेट मैरिज कर ली थी। इस शादी की बात सैफ ने अपने परिवार से भी छुपाकर रखी थी। हाल ही शर्मिला टैगोर करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करण में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने बेटे सैफ के जीवन से जुड़ी कई बातें शेयर की थी। उन्होंने सैफ और अमृता के तलाक के बारे में भी बात की।

सैफ-अमृता के तलाक के बाद काफी दुखी हो गए थे टाइगरः शर्मिला

कॉफी विद करण में सैफ और अमृता के तलाक पर बात करते हुए शर्मिला ने कहा कि इन दोनों के तलाक से मैं और टाइगर भी बहुत दुखी थे। हमें सबसे ज्यादा बुरा इब्राहिम के लिए लग रहा था क्योंकि तब वो सिर्फ 3 साल का था। इब्राहिम, टाइगर का लाड़ला था और इन दोनों के तलाक के बाद दोनों बच्चे भी हमसे दूर हो गए। टाइगर उसके बाद बहुत दुखी रहने लगे थे।

सैफ के पिता टाइगर पाटौदी की पोते इब्राहिम के साथ यह तस्वीर।

सैफ के पिता टाइगर पाटौदी की पोते इब्राहिम के साथ यह तस्वीर।

वहीं इस बारे में बात करते हुए सैफ ने कहा कि 20 साल की उम्र में शादी कर लेने के बाद मेरी लाइफ में कई चेंजेस आए। हालांकि, अमृता हमेशा मेरे प्रति सपोर्टिव रहीं और आज भी हम एक बेहतर और रिस्पेक्टफुल रिलेशनशिप शेयर करते हैं।

खबर सुनकर खामोश रह गए थे शर्मिला और टाइगर

शर्मिला ने कहा- 'मैं तब मुंबई में थी। सैफ मुझसे मिलने आए और उन्होंने मुझे अपनी शादी की खबर दी जिसे सुनकर मैं पूरी तरह से टूट गई। मैं एकदम चुप रह गई। सैफ मुझे देखकर बोले कि अम्मा आपको क्या हो गया है आपका कलर चेंज हो रहा है। फिर मैंने खुद को सभांलते हुए सैफ से कहा कि ठीक है.. हम इस बारे में बाद में बात करेंगे और सैफ के जाते ही मैंने टाइगर (मंसूर अली खान पटौदी, सैफ के पिता) को कॉल करके पूरी बात बताई। वो भी कुछ देर के लिए खामोश रह गए। शार्मिला ने आगे बताया कि सैफ और अमृता की शादी के अगले दिन वो अमृता से भी मिलीं। उन्होंने अमृता के साथ चाय पीते हुए चर्चा की। उन्हें वो पसंद भी आईं पर फिर भी शर्मिला सदमे में थीं।

शादी के 13 साल बाद अलग हो गए थे सैफ-अमृता

रिपोर्ट्स की मानें तो सैफ और अमृता ने 27 अक्टूबर 1991 में शादी कर ली थी। शादी के वक्त सैफ 21 और अमृता की उम्र 33 साल थी। दोनों की उम्र में 12 साल का अंतर था और इस शादी के 13 साल बाद 2004 में दोनों अलग भी हो गए थे। अमृता और सैफ दो बच्चों (सारा अली खान और इब्राहिम अली खान) के पैरेंट्स हैं। सैफ ने करीना कपूर खान से दूसरी शादी की। दोनों के दो बच्चे तैमूर और जेह हैं। वहीं अमृता ने दोबारा शादी नहीं की।

अगर शाहरुख स्क्रिप्ट घर लाते, तो मैं खिड़की से बाहर फेंक देती: गौरी खान

शाहरुख खान और गौरी की शादी को 32 साल पूरे हो गए हैं। 25 अक्टूबर 1991 में दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख की वाइफ गौरी ने कहा कि कोई भी ऑफर इतना बड़ा नहीं हो सकता, जो उन्हें फिल्म करने के लिए लुभा सके। यहां तक कि गौरी खान ने टीवी तोड़ने और स्क्रिप्ट को खिड़की से बाहर फेंकने की भी बात शेयर की।

शाहरुख खान को काम घर पर लाने की परमिशन नहीं थी

जहां शाहरुख बॉलीवुड के बादशाह हैं तो वहीं गौरी भी एक फेमस इंटीरियर डिजाइनर हैं। एक इंटरव्यू के दौरान गौरी ने कहा- हम घर पर काम के बारे में कभी चर्चा नहीं करते। अगर शाहरुख कभी हिंदी फिल्म का वीडियो देखने बैठ जाएं तो मुझे लगता है कि मैं टीवी तोड़ दूं। वहीं अगर वो कोई स्क्रिप्ट घर लेकर आते हैं, तो मैं स्क्रिप्ट सीधे खिड़की से बाहर फेकनें की बात करती हूं। शाहरुख के पास सेट पर इन सबके लिए काफी समय होता है। इसलिए मेरा मानना है कि उन्हें ये सब सेट पर ही करना चाहिए।

मजे की बात ये है कि शुरुआती दिनों में फिल्म प्रोड्यूसर भी शाहरुख से घर पर तभी मिलने जाते थे जब गौरी घर में नहीं होती थीं। हालांकि बाद में शाहरुख ने अपना ऑफिस घर के सामने वाले कमरे में शिफ्ट कर दिया था। गौरी ने आगे ये भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी ऑफर इतना बड़ा नहीं हो सकता, जो उन्हें फिल्म करने के लिए लुभा सके। गौरी एक्टिंग को सबसे खराब प्रोफेशन मानती हैं।

गौरी को शुरु में मुंबई से नफरत हो गई थी

साल 1991 में शाहरुख खान से शादी के बाद गौरी मुंबई आ गई थीं। शुरुआत में उनके लिए शहर में तालमेल बिठाना थोड़ा मुश्किल था। उन्होंने कहा- मुझे मुंबई से नफरत हो गई थी। मैं अपने परिवार को बहुत याद किया करती थी। मैं शहर में किसी को जानती भी नहीं थी।

हालांकि धीरे-धीरे मैंने दोस्त बनाए और फिर मुझे शहर में मजा आने लगा। जिन डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स के साथ शाहरुख काम करते थे, मैं उनके साथ बातचीत करने से बचती थी। यहां तक कि मुझे ये भी नहीं पता होता था कि शाहरुख किन फिल्मों में काम कर रहे हैं।

कंगना रणौत ने 12वीं फेल देखकर की विक्रांत मैसी की जमकर तारीफ

विक्रांत मैसी की तारीफ इन दिनों हर ओर हो रही है। 12वीं फेल में शानदार अदाकारी के लिए कई मशहूर हस्तियों से उन्हें खूब प्रशंसा मिली है। अब इस लिस्ट में कंगना रणौत का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में अभिनेत्री ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और कहा कि उनमें दिवंगत इरफान खान द्वारा छोड़े गए शून्य को भरने की क्षमता है।

कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फिल्म और इसके कलाकारों की खूब तारीफ की। उन्होंने लिखा, "क्या शानदार फिल्म है.. मैं हिंदी माध्यम से हूं और एक ग्रामीण क्षेत्र से ताल्लुक रखती हूं। अपने स्कूल के दिनों में बिना आरक्षण के प्रवेश परीक्षाओं के लिए सामान्य जाति की छात्रा होने के नाते, मैं पूरी फिल्म में रो रही थी, उफ्फ मैंने इतना कभी नहीं रोया...एक फ्लाइट में मेरे सहयात्री इससे काफी चिंतित हो गए थे।'

अगली स्टोरी में उन्होंने लिखा, "विधु सर ने एक बार फिर मेरा दिल जीत लिया है। विक्रांत मैसी ने फिल्म में अद्भुत काम किया है। अपने आने वाले वर्षों में वे इरफान खान साहब की कमी को पूरी कर सकते हैं... आपकी प्रतिभा को सलाम।" साल 2021 में कंगना, विक्रांत को लेकर एक पोस्ट की वजह से सुर्खियों में आ गई थीं। उस समय अभिनेत्री ने उन्हें 'कॉकरोच' कहा था। पूरा मामला यामी गौतम से जुड़ा था। जब यामी ने आदित्य धर के साथ अपनी शादी की एक तस्वीर पोस्ट की तो विक्रांत ने उनकी तुलना राधे मां से कर डाली थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना उनसे नाराज हो गईं। उन्होंने लिखा, ₹कहां से निकला ये कॉकरोच। लाओ मेरी चप्पल।₹

12वीं फेल की बात करें तो विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के जीवन पर आधारित है। 20 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 66 करोड़ का कलेक्शन करने में सफल रही। अब यह फिल्म ओटीटी पर भी आ चुकी है, जिसे दर्शकों की ओर से भरपूर प्यार मिल रहा है।

रकुलप्रीत-जैकी भगनानी से लेकर तमन्ना-विजय वर्मा तक, 2024 में ये सेलेब्स भी कर सकते हैं शादी

आमिर खान की बेटी आयरा की शादी 3 जनवरी को है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आयरा फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे के साथ 3 जनवरी को कोर्ट मैरिज करेंगी। दोनों 2021 से रिलेशनशिप में हैं। नवंबर 2022 को इन्होंने धूमधाम से सगाई की थी। आइरा की शादी की तैयारियां जोरों पर है। आयरा आमिर और रीना दत्ता की बेटी हैं।

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी

रकुल प्रीत सिंह-जैकी भगनानीः एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह भी शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। वो प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ रिलेशनशिप में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों इसी साल 22 फरवरी को गोवा में शादी करेंगे। इस शादी में सिर्फ फैमिली मेंबर्स और क्लोज फ्रेंड्स शामिल होंगे। हालांकि, रकुल और जैकी दोनों की तरफ से कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। रकुल और जैकी करीब 2 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रकुल ने 2022 में अपने बर्थडे पर जैकी के साथ एक रोमांटिक फोटो पोस्ट कर अपने रिलेशनशिप को कंफर्म किया था। उन्होंने जैकी को उस साल का 'सबसे बड़ा गिफ्ट' बताया था। रकुल ने 2014 में आई फिल्म यारियां से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वो साउथ फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। वहीं, जैकी ने कुछ फिल्मों में काम किया लेकिन अब फिल्म प्रोड्यूसर बन चुके हैं।

अरमान मलिक और आशना श्रॉफ

अरमान मलिक-आशना श्रॉफः सिंगर और सॉन्ग राइटर अरमान मलिक भी इस साल शादी कर लेंगे। उन्होंने 28 अगस्त 2023 को ब्लॉगर आशना श्रॉफ से सगाई की थी। अरमान के पिता डब्बू मलिक ने एक इंटरव्यू में कहा था कि दोनों 2024 में शादी कर लेंगे लेकिन अब तक वेडिंग डेट फाइनल नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आशना और अरमान एक- दूसरे को 2017 डेट कर रहे थे, लेकिन कुछ समय बाद उनका ब्रेकअप हो गया था। 2019 में दोबारा दोनों ने डेट करना शुरू किया।

आशना के बारे में बात करें तो वह पेशे से एक यूट्यूबर और व्लॉगर हैं। वहीं अरमान सिंगर और कंपोजर डब्बू मलिक के बेटे हैं। अरमान ने अपने करियर की शुरुआत 2006 में शो 'सारेगामापा लिटिल चैंप्स से की थी। तब उनकी उम्र चार साल थी। अरमान ने अपना पहला गाना बतौर चाइल्ड सिंगर फिल्म 'तारे जमीन पर' के लिए गया था। उन्होंने 'बम-बम बोले' गाने में अपनी आवाज दी थी।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ

अदिति राव हैदरी-सिद्धार्थः अदिति और सिद्धार्थ के भी लंबे समय से एक-दूसरे को डेट करने की खबरें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों 2024 में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। पिछले साल अदिति के 36वें बर्थडे पर सिद्धार्थ ने उनके साथ एक फोटो शेयर कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। हालांकि अदिति ने इस पर कोई रिएक्ट नहीं किया था।अदिति और सिद्धार्थ फिल्म 'महा समुद्रम' में एक साथ नजर आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के सेट पर ही दोनों की दोस्ती हुई और एक-दूसरे के करीब आ गए। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा। अदिति की पहले एक्टर सत्यदीप मिश्रा से शादी हुई थी। पिछले साल ही उन्होंने फैशन डिजाइनर मसाबा से दूसरी शादी की है।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर

मलाइका अरोड़ा-अर्जुन कपूरः अर्जुन और मलाइका तकरीबन 6 साल से रिलेशनशिप में हैं। इस दौरान कई बार इनकी शादी की अफवाहें सुनने को मिलीं लेकिन कहा जा रहा है कि 2024 वो साल हो सकता है जब ये दोनों शादी कर सकते हैं। हाल ही में मलाइका के एक्स-हसबैंड अरबाज खान ने भी मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से दूसरी शादी कर रही है। एक इंटरव्यू में जब मलाइका से सेकंड मैरिज पर सवाल किए गए तो उन्होंने कहा कि वो शादी कर लेंगी जब कोई उनसे ऐसा करने के लिए कहेगा।

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया

विजय वर्मा-तमन्ना भाटियाः तमन्ना भाटिया इन दिनों एक्टर विजय वर्मा को डेट कर रही हैं। पिछले दिनों खबर आ चुकी है कि दोनों जल्द शादी करने वाले हैं। खबर ये भी है कि शादी की तैयारियों के लिए ही तमन्ना नई फिल्म साइन नहीं कर रही हैं। ऐसे में हो सकता है कि दोनों 2024 में ही शादी करके अपना घर बसा लें। रिपोर्ट के अनुसार, तमन्ना और विजय दोनों ही रिलेशनशिप के लिए बेहद सीरियस हैं और जल्द ही शादी करने की तैयारियां कर रहे हैं। ये भी कहा जा रहा है कि तमन्ना के परिवार वाले उन पर लगातार शादी करने का दबाव बना रहे हैं, जिससे वो भी जल्द शादी करने

अश्लीलता के चक्कर में इन 9 फिल्मों पर सेंसर बोर्ड ने ठोका बैन का ठप्पा

यूट्यूब पर धड़ल्ले से देख रहे हैं लोग

बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं, जिसमें एक से बढ़कर एक बोल्ड सीन्स हैं। रिलीज होने से पहले इन फिल्मों पर सेंसर बोर्ड ने जमकर कैंची चलाई थी। हालांकि ऐसी भी कई फिल्में थी जिसमें मेकर्स ने बोल्डनेस की सारी हदें पार कर दी थी। इस वजह से सेंसर बोर्ड के भी पसीने छूट गए थे। ऐसे में सेंसर बोर्ड ने इन फिल्मों पर बैन लगा दिया था। आज हम आपको बॉलीवुड लाइफ हिंदी की इस रिपोर्ट में उन फिल्मों के बारे में बताएंगे, जिनपर सेंसर बोर्ड ने बैन लगा दिया था। हालांकि इन मूवीज को लोग यूट्यूब पर धड़ल्ले से देख रहे हैं।

अनफ्रीडम

साल 2014 में समलैंगिता पर आधारित फिल्म अनफ्रीडम को सेंसर बोर्ड ने आड़े हाथों ले लिया था। इस मूवी पर बोर्ड ने बैन लगा दिया था। हालांकि बाद में मेकर्स ने इस मूवी को यूट्यूब पर रिलीज किया था।

कामसूत्र 3डी

शर्लिन चोपड़ा और आभा पॉल की फिल्म कामसूत्र 3डी पर भी सेंसर बोर्ड ने एक्शन लिया था। फिल्म में काफी बोल्ड सीन्स थे इस वजह से बोर्ड ने मूवी पर बैन लगा दिया था।

यूआरएफ प्रोफेसर

पंकज आडवाणी की फिल्म उर्फ प्रोफेसर पर भी सेंसर बोर्ड ने बैन लगा दिया था। बाद में इस मूवी को यूट्यूब पर रिलीज किया गया, यहां पर इस मूवी को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

एंग्री इंडियन गोडेस

फिल्म एंग्री इंडियन गोडेस का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। इस मूवी पर भी सेंसर बोर्ड ने एक्शन लिया था, जिसका बाद इसकी रिलीज पर बैन लगा दिया गया।

सिन्स

सिन्स फिल्म एक क्रिश्चियन प्रीस्ट पर आधारित है। इस मूवी में एक से बढ़कर एक बोल्ड सीन्स थे। इस वजह से सेंसर बोर्ड ने मूवी पर बैन लगा दिया था।

पांच : केके मेनन की फिल्म पांच को मशहूर डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया था। हालांक इस मूवी पर भी सेंसर बोर्ड ने बैन लगा दिया।

द पेंडेट हाउस

फिल्म द पेंडेट हाउस में काफी ज्यादा बोल्ड सीन्स थे। इस कारण सेंसर बोर्ड ने इसे बैन कर दिया। हालांकि बाद में .यह फिल्म यूट्यूब पर उपलब्ध हो गई।

वाटर फिल्म

जॉन अब्राहम और लीजा रे स्टारर फिल्म 'वाटर को भी सेंसर बोर्ड ने आड़े हाथों ले लिया था। हालांकि इस मूवी को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं।

फायर

समलैंगिक लव स्टोरी पर बनी फिल्म फायर को सेंसर बोर्ड ने बैन कर दिया था। यह फिल्म 1998 में रिलीज होने वाली थी। हालांकि आप इस मूवी को यूट्यूब पर देख सकते हैं।

धोनी को दोस्त ने दिया धोखा, 15 करोड़ रुपये के नुकसान पर की शिकायत

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान और तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के साथ बड़ा धोखा हुआ है। यह धोखा उनके पुराने साथियों ने किया है और धोनी के 15 करोड़ रुपये हड़प लिए हैं। महेंद्र सिंह धोनी ने अपने दो पुराने बिजनेस पार्टनर के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। धोनी ने शिकायत में लिखा है कि उन्हें क्रिकेट एकेडमी खोलने का कॉन्ट्रैक्ट मिलना था, लेकिन उन्हें यह नहीं दिया गया और उनके 15 करोड़ रुपये हड़प लिए गए।

धोनी ने अरका स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के मिहिर दिवाकर और सौम्या विश्वाश के खिलाफ रांची की अदालत में आपराधिक मामला दायर किया है। दिवाकर ने कथित तौर पर विश्व स्तर पर एक क्रिकेट अकादमी स्थापित करने के लिए 2017 में धोनी के साथ एक समझौता किया था। हालांकि, दिवाकर समझौते की शर्तों का पालन नहीं कर पाए। समझौते की शर्तों के अनुसार अरका स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी शुल्क का भुगतान करने और लाभ साझा करने के लिए बाध्य था, जबकि ऐसा नहीं किया गया।

धोनी की तरफ से इस समझौते को बनाए रखने के लिए कई प्रयास किए गए। हालांकि, अरका स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी की तरफ से लगातार समझौते में निर्दिष्ट नियमों और शर्तों की अवहेलना की गई। इश वजह से धोनी ने 15 अगस्त, 2021 को अरका स्पोर्ट्स को दिया गया अधिकार पत्र रद्द कर दिया और कई कानूनी नोटिस भेजे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

विधि एसोसिएट्स के माध्यम से एमएस धोनी का प्रतिनिधित्व करने वाले दयानंद सिंह ने दावा किया है कि अरका स्पोर्ट्स ने उन्हें धोखा दिया, जिसके कारण धोनी को 15 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। धोनी के दोस्त सिमंत लोहानी, जिन्हें चित्तू के नाम से जाना जाता है। उन्होंने भी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अर्का स्पोर्ट्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के बाद मिहिर दिवाकर ने उन्हें धमकी दी और दुर्व्यवहार किया।

एमएस धोनी हाल ही में दुबई में अपना नया साल बिताने के बाद घर लौटे हैं। धोनी अपने परिवार और दोस्तों के साथ नए साल का स्वागत करते नजर आए। इस दौरान भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भी धोनी के साथ नजर आए। धोनी ने दुबई में अपने दोस्तों और परिवार के साथ क्रिसमस भी मनाया।

अफगानिस्तान-इंग्लैंड सीरीज के लिए हो सकता है टीम इंडिया का एलान, रोहित-कोहली की टी-20 में वापसी संभव

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज समय से पहले ही समाप्त हो गई है। टीम इंडिया केपटाउन में दूसरा टेस्ट दो दिन में ही जीतकर सीरीज को 1-1 से ड्रॉ कराया। अब भारतीय खिलाड़ियों के सामने अफगानिस्तान और इंग्लैंड की चुनौती है। इसके टीम का एलान शुक्रवार (पांच जनवरी) को हो सकता है। साथ ही चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए टीम घोषित कर सकते हैं। पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा।

भारत 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगा। इसके लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हो सकती है। रोहित और कोहली एक साल से अधिक समय से इस फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए नहीं खेले हैं। दोनों खिलाड़ी पिछली बार 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में नजर आए थे। इस दौरान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की। अब देखना है कि दोनों खिलाड़ियों की वापसी इस छोटे फॉर्मेट में हो पाती है या नहीं।

चयन समिति की शुक्रवार को बैठक होगी। इस दौरान खिलाड़ियों के नाम पर मुहर लगेगी। टीम की घोषणा शुक्रवार को होगी या नहीं, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कोहली और रोहित दोनों टी20 विश्व कप में खेलने के लिए सबसे छोटे प्रारूप में वापसी के इच्छुक हैं। दोनों की अनुपस्थिति में चयन समिति को यशस्वी जयसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल और ईशान किशन जैसी शीर्ष प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद मिली।

बुमराह और सिराज को मिल सकता है आराम

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह की जोड़ी को आराम दिए जाने की संभावना है। मोहम्मद शमी की उपलब्धता पर सवालिया निशान बना हुआ है। वह चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

हार्दिक और सूर्यकुमार अनुपलब्ध

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव नहीं खेलेंगे। दोनों चोट के कारण अनुपलब्ध हैं। हार्दिक पिछले साल वनडे विश्व कप में चोटिल होने के बाद से पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वहीं, सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका दौरे पर चोटिल हो गए थे।

ऋषभ पंत की वापसी के बाद इस खिलाड़ी की जगह खेल सकते हैं केएल राहुल, संजय मांजरेकर ने बताया नाम

भारत ने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त की। सीरीज में भारत के लिए केएल राहुल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली बार क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में विकेटकीपिंग की और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। राहुल ने बल्ले से भी बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने दो टेस्ट की तीन पारियों में 113 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर रहे।

ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में राहुल ने टीम प्रबंधन को भरोसा दिलाया था कि वह पांच दिन के मैच में विकेटकीपिंग कर सकते हैं। उन्होंने वनडे विश्व कप सहित कई मैचों में ऐसा किया था। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने उनके ऊपर भरोसा जताया। राहुल ने उन्हें निराश नहीं किया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ऋषभ पंत टेस्ट टीम में वापसी करेंगे तब राहुल किसके स्थान पर खेलेंगे? क्या वह भारत में स्पिन पिचों पर इंग्लैंड के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग करेंगे?

संजय मांजरेकर ने क्या-क्या कहा?

भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने इस बारे में अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि टीम में जगह बनाने के लिए राहुल की टक्कर ऋषभ पंत से नहीं बल्कि श्रेयस अय्यर से है। दूसरे टेस्ट के बाद बोलते हुए मांजरेकर ने राहुल की सराहना की और कहा कि यह विकेटकीपर-बल्लेबाज सभी प्रारूपों में हर मौके के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्हें लगता है कि राहुल और श्रेयस अय्यर पांचवें स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

मांजरेकर ने केपटाउन टेस्ट के बाद कहा, ₹मुझे लगता है कि वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो प्रारूप की परवाह करते हैं। मैं अब से दो साल बाद के बारे में सोच रहा हूं और मुझे लगता है कि वह वास्तव में मध्य क्रम में बल्लेबाजी के लिए श्रेयस अय्यर के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं क्योंकि जब ऋषभ पंत फिट होंगे तो वह आपके विकेटकीपर-बल्लेबाज होंगे। पंत की बल्लेबाजी और कीपिंग दोनों ही बहुत अच्छी है। मांजरेकर ने पहले टेस्ट में राहुल के शतक की तारीफ की। उन्होंने कहा, "वह पारी बिल्कुल अविश्वसनीय थी।"

अंक तालिका में शीर्ष पर भारत

इस जीत से भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 अंक तालिका में फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद मिली। मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में यह भारत की दूसरी जीत भी थी। उसने दक्षिण अफ्रीका को पछाड़ दिया। अफ्रीकी टीम अब दूसरे स्थान पर है। पहले टेस्ट में हार ने भारत को छठे स्थान पर पहुंच गया था। न्यूजीलैंड तीस) और ऑस्ट्रेलिया चौथे पायदान पर है। बांग्लादेश तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसके बाद पाकिस्तान (छठे), वेस्टइंडीज (सातवें), इंग्लैंड (आठवें) और श्रीलंका (नौवें) है।

बुमराह और सिराज ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, विदेश में 10 साल बाद भारतीय तेज गेंदबाजों ने किया ऐसा

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने केपटाउन में शानदार जीत हासिल की। उसने दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर सीरीज को 1-1 से ड्रॉ करा दिया। टीम इंडिया के लिए पहली पारी में सिराज ने छह विकेट लिए तो दूसरी पारी में यह जिम्मा बुमराह ने उठाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया। भारत के लिए 10 साल बाद किसी टेस्ट में ऐसा हुआ है जब विदेशी मैदान पर टीम के दो तेज गेंदबाजों ने छह-छह विकेट अपने नाम किए।

भारत के लिए इससे पहले सिर्फ एक बार ही दो तेज गेंदबाजों ने विदेशी जमीन पर एक टेस्ट में छह या उससे अधिक विकेट लिए थे। 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में भुवनेश्वर कुमार ने पहली पारी में छह और ईशांत शर्मा ने दूसरी पारी में सात विकेट लिए थे। टीम इंडिया उस मैच में 95 रन से जीती थी।

बुमराह ने की श्रीनाथ की बराबरी

जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका में तीसरी बार पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इस मामले में उन्होंने जवागल श्रीनाथ की बराबरी कर ली। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीका में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए। उनके 38 विकेट हो गए। अनिल कुंबले ने 45 और श्रीनाथ ने 43 विकेट लिए हैं।

सिराज और बुमराह ने ऐसे बरपाया कहर

सिराज ने पहली पारी में 15 रन देकर छह विकेट लिए थे। उनकी कातिलाना गेंदबाजी के सामने दक्षिण अफ्रीकी टीम 55 रन पर ही ढेर हो गई थी। सिराज ने एडेन मार्करम, डीन एल्गर, टोनी डि जोर्जी, डेविड बेडिंघम, कायेल वेरेयेन और मार्को यानसेन को आउट किया था। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष सात में छह बल्लेबाज उन्होंने ही आउट किया थे। वहीं, बुमराह ने दूसरी पारी में 61 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम और निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। बुमराह ने ट्रिस्टन स्टब्स, बेडिंघम, वेरेयेन, यानसेन, केशव महाराज और लुंगी एंगिडी को आउट किया।

मैच में क्या हुआ?

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। उनका निर्णय गलत साबित हुआ। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका की टीम 55 रन पर ही सिमट गई थी। उसके बाद भारत 153 रन पर ऑलआउट हो गया था। दोनों टीमों की पहली पारी मैच के पहले दिन ही समाप्त हो गई थी। मुकाबले के दूसरे दिन मेजबानों ने दूसरी पारी में 173 रन बनाए। इस तरह भारत को 79 रन का लक्ष्य मिला। उसने तीन विकेट के नुकसान पर इसे हासिल कर लिया।

सीनियर नेशनल जिम्नास्टिक : दीपा कर्माकर, प्रणति दास, राकेश पात्रा व गौरव कुमार ने कई पदक जीते

त्रिपुरा का प्रतिनिधित्व करने वाली ओलंपियन दीपा कर्माकर ने यहां गुरुवार को कलिंगा स्टेडियम में नवनिर्मित जिमनास्टिक सेंटर में सीनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक नेशनल चैंपियनशिप में एक बार फिर अपनी छाप छोड़ते हुए तीन पदक जीते।

दीपा ने महिलाओं की प्रतियोगिता में स्वर्ण (ऑल-अराउंड), रजत (वॉल्ट) और रजत (अनइवेन बार्स) जीता, जिसका समापन गुरुवार को देशभर के शीर्ष जिमनास्टों के शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ। अन्य शीर्ष सितारों प्रणति दास, प्रणति नायक, राकेश पात्रा और गौरव कुमार ने भी इस आयोजन में कई पदक जीते।

रेलवे की प्रणति दास के लिए राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का तीसरा दिन यादगार रहा, क्योंकि उन्होंने ऑल-अराउंड महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर रहने के अलावा दोहरा स्वर्ण (अनइवेन बार्स और फ़्लोर एक्सरसाइज) जीता। उनकी टीम साथी प्रणति नायक ने वॉल्ट में स्वर्ण और बैलेंस बीम में कांस्य, यानी दो पदक जीते। ओडिशा के राकेश कुमार पात्रा ने दोहरा स्वर्ण (ऑल-अराउंड और रिंग्स), पैरेलल बार्स में रजत और हॉरिजॉन्टल बार स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ चैंपियनशिप का समापन किया। सर्विसेज के गौरव कुमार ने भी चार पदक जीते, ऑल-अराउंड में कांस्य, फ़्लोर एक्सरसाइज में स्वर्ण और पैरेलल बार्स और हॉरिजॉन्टल बार्स में दो रजत पदक।

रेलवे के सिद्धार्थ वर्मा ने तीन पदक जीते। वह ऑल-अराउंड में दूसरे स्थान पर रहे और वॉल्ट में स्वर्ण और पॉमेल हॉर्स में रजत पदक जीता। वहीं, हरियाणा के योगेश्वर ने हॉरिजॉन्टल बार में स्वर्ण और पॉमेल हॉर्स में कांस्य पदक जीता।

पेरिस 2024 के लिए हॉकी खिलाड़ियों में उत्साह

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची के शुरू होने में केवल एक सप्ताह बचा है, जिसे लेकर हॉकी प्रशंसकों के बीच उत्साह काफी बढ़ गया है क्योंकि भारतीय महिला टीम पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों के लिए जगह पक्की करने के लिए शीर्ष 3 में स्थान बनाने की होड़ में है। मैदान में मौजूद टीमों में मौजूदा विश्व नंबर 5 जर्मनी, पूर्व एशियाई खेलों के चैंपियन जापान, चिली और चेक गणराज्य को पूल ए में रखा गया है जबकि, मेजबान भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यूजीलैंड और इटली के साथ पूल बी में रखा गया है।

मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ स्थल गतिविधियों से भरा हुआ है, जिसमें भाग लेने वाली टीमें शहर में आ रही हैं और उस मैदान पर अपनी क्षमता का परीक्षण कर रही हैं, जिसने हाल ही में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी। जहां सविता के नेतृत्व वाले भारतीय टीम ने शीर्ष स्थान हासिल किया। उस जीत से मिले आत्मविश्वास को आगे बढ़ाते हुए भारत करो या मरो वाले टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।

कप्तान सविता ने टीम की तैयारियों पर कहा, टीम प्रेरित है, खासकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद। हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है और टीम में ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो अतीत में ओलंपिक क्वालीफायर खेल चुके हैं और अच्छी तरह से समझते हैं कि इसके लिए आवश्यक प्रदर्शन का स्तर क्या है।यह हमारे लिए करो या मरो की लड़ाई है और हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं। वहीं उप कप्तान निक्की प्रधान, जो झारखंड से हैं। उन्होंने कहा, टीम का हर सदस्य ओलंपिक खेलों में भाग लेना चाहता है। न केवल टीम के सदस्यों के बीच बल्कि झारखंड के हॉकी प्रशंसकों के बीच भी बहुत उत्साह है और मुझे यकीन है कि वे हमारे लिए अपना समर्थन दिखाने के लिए बड़ी संख्या में आएंगे।" भारतीय टीम अपने शुरुआती मैच में 13 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका से भिड़ेगी।फिर, 14 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच खेलेगी। उसके बाद टीम को एक दिन का रेस्ट मिलेगा।

पीएम मोदी का 'भारत' नैरेटिव किसी से कम नहीं, चीन ने कहा 'है दम'!

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लगभग 10 साल के कार्यकाल में दुनिया के तमाम देशों की यात्रा की और दुनियाभर में भारत की छवि को चमकाने का काम किया। इसका असर भी दिखता है।

जी20 में उनकी सरकार ने 'इंडिया' की स्ट्रैटजी से आगे बढ़कर 'भारत' नैरेटिव सेट करने तक का काम किया है। खुद चीन ने भारत की इकोनॉमी के दम को मान लिया है और मोदी सरकार की तारीफ की है। आखिर क्या है ये 'भारत' नैरेटिव...?

जी20 में जब दुनिया के शक्तिशाली मुल्कों ने भारत का रुख किया। तब पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने दुनिया के सामने 'इंडिया' की जगह 'भारत' की पहचान को आगे किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के डिनर न्यौते में उन्हें 'भारत का राष्ट्रपति' बताया गया। इसी दौरान जब देश में 'क्रिकेट वर्ल्ड कप' का आयोजन हुआ तो उसमें पूरी तरह से 'भारतीयता' की छाप दिखी।

क्या है 'भारत' नैरेटिव?

पीएम नरेंद्र मोदी का 'भारत' नैरेटिव असल में भारत की पुरातन सांस्कृतिक पहचान को मॉडर्न टेक्नोलॉजी से जोड़कर दुनिया के सामने पेश करना है। 'भारत' नैरेटिव का उद्देश्य इंडिया की सॉफ्ट पावर को आगे रखकर भारत की इकोनॉमिक पावर को दुनिया में पहचान दिलाने से है। इसे आप उनकी सरकार के कई कामों से समझ सकते हैं। जैसे 'अंतराष्ट्रीय योग दिवस' को मान्यता दिलाना। भारत में पुरातन काल से खाए जाने वाले मोटे अनाज यानी मिलेट्स या 'श्रीअन्न' को वैश्विक रूप से पॉपुलर बनाना। वहीं डिजिटल युग में भारत की स्वदेशी तकनीक जैसे कि 'यूपीआई' से उसकी आर्थिक शक्ति होने का अहसास कराना

चीन ने माना 'भारत' का दम

चीन की सत्ता पर काबिज चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ के पुल बांधे हैं। मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों से लेकर वैश्विक व्यापार को बढ़ाने की नीति, सांस्कृतिक यानी सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल और राजनीतिक कुशलता का चीन ने गुणगान किया है।ग्लोबल टाइम्स के एक लेख में फुडान यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज के डायरेक्टर झांग जियाडोंग का कहना है कि भारत ने तेज गति से इकोनॉमिक और सोशल डेवलपमेंट किया है। इसकी बदौलत भारत अब अधिक आत्मविश्वास से भरा है और सक्रियता के साथ 'भारत' नैरेटिव को बना रहा एवं विकसित कर रहा है। हाल में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी 'भारत' नैरेटिव को आगे बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया था। क्या भारत बन गया सुपर इकोनॉमी? भारत आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमिक पावर है। इसने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए ये मुकाम हासिल किया है। अब भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा। लेकिन क्या इतने भर से भारत सुपर इकोनॉमी बन जाता है?भारत के सुपर इकोनॉमी बनने की ओर कई और संकेत भी इशारा करते हैं।

जैसे भारत का जीडीपी ग्रोथ रेट 2023-24 में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तेजी से बढ़ा है। ये बीते 9 साल में 615.73 अरब डॉलर रहा है। मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और जापान भारत में निवेश करने वाले टॉप-5 देशों में शामिल हैं। भारत का फॉरेक्स रिजर्व यानी विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से बढ़ा है। आज ये 620.44 अरब डॉलर के लेवल पर पहुंच चुका है। इसी तरह इंडिया का एक्सपोर्ट भी बढ़ रहा है। अगर सिर्फ चालू वित्त वर्ष की बात करें तो अप्रैल से नवंबर के बीच इसके 499.46 अरब डॉलर का आंकड़ा छूने का अनुमान है।

पूरे दिन उठापटक के बाद हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, मिडकैप - स्मॉलकैप स्टॉक्स में जारी है तेजी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में भारी उठापटक देखने को मिली है। सुबह बाजार शानदार तेजी के साथ खुला। खासतौर से मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में अच्छी खरीदारी देखी गई। लेकिन दोपहर के करोबार सत्र के दौरान बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान में कारोबार करने लगा। हालांकि कारोबार खत्म होने पर बाजार ने निचले लेवल से रिकवरी दिखाई और हरे निशान में जाकर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 72,000 के आंकड़े के ऊपर 178 अंकों के उछाल के साथ 72026 अंकों पर क्लोज हुआ है। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 52 अंकों के उछाल के साथ 21,170 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में सबसे बड़ी तेजी आईटी स्टॉक्स में देखने को मिली है। इसके अलावा ऑटो, एनर्जी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए। वहीं बैंकिंग, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स के स्टॉक्स में तेजी रही है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 शेयर तेजी के साथ और 12 स्टॉक्स गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 25 शेयर तेजी के साथ और 25 गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप रिकॉर्ड हाई पर क्लोज हुआ है। बीएसई डेटा के मुताबिक लिस्टेड कंपनियों का स्टॉक्स 369.23 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 368.43 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में मार्केट कैपिटलाइजेशन में 80,000 करोड़ रुपया का उछाल देखने को मिला है। आज के ट्रेड में लार्सन 2.65 फीसदी, टीसीएस 1.92 फीसदी, इंफोसिस 1.48 फीसदी, एचसीएल टेक 1.13 फीसदी, एचयूएल 1.11 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.06 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि नेस्ले 1.65 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.99 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.87 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.85 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

आसान भाषा में समझें, कैसे बनता है देश का बजट

क्या होता है इसका मतलब

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। देश का बजट तैयार करने की प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण होती है। इस साल मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी बजट पेश किया जाना है। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में प्री-बजट मीटिंग्स का आयोजन किया जा रहा है। ये मीटिंग बजट तैयारी के महत्त्वपूर्ण हिस्से होते हैं। बजट की तैयारी के दौरान, वित्त मंत्री विभिन्न सेक्टर के स्टेकहोल्डर्स जैसे राजस्व विभाग, उद्योग संघ, किसान संघ, ट्रेड यूनियन, इकोनॉमिस्ट आदि के साथ चर्चा करती हैं। विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और स्वायत्त निकायों को भी बजट की तैयारी के लिए संबंधित जानकारी दी जाती है।

ऐसे होती है बजट की तैयारी

बजट की तैयारी में आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा एक सर्कुलर जारी किया जाता है, जिसमें सभी अनुमानित वित्तीय खर्चों की जानकारी होती है। इसके बाद अलग-अलग मंत्रालयों के बीच रकमों के बारे में चर्चा होती है। फिर, फाइनेंस मिनिस्ट्री अन्य मंत्रालयों के साथ बैठक करके एक ब्लूप्रिंट तैयार करती है। इसके बाद सभी मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी फंड आवंटन के लिए वित्त मंत्रालय के साथ चर्चा करते हैं। यह प्रक्रिया बजट तैयार करने की प्रमुख पहलू होती है, जिसमें अन्य मंत्रालयों और वित्त मंत्रालय के बीच

समझौता किया जाता है।

ये होता है सरकार का मुख्य फोकस

सरकार की आय के प्रमुख स्रोत टैक्स, राजस्व, जुर्माना, सरकारी शुल्क, डिविडेंड आदि होते हैं। हर साल फरवरी में पेश होने वाले केंद्रीय बजट के माध्यम से सरकार का मुख्य मकसद विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करना, आय के साधन बढ़ाना, और आर्थिक ग्रोथ को बढ़ावा देना होता है। इसके अलावा, सरकार गरीबी और बेरोजगारी को कम करने के लिए योजनाएं बनाती है और आधारभूत ढांचे जैसे क्षेत्रों में निवेश करती है।भारत का पहला बजट आजादी के बाद, 26 नवंबर 1947 को पेश हुआ था, जिसे पहले वित्त मंत्री शनमुखम चेट्टी ने प्रस्तुत किया था। गणतंत्र के बाद, पहला केंद्रीय बजट 28 फरवरी 1950 को पेश हुआ था। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान, भारत का पहला बजट 7 अप्रैल 1860 को प्रस्तुत किया गया था, जिसे ब्रिटिश गवर्नमेंट के फाइनेंस मिनिस्टर जेम्स विल्सन ने पेश किया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

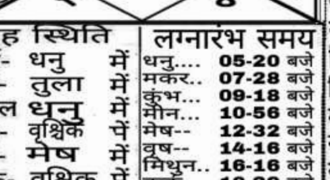

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-51
सूर्यास्त. -17-51
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 00 -41 - रात तक उपरान्त एकादशी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , शनिवार 06 January
नक्षत्र - स्वाति - 21 - 23 - तक उपरान्त विशाखा
योग - धृति - 06 - 09 - पूर्ण दिन-रात तक
करण- वणिज - 12 -20 - तक उप- विष्टि
विशेष:- श्री पार्श्वनाथ ज.
व्रत -त्योहार - भद्राकाल -12-21 से

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	05-20 बजे
चंद्र-	तुला	में	मकर..	07-28 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	09-18 बजे
बुध-	वृश्चिक	में	मीन...	10-56 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	12-32 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-16 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-16 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	18-29 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	20-40 बजे
			कन्या..	22-47 बजे
			तुला....	00-53 बजे
			वृश्चिक.	03-04 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:35 से 10:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:51 - 08:12	अशुभ	लाभ.	17:51 - 19:31	शुभ
शुभ.	08:12 - 09:35	शुभ	उत्पात	19:31 - 21:08	अशुभ
रोग	09:35 - 10:59	अशुभ	शुभ	21:08 - 22:45	शुभ
उत्पात	10:59 - 12:22	अशुभ	अमृत	22:45 - 24:22	शुभ
चंचल	12:22 - 13:45	शुभ	चंचल	24:22 - 01:59	शुभ
लाभ	13:45 - 15:08	शुभ	रोग	01:59 - 03:36	अशुभ
अमृत	15:08 - 16:31	शुभ	काल	03:36 - 05:12	अशुभ
काल	16:31 - 17:51	अशुभ	लाभ	05:12 - 06:51	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं। हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा। आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं। जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे। फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है ज़िसके कारण कई लोग आपसे ईर्ष्या करेंगे। जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे। आज आपको आराम करने की जरुरतहै लेकिन इसका यह मतलब बिलकुल नही है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपका मूड बदलता रहेगा। आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे। फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी। आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है। अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें। आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा। इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं। अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है। आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे। कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ। अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा। मछली खाते हुए सावधान रहें।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है। इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो। समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं। अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें। आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा। परिवार के साथ समय बिताएं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा। आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा। आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे।इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है। आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं। इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है। आज आराम करें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है। किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे। किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं। आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप बहुत जल्दी में हैं। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं। इसीलिए धीमे चलें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं। आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है। आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट जारी आज के भाव

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुक्रवार को सोना 62,631 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला और इंट्राडे के निचले स्तर 62,592 रुपये तक चला गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 2,044.74 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के आसपास रहीं। इस बीच, एमसीएक्स पर चांदी 72,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली और कारोबार के दौरान 72,414 रुपये के निचले स्तर को छू गई और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 23.09 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के आसपास रही।

मुकेश अंबानी को पछाड़ आगे निकले गौतम अडानी

बन गए भारत के सबसे अमीर आदमी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।साल 2024 की शुरुआत गौतम अडानी के लिए बेहद शानदार साबित हो रही है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के एक ओर अडानी ग्रुप को जहां बड़ी राहत मिली है। वहीं गौतम अडानी के पर्सनल नेटवर्थ भी तेजी से बढ़ रही है। गौतम अडानी ने अब देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ वो अब एशिया के सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर लिस्ट में एक दिन के लाभ हासिल करने में गौतम अडानी ने मुकेश अंबानी को भी पछाड़ दिया है और अमीरों की लिस्ट में 12वें नंबर पर आ गए हैं।ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स लिस्ट में 99 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ मुकेश अंबानी 13वें स्थान पर हैं और कल के कारोबार में उनकी नेटवर्थ में 983 मिलियन डॉलर की कमी आई है। ये कुल नेटवर्थ में 0.98 फीसदी की गिरावट है। इस लिस्ट में देखें तो आज सुबह दुनिया के टॉप के धनवानों की सूची में गौतम अडानी 12वें स्थान पर हैं। अब कल का सारा आंकड़ा देखें तो साफ पता चलता है कि गौतम अडानी कमाई के विजेता बनकर उभरे हैं।ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स लिस्ट में 99.7 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ गौतम अडानी 12वें स्थान पर हैं। कल के कारोबार में उनकी नेटवर्थ में 7.6 बिलियन डॉलर की बढ़त दर्ज की गई है। ये उनकी कुल नेटवर्थ में 4.90 फीसदी का इजाफा है। 61 साल के गौतम अडानी का कारोबारी साम्राज्य भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, कमोडिटी के अलावा कई और सेक्टर में फैला हुआ है और वो अडानी समूह के मालिक हैं।

मरी हुई पत्नी को दिलाया हक पति ने ऐसा जीता 12.52 लाख का 14 साल पुराना केस

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन (एनसीडीआरसी) ने 27 दिसंबर 2023 के एक आदेश में 14 साल से चल रहे ट्रैवल इंश्योरेंस केस क्लेम का फैसला दे दिया है। इसमें कंपनी को क्लेम की राशि चुकाने का आदेश दिया गया है। यह राशि अरुणा वैश्य के पति को मिलेगी। एनसीडीआरसी ने कहा है कि बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस अरुणा वैश्य के पति को 20,000 डॉलर(16 लाख 63 हजार रुपए) और साथ में ब्याज की भरपाई करेगी। हालांकि केस 15,000 डॉलर यानी 12.52 लाख के क्लेम से जुड़ा था। बता दें कि कंपनी और पॉलिसी होल्डर के बीच इस केस की लड़ाई 28 जुलाई 2009 से शुरू हुई, जब इंश्योरेंस कंपनी द्वारा विदेशी यात्रा बीमा का दावा खारिज कर दिया गया था। पति ने पहुंचाई पत्नी की लड़ाई को अंजाम तक बीमा का क्लेम रिजेक्ट होने के बाद अरुणा वैश्य ने बीमा लोकपाल के पास शिकायत दर्ज की थी। बीमा लोकपाल ने 12 अक्टूबर, 2011 को एक पत्र के माध्यम से कहा कि उनका दावा उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उसके बाद वह राज्य उपभोक्ता फोरम और फिर एनसीडीआरसी में अपना मामला लड़ने गईं। उनकी केस लड़ने के दौरान मृत्यु हो गई। इसलिए पति दीपक चंद्र वैश्य उनकी ओर से बीमा कंपनी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। अरुणा वैश्य ने बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस से एक विदेशी यात्रा बीमा पॉलिसी ली, जो 19 जून, 2009 से 16 अक्टूबर, 2009 तक वैध थी। इस पॉलिसी को खरीदने के लिए, श्रीमती अरुणा वैश्य ने प्रीमियम के रूप में 16,001 रुपये का भुगतान किया था। 29 जून 2009 को अरुणा वैश्य को कमजोरी और कम ब्लड प्रेशर के समाधान के लिए अमेरिका के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद डॉक्टरों को पता चला कि उन्हें यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (यूटीआई) और सेप्सिस है। इलाज होने और अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, उन्होंने बीमा के लिए क्लेम किया। कंपनी ने उनसे क्लेम से दस्तावेज मांगे। दस्तावेज़ जमा करने के बाद 28 जुलाई 2009 को दावा खारिज कर दिया गया।

हम चीन से आगे हैं, अब अमेरिका को पीछे छोड़ने की बारी, आनंद महिंद्रा के ट्वीट ने मचाया धमाल

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।मशहूर कारोबारी आनंद महिंद्रा अपने रोचक ट्वीट्स के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने देश की सड़कों को लेकर शानदार जानकारी शेयर की है।

आनंद महिंद्रा ने दुनिया के उन देशों की लिस्ट ट्वीट की जहां, सबसे बड़ा रोड नेटवर्क है। इस लिस्ट के मुताबिक, भारत अब रोड नेटवर्क के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। उससे आगे सिर्फ अमेरिका ही रह गया है।

नितिन गडकरी को भी भेजा मैसेज

बिजनेस टायकून आनंद महिंद्रा ने लिखा कि अब हम चीन से आगे हैं और अमेरिका को पीछे छोड़ने की पूरी कोशिश में लगे हुए हैं। उन्होंने सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को भेजे मैसेज में लिखा कि जल्द ही भारत सड़क नेटवर्क के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ देगा।

आनंद महिंद्रा ने लिस्ट शेयर करते हुए जताई खुशी

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा इस लिस्ट को शेयर करते समय बेहद खुश दिखे। उन्होंने सोशल मीडिआ प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मुझे खुशी हो रही है कि हमें सड़कों के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया शायद चीन के पश्चिमी क्षेत्रों में आबादी की कमी की वजह से ऐसा हुआ है। मगर, सबसे रोचक बात यह यह है कि हम अमेरिका के बेहद नजदीक पहुंच गए हैं। मुझे विश्वास है कि नितिन गडकरी अमेरिका को पीछे छोड़ने का लक्ष्य तय कर लेंगे।

नेशनल हाइवे की लंबाई 2022-23 में 1.45 लाख किलोमीटर हुई

पिछले साल जून में नितिन गडकरी ने बताया था कि भारत में नेशनल हाइवे की संख्या 9 साल में 59 फीसदी बढ़ी है। तेज गति से हुए इस विस्तार के चलते भारत का सड़क नेटवर्क अब सिर्फ अमेरिका से पीछे है। उन्होंने बताया था कि 2013-14 में नेशनल हाइवे की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी। यह 2022-23 में 59 फीसदी बढ़कर 1,45,240 किलोमीटर हो चुकी है।

तेजस फाइटर बनाने वाली सरकारी कंपनी को लगे पंख, मार्केट कैप दो लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट बनाने वाली सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयरों में शुक्रवार को छह फीसदी तक तेजी आई और यह 52 हफ्ते के टॉप पर चला गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप पहली बार दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। एनएसई पर कंपनी का शेयर 3,078.8 रुपये पर पहुंच गया। कीमत के साथ-साथ इसके वॉल्यूम में भी काफी तेजी देखने को मिली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने बाय रेटिंग के साथ इसे 3,600 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

आरबीआई ने राजनीतिक पकड़ वाले लोगों की केवाईसी के लिए इसकी परिभाषा में किया बदलाव

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने मानदंडों के तहत राजनीतिक पकड़ वाले लोगों की परिभाषा में बदलाव किया है। आरबीआई का यह कदम ऐसे व्यक्तियों के लिए ऋण प्राप्त करना और विभिन्न बैंकिंग लेनदेन करना आसान बनाएगा।आरबीआई के अपने नो योर कस्टमर (केवाईसी) मानदंडों में कुछ बदलाव किए गए हैं। पीईपी से संबंधित पहले के मानदंड साधारण थे और परिभाषा पर स्पष्टता की कमी थी, जिससे बैंकरों, राजनीतिक पकड़ वाले लोगों और अन्य प्रभावित लोगों को परेशानी होती थी। कुछ तबकों में इस बात को लेकर भी चिंता थी कि पीईपी को कर्ज लेने या बैंक खाते खोलने में दिक्कत हो रही है। संशोधित केवाईसी मास्टर निर्देश में, केंद्रीय बैंक पीईपी को उन व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करता है जिन्हें किसी विदेशी देश की ओर से प्रमुख सार्वजनिक कार्य सौंपे गए हैं, इनमें राज्य/सरकारों के प्रमुख, वरिष्ठ राजनेता, वरिष्ठ सरकारी या न्यायिक या सैन्य अधिकारी, राज्य के स्वामित्व वाले निगमों के वरिष्ठ अधिकारी और महत्वपूर्ण राजनीतिक दल के अधिकारी शामिल हैं।नए नियमों के अनुसार पीईपी में ऐसे व्यक्ति भी शामिल है जिन्हें एक विदेशी देश द्वारा सार्वजनिक कार्य सौंपा गया है। पीईपी के बैंक खातों में मौजूदा प्रावधानों के तहत यह एक अतिरिक्त केवाईसी मानदंड हैं और इसके तहत एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ऐसे लोगों की विशेष जांच पड़ताल करनी होगी।केंद्रीय बैंक ने 25 फरवरी, 2016 को एक परिपत्र के माध्यम से जारी केवाईसी मानदंडों में मास्टर निर्देश के एक उप-खंड को हटा दिया था।

गुजरात सीएम बोले- वाइब्रेंट समिट से होगा समग्र विकास, असम सीएम ने निवेश पर दिया बयान

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्री वाइब्रेंट समिट के दौरान राज्य के समग्र विकास के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं को रेखांकित करते हुए गुजरात को भविष्य के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2003 में शुरू किया गया वाइब्रेंट शिखर सम्मेलन औद्योगिक विकास, रोजगार के अवसरों और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में विकसित हुआ है। पटेल ने कहा, आमतौर पर लोगों में यह समझ होती है कि वाइब्रेंट समिट से बड़े उद्योगों का विकास होता है, रोजगार के अवसर होते हैं, जीडीपी बेहतर होती है और आर्थिक प्रगति होती है। यह सच है, लेकिन साथ ही, प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट समिट को समग्र विकास के लिए एक टेक-ऑफ पॉइंट बनाया है। उन्होंने कहा, वाइब्रेंट समिट स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सहित उद्योग के विकास के साथ-साथ मानव संसाधन विकास के लिए एक विश्व स्तरीय मंच साबित हुआ है। प्री वाइब्रेंट समिट 2024 में सभी क्षेत्रों में नई संभावनाओं और संभावनाओं को सामने लाने के लिए सफलतापूर्वक उपयोग किया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया है कि साल 2023 में राज्य को निवेश के रिकॉर्ड प्रस्ताव मिले हैं। इस दौरान 11,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। असम सीएम ने बताया कि इस निवेश के जरिए राज्य में करीब 10,000 रोजगार का सृजन होगा। असम सीएम ने कहा कि राज्य में निवेश करने वालों को कस्टमाइज्ड इंसेटिव पॉलिसी का लाभ मिलेगा।

चुनावी दंगल के बीच जांच एजेंसियों की फांस

चुनाव आते-आते कौन जाएंगे जेल, किनकी किस्मत देगी साथ?

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। लोकसभा चुनावों में कुछ ही महीने बाकी हैं। इस बीच केंद्रीय एजेंसियों की बढ़ती सक्रियता से विपक्ष के कई नेताओं की सांसें अटकी हैं। देश में नेहरू-गांधी परिवार तो बिहार में लालू परिवार के कई सदस्यों पर जेल जाने का खतरा मंडरा रहा है। उधर, झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्री क्रमशः हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल पर एंजेसियों की फांस बड़ी तेजी से कसती दिख रही है।

लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक तापमान बढ़ने लगा है। ऐसा लग रहा है कि विपक्ष के बड़े-बड़े चेहरे करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की आंच में तप सकते हैं। कई प्रमुख नेता केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर हैं। इनमें गांधी परिवार से लेकर लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी प्रमुख हैं।

बढ़ीं लालू परिवार की मुश्किलें

नौकरी के बदले जमीन का मामला: सीबीआई ने इस मामले में तेजस्वी यादव, उनके पिता लालू प्रसाद, मां राबड़ी देवी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। ईडी ने तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद को पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। ईडी ने हाल ही में केस के सिलसिले में लालू प्रसाद के परिवार की 6 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। कुर्क की गई संपत्तियों में दिल्ली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक आवासीय मकान सहित दिल्ली और पटना की संपत्तियां शामिल हैं। सीबीआई ने अपने आरोप पत्र में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी और बेटे (तेजस्वी) को 'अंतिम लाभार्थी' बताया है। हालांकि, तीनों ने आरोपों से इनकार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सीबीआई जल्द ही एक और चार्जशीट दाखिल करेगी।

आईआरसीटीसी केस: यह एक और मामला है जो लालू, तेजस्वी, राबड़ी देवी और अन्य सह-आरोपियों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है क्योंकि सीबीआई ने उनके खिलाफ आरोप तय करने पर बहस की है। आरोप तय करने पर दलीलें सुनने वाले जज के ट्रांसफर के कारण मुकदमा शुरू नहीं हो सका। अभियोजन पक्ष और आरोपी नए जज के सामने आरोपों पर नए सिरे से बहस करेंगे। ईडी ने मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के सिलसिले में मार्च में लालू, तेजस्वी और लालू की बेटियों के आवास पर छापेमारी की थी। सीबीआई ने जुलाई 2017 में लालू-राबड़ी, तेजस्वी और अन्य पर आईआरसीटीसी होटलों के टेंडर की शर्तों में बदलाव करके कथित तौर पर गलत लाभ कमाने का मामला दर्ज किया था। सीबीआई के अनुसार, लालू ने आईआरसीटीसी के अधिकारियों और पत्नी राबड़ी के साथ बनाई मुखौटा कंपनी के मालिकों के जरिए पटना में चाणक्य होटल और सुजाता होटल के मालिकों के साथ मिलीभगत करके घोटाला किया है।

बड़ी मुसीबत में गांधी परिवार

नैशनल हेराल्ड केसः ईडी ने नवंबर में कांग्रेस से जुड़े यंग इंडिया लिमिटेड के मालिकाना हक वाले अखबार नैशनल हेराल्ड केस से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 751.9 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की थी। एजेंसी ने जून और जुलाई में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से तीन बार में लगभग 12 घंटे तक पूछताछ की थी।

इससे पहले, उनके बेटे राहुल गांधी से भी एजेंसी ने जुलाई में पांच मौकों पर 50 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। एजेंसी संपत्तियों की कुर्की की पुष्टि करेगी और कार्रवाई करेगी। आयकर विभाग ने 2013 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत पर उनके खिलाफ जांच शुरू की थी। यह आरोप लगाया

गया है कि गांधी परिवार ने नेशनल हेराल्ड अखबार के अधिग्रहण में धोखाधड़ी की और धन का दुरुपयोग किया, जो एजेएल द्वारा प्रकाशित और यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व में है।

गांधी परिवार ने बार-बार आरोपों से इनकार किया है। बीजेपी नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने आरोप लगाया था कि गांधी परिवार ने यंग इंडिया के जरिए अखबार के पूर्व प्रकाशकों को खरीदकर नैशनल हेराल्ड के स्वामित्व वाली संपत्तियों का अधिग्रहण किया, जिसमें उनकी 86% हिस्सेदारी है। कांग्रेस ने इस मामले को 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया है। ईडी ने गांधी परिवार पर '50 लाख रुपये का भुगतान करके एजेएल की 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का दुरुपयोग करने' का आरोप लगाया है।

बीकानेर जमीन मामले में फंसे हैं रॉबर्ट वाड्रा: ईडी बीकानेर जमीन खरीद मामले में कथित संलिप्तता को लेकर सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा के कथित सहयोगी महेश नागर पर अपना शिकंजा कसने जा रही है। ईडी ने आरोप लगाया है कि नागर ने 'रॉबर्ट वाड्रा से प्राप्त निर्देशों के अनुसार काम किया क्योंकि वो नौकरी पर हैं'। वाड्रा पर आरोप है कि उन्होंने 275 बीघे की संपत्ति 72 लाख रुपये में खरीदी और उसी को बेचकर 615 फीसदी का मुनाफा कमाया। एजेंसी ने 2019 में जांच के सिलसिले में वाड्रा और उनकी मां से पूछताछ की।

वाड्रा, ईडी को बीकानेर के दो गांवों में जमीन खरीदने के लिए पैसे का स्रोत नहीं बता पाए थे। वाड्रा ने ईडी को बताया था कि उन्होंने बीकानेर की जमीनें सिर्फ गूगल मैप पर देखी थीं। ईडी के अनुसार, जब कंपनी ने कुछ लाख में कथित तौर पर धोखाधड़ी से खरीदी थीं, तो वाड्रा स्काईलाइट की 99% इक्विटी के साथ मेसर्स स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के 'सक्रिय निदेशक' थे।

अरविंद केजरीवाल जेल जाएंगे?

आप के दो वरिष्ठ नेता, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह, पहले से ही उत्पाद शुल्क नीति (एक्साइज पॉलिसी) में उनकी कथित संलिप्तता के लिए सलाखों के पीछे हैं और जांच एजेंसियों के रडार पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल आ गए हैं। सीबीआई अप्रैल में ही केजरीवाल से पूछताछ कर चुकी है तो ईडी उनसे पूछताछ करना चाहती है और उसे तीन बार समन जारी कर चुकी है। केजरीवाल ने समन को 'राजनीति से प्रेरित और अवैध' बताकर ईडी के सामने से पेश होने से इनकार कर दिया है। अगर जांच एजेंसियां आम आदमी पार्टी (आप) को मामले में आरोपी बनाने का फैसला करती हैं तो पार्टी विधायकों के लिए और परेशानी बढ़ सकती है। सीबीआई और ईडी की ओर से पेश केंद्र सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि एजेंसियां मामले में आप को आरोपी बनाने पर विचार कर रही हैं। फरवरी में एक स्थानीय अदालत ने दिल्ली सरकार की अब समाप्त हो चुकी शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में ईडी की दायर सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लिया।

इसमें आरोप लगाया गया है कि आप ने पॉलिसी से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल गोवा चुनाव प्रचार के लिए किया। आरोप पत्र में केजरीवाल और मामले के आरोपी इंडोस्पिरिट्स के मालिक समीर महेंद्रू के बीच एक कथित कॉल का जिक्र किया गया था, जिसमें केजरीवाल ने कथित तौर पर उनसे आप संचार प्रभारी विजय नायर के साथ काम करते रहने के लिए कहा था। केजरीवाल ने आरोपों को काल्पनिक बताया।

कविता कल्वाकुन्तला (के. कविता)

भारत राष्ट्र समिति की नेता और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता से ईडी ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में तीन बार पूछताछ की। उन्हें आखिरी बार ईडी ने मार्च में समन किया था। सीबीआई ने दिसंबर में कविता से उनके हैदराबाद स्थित आवास पर सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। ईडी ने पहले कारोबारी अमित अरोड़ा से हिरासत में पूछताछ की मांग करते हुए रिमांड पेपर में कविता का नाम लिया था, जब उन्हें पिछले नवंबर में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। गुरुग्राम स्थित बडी रिटेल के निदेशक अरोड़ा कथित तौर पर सिसोदिया के सहयोगी हैं। कविता ने बार-बार सभी आरोपों से इनकार किया है।

तृणमूल कांग्रेस की बढ़ती मुश्किलें

अभिषेक बनर्जी: तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाला और कोयला तस्करी मामलों में चल रही जांच के सिलसिले में अभिषेक और उनकी पत्नी रुजिरा बनर्जी से पूछताछ की है। शिक्षक भर्ती मामला पैसे लेकर राज्य के सरकारी प्राथमिक शिक्षक का पद देने से जुड़ा है। अभिषेक के पिता अमित बनर्जी के खिलाफ आरोप हैं कि वो लीप्स एंड बाउंड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में से एक थे और जबकि रुजिरा लीप एंड बाउंड मैनेजमेंट सर्विसेज की निदेशक थीं, जिसका इस्तेमाल दागी धन को इधर-उधर करने के लिए किया गया था। ईडी ने नवंबर 2020 में सीबीआई की तरफ से दर्ज एफआईआर के आधार पर पीएमएलए के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें आसनसोल और उसके आसपास पश्चिम बंगाल के कुनुस्तोरिया और काजोरा इलाकों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स खदानों से संबंधित करोड़ों रुपये की कोयला चोरी का आरोप लगाया गया था।

महुआ मोइत्राः पार्टी की एक और नेता और लोकसभा से निष्कासित महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीबीआई का दावा है कि उसने अभी तक मामले में प्रारंभिक जांच दर्ज नहीं की है और वह केवल लोकपाल के निर्देश पर मामले की जांच कर रही है।

मोइत्रा के खिलाफ जांच भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत के आधार पर शुरू की गई थी, जिन्होंने लोकसभा अध्यक्ष बताया था कि महुआ नकदी और उपहारों के बदले बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी की ओर से संसद में सवाल पूछकर उद्योगपति गौतम अडानी को बार-बार निशाना बनाया था। दुबे ने नवंबर में कहा था कि लोकपाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर कथित तौर पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया था। अगर सीबीआई ने केस दर्ज किया तो महुआ की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

भूपेश बघेल: महादेव ऐप केस

ईडी ने नवंबर में दावा किया था कि उसने एक 'कैश कूरियर' का बयान दर्ज किया था, जिसने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित महादेव सट्टेबाजी ऐप प्रमोटरों से 508 करोड़ रुपये मिले थे। ईडी ने कहा, 'असीम दास से पूछताछ और उसके पास से बरामद फोन की फोरेंसिक जांच और महादेव नेटवर्क के उच्च पदस्थ आरोपियों में से एक शुभम सोनी के भेजे ईमेल की जांच से चौंकाने वाले कई आरोप सामने आए हैं।' जांच एजेंसी ने कहा, 'अतीत में नियमित भुगतान किया गया है और अब तक महादेव ऐप प्रमोटरों ने भूपेश बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता) को लगभग 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।' कई बॉलीवुड हस्तियों और बघेल के सहयोगियों को तलब करने के बाद एजेंसी मामले के संबंध में बघेल से पूछताछ कर सकती है। सितंबर में ईडी ने तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के करीबी परिवार के सदस्यों को तलब किया था।

वहीं छत्तीसगढ़ पुलिस ने 75 एफआईआर दर्ज की हैं जबकि मुंबई पुलिस ने महादेव बुक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप सिंडिकेट से जुड़े कथित 15 हजार करोड़ रुपये के जुए और साइबर धोखाधड़ी की एफआईआर को मुंबई अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया है।

झारखंड में एजेंसियों की चाबुक

हेमंत सोरेन: ईडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राज्य में कथित अवैध खनन से संबंधित चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में बार-बार तलब किया है। सीएम के कथित राजनीतिक सहयोगी पंकज मिश्रा से पूछताछ के बाद एजेंसी ने ताजा सबूत मिलने का दावा करते हुए पिछले वर्ष सोरेन को तलब किया गया था। जुलाई 2023 में एजेंसी ने मिश्रा और उनसे जुड़े अन्य लोगों के परिसरों पर छापेमारी की थी और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। छापेमारी के बाद ईडी ने मिश्रा और उनसे कथित तौर पर जुड़े एक व्यक्ति दाहू यादव के 37 बैंक खातों में 11.88 करोड़ रुपये की जमा राशि जब्त कर ली थी। इसके अलावा ईडी ने पीएमएलए के तहत 5.34 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी भी जब्त की थी, जिसमें दावा किया गया कि यह पैसा झारखंड में अवैध खनन से कमाया गया है। पिछले साल अगस्त में एजेंसी ने झारखंड में एक और दौर की छापेमारी की थी।

धीरज साहू: झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू पर गाज गिर सकती है। साहू से जुड़े परिसरों से आयकर विभाग ने कथित तौर पर 290 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की है। अब इस मामले में ईडी पीएमएलए के प्रावधानों के तहत जांच शुरू कर सकती है। छापेमारी झारखंड के रांची, सबलपुर, बोलांगीर, टिटिलागढ़, बौध और सुंदरगढ़ और ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में की गई है।

फारूक अब्दुल्ला का क्या होगा?

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और अन्य लोग जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन में कथित अनियमितताओं के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जांच का सामना कर रहे हैं। अब्दुल्ला और सह-अभियुक्तों को जुलाई 2022 में श्रीनगर की एक अदालत ने तलब किया था। अदालत ने जून 2022 में ईडी के पूरक अभियोजन शिकायत (चार्जशीट के बराबर) पर संज्ञान लेने के बाद अब्दुल्ला और अन्य को तलब किया था।

ईडी ने पहले कहा था कि पूरक आरोप पत्र तीन अनंतिम कुर्की आदेशों से पहले दायर किया गया था। इसमें अब्दुल्ला, मेसर्स मिर्जा संस, गजानफर और मिर्जा की कुल मिलाकर 21.55 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां अटैच की गई थीं।

'मोदी फैन' हैं पाकिस्तान चुनाव में हिंदू कैंडिडेट सवीरा

बोलीं- मोदी पावर और सादगी का बेजोड़ कॉम्बिनेशन, यहां हिंदुओं से भेदभाव नहीं

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पाकिस्तान को आजाद हुए 76 साल हो गए हैं। खैबर पख्तूनख्वा की बुनेर सीट भी 1968 में स्वात स्टेट से पाकिस्तान में शामिल हो गई थी। हालांकि 76 साल गुजरने के बाद ये पहला मौका है जब किसी हिंदू महिला कैंडिडेट को खैबर पख्तून प्रोविंस की किसी जनरल सीट से टिकट मिला है। डॉ. सवीरा को बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी यानी पीपीपी ने यहां से उम्मीदवार बनाया है।

सवीरा खुद कहती हैं, 'ये शायद पहला मौका है जब खैबर पख्तूनख्वा प्रोविंस में किसी जनरल सीट से हिंदू महिला को टिकट मिला है।' सवीरा खुशी से कहती हैं, 'जब से टिकट मिला है लोगों का खूब प्यार मिल रहा है। लोग मुझे हिंदू महिला नहीं बल्कि 'बुनेर की बेटी' कह रहे हैं।' सवीरा ये कहने में भी नहीं हिचकती कि उन्हें नरेंद्र मोदी बतौर लीडर पसंद है। पाकिस्तान में 8 फरवरी को जनरल इलेक्शन होंगे। नवाज शरीफ मैदान में हैं और इमरान खान चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं, लेकिन इन बड़े नामों के बीच सवीरा भी काफी पॉपुलर हैं। सवीरा के पिता ओमप्रकाश भी पॉलिटिक्स से जुड़े हैं और पेशे से कॉर्डियोलॉजिस्ट हैं।

सवीरा कहती है कि बुनेर में जनरल सीट से इलेक्शन लड़ने वाली शायद मैं पहली अल्पसंख्यक महिला कैंडिडेट हूं। मुझे ये कहते हुए गर्व हो रहा है कि नामांकन दाखिल करने के बाद से लोगों का खूब प्यार मिल रहा है। लोग मुझे एक हिंदू महिला नहीं बल्कि पश्तून समुदाय की पुख्ताना यानी मूल निवासी की तरह प्यार दे रहे हैं। जहां तक इलाके में अशांति का सवाल है तो कई देशों में विवाद चल रहे हैं। हर समाज में शरारती तत्व होते हैं, हमें उन्हें हराना है। हमें अब हेल्थ, बेरोजगारी और एजुकेशन पर बात करनी चाहिए। मैंने कभी धर्म की वजह से भेदभाव महसूस नहीं किया। हां, यहां महिलाओं को लेकर भेदभाव जरूर है। खासतौर पर बुनेर में महिलाओं को हमेशा पीछे रखा जाता है। मैंने 3 महीने हॉस्पिटल में काम किया। वहां गर्भवती महिलाएं 8-9 महीने होने पर ही चेकअप कराने आती हैं। शुरू में चेकअप नहीं होने से प्रेग्नेंसी की दिक्कतें बढ़ जाती हैं तो कई बार उन्हें बुनेर से पेशावर या इस्लामाबाद भेजना पड़ता है। बुनेर से वहां पहुंचने में करीब 4 घंटे लग जाते हैं। कई केस ऐसे देखे जब रास्ते में एंबुलेंस में ही बच्चे की मौत हो गई। महिलाओं की मौत का डर भी बना रहता है। बुनेर में इमरजेंसी मेडिकल की सुविधा नहीं है। डॉक्टरों के पास फैसला लेने का अधिकार भी नहीं है। ब्यूरोक्रेसी या पॉलिटिक्स में आने से ये अधिकार मिल सकते हैं, इसीलिए 2022 से मैंने सिविल सर्विसेज के एग्जाम की तैयारी शुरू की थी। हालांकि इसी दौरान पॉलिटिक्स में आने का मौका मिल गया। मुझे भारत और पाकिस्तान के बीच ब्रिज बोला जा रहा है। बुनेर के लोग मुझे बेटी कहते हैं। मुझे अभी से अपनी जिम्मेदारी का एहसास होने लगा है। हमारे नेता बिलावल भुट्टो जरदारी शंघाई सहयोग संगठन, यानी एससीओ की मीटिंग में गोवा गए थे। मुझे लगता है कि दोनों देश अपने रिश्ते बेहतर बनाने की कोशिश में लगे हैं। बुनेर की वजह से मेरा नाम भारत तक पहुंचा है। मेरी कोशिश होगी कि मैं भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिए हर समस्या का हल निकालने में मददगार साबित हो सकूं। मैं चाहूंगी कि दोनों देश

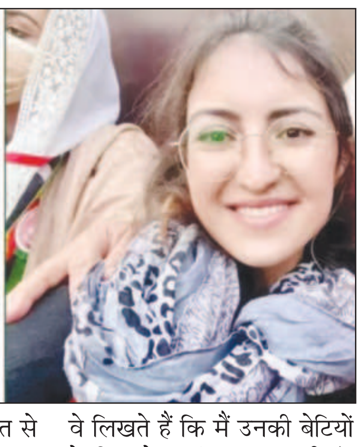

बैठकर बातचीत करें, बातचीत से ही समाधान निकलेगा, मैं इस पर पॉजिटिव हूं।

सवीरा कहती है कि मुझे भारत के पीएम नरेंद्र मोदी अच्छे लगते हैं। मुझे उनका व्यक्तित्व बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने भारत को डेवलपमेंट की राह पर आगे बढ़ाया है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। मोदी की पर्सनैलिटी में पावर और अथॉरिटी नजर आती है। नरेंद्र मोदी के अंदर सिंपलिसिटी भी है। उनके पास पावर और सादगी का बेजोड़ कॉम्बिनेशन है। ये बातें ही एक नेता को स्थिर बनाती हैं। मेरे पापा ने रूस से मेडिकल की पढ़ाई की। वहीं उनकी मुलाकात मेरी मां से हुई, जो ईसाई हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि मैं अल्पसंख्यकों में भी अल्पसंख्यक हूं। बुनेर में सिर्फ 10वीं तक का गवर्नमेंट स्कूल था। 12वीं की पढ़ाई करने मैं लाहौर आ गई। फिर मैंने एबटाबाद से एमबीबीएस किया और वहीं जॉब करने लगी। जिस खैबर पख्तूनख्वा में काम करती थी, वहां महिलाओं और बच्चों की स्थिति बहुत खराब है। वहां महिलाओं का कोई लीडर नहीं है। मैंने उनकी आवाज उठाई तो उन्हें हिम्मत मिली। अब तो मर्द भी मैसेज करके बधाई देते हैं। वे लिखते हैं कि मैं उनकी बेटियों के लिए रोल मॉडल बन चुकी हूं। मेरे पापा 37 साल से पीपीपी के साथ काम कर रहे हैं। बचपन से ही पापा को नेता के रूप में देखती थी। इसलिए मेरा इंट्रेस्ट भी बढ़ने लगा। अगस्त 2023 में मेरी मुलाकात पीपीपी की खैबर पख्तूनख्वा की महिला विंग की प्रेसिडेंट रुबीना खालिद से हुई। रुबीना की बुनेर में पार्टी वर्कर्स के साथ मीटिंग थी, जहां पापा मुझे ले गए थे। तब रुबीना ने पापा से कहा था कि आपकी बेटी के अंदर हिम्मत बहुत है, उसे पॉलिटिक्स में आना चाहिए। मैं बचपन में बहुत शर्मीली थी, ऐसे में मुझे डर था कि स्टेज पर चढ़कर कैसे स्पीच दूंगी। रुबीना की बात से मेरा हौसला बढ़ गया। मेडिकल से सीधे पॉलिटिक्स में आना मुश्किल था। ऐसे में मैंने लाहौर में सेंट्रल सुपीरियर सर्विस (पाकिस्तान सिविल सर्विस) की तैयारी शुरू की। 3 महीने तक एकेडमी में पढ़ाई के बाद मैंने खुद को राजनीति के लिए तैयार कर लिया। सवीरा का कहना है कि इलेक्शन में सभी को बराबर का मौका मिलना चाहिए। जितना अनुभवी नेता होगा, उसका उतना ही पब्लिक कनेक्ट होगा। वो जनता के मुद्दों को बखूबी समझेगा। इससे ज्यादा मैं इस पर कमेंट नहीं करना चाहूंगी। सभी नेताओं का सिर्फ एक मकसद होता है कि पाकिस्तान विकास की राह पर आगे बढ़े। मुझे किसी ने पॉलिटिक्स का पी भी नहीं सिखाया। अपने फ्लो में बहते हुए मैं यहां तक आ गई। मुझे किसी ने हिंदू अल्पसंख्यक होने का एहसास भी नहीं कराया। एक महिला होने के नाते मुझे बचपन से अजीब लगता था कि बुनेर में कोई महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठाता है। बुनेर की महिलाओं की परेशानियों को देखकर मैंने पॉलिटिक्स में आने के बारे में सोचा। मैंने अपने पिता से इलेक्शन लड़ने और नामांकन दाखिल करने की बात कही। उन्होंने हर मोड़ पर मेरा साथ दिया। हमारे लीडर बिलावल भुट्टो जरदारी ने भरोसा करके टिकट दिया।

मेरा परिवार खुले विचारों का है। पापा ने मेरे हर फैसले का समर्थन किया। 5 साल की थी तो पापा ने एक गेम खेलने के दौरान मुझे जो बात सिखाई वो आज तक याद है। वो हमेशा कहते हैं ज्यादा ऑप्शन मिलने पर कन्फ्यूज नहीं रहो, जो बात सबसे पहले दिमाग में आई हो, उसी पर आगे जाना चाहिए। आज भी मैं उसी बात को फॉलो करती हूं।

मैं एबटाबाद में पढ़ने गई, तब मेरे गांव में लड़कियों को घर से दूर भेजने का चलन नहीं था, लेकिन पापा ने मुझ पर भरोसा करके पढ़ने भेजा। पॉलिटिक्स में आने की बात कही तो उसी तरह से उन्होंने मुझे सपोर्ट किया। मुझे लगता है कि पाकिस्तान की अधिकतर समस्याओं को एजुकेशन का लेवल बढ़ाने से ही दूर किया जा सकता है। लोग अपने अधिकारों के प्रति तब तक जागरूक नहीं हो सकते, जब तक उन्हें अच्छी एजुकेशन नहीं मिलेगी।

शहरों में बड़ी बिल्डिंगें और हॉस्पिटल्स हैं, लेकिन हमारे गांव आज भी पिछड़े हैं और डेवलपमेंट से काफी दूर हैं। मैं चाहती हूं कि गरीबों के बच्चे पढ़ें, उनके लिए स्कूल खुलें। पाकिस्तान में हमारी पार्टी बेनजीर इनकम सपोर्ट प्लान चलाती है। इसमें गरीबों के बैंक खाते में डायरेक्ट पैसे भेजे जाते हैं। हमारी सरकार बनी तो इसका बजट बनाएंगे और सभी नागरिकों का हेल्थ कार्ड बनवाया जाएगा।

पाकिस्तान में चुनाव लड़ रहीं हिंदू महिलाएं

डॉ. सवीरा के अलावा पाकिस्तान में दो और हिंदू महिलाएं राधा भील और सोना सिंधु चुनाव लड़ रही हैं। दलित समुदाय से आने वालीं राधा भारतीय सीमा से सटे सिंध प्रांत के थारपारकर में रहती हैं और जनरल सीट से इंडिपेंडेंट कैंडिडेट के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। राधा हिंदू लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं। वहीं सोना सिंधु, सिंध प्रोविंस के उमरकोट से इंडिपेंडेंट चुनाव लड़ रही हैं। कैंडिडेट 12 जनवरी तक नाम वापस ले सकते हैं। इसके बाद ही साफ होगा कि कितनी हिंदू महिलाएं चुनाव मैदान में रहेंगी।

पाकिस्तान में कृष्णा कुमारी कोहली सीनेटर बनने वालीं पहली दलित हिंदू महिला थीं। वे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की मेंबर थीं। 2018 में कृष्णा सिंध प्रांत की रिजर्व सीट से जीती थीं। कृष्णा कुमारी कोहली से पहले पाकिस्तान में पीपीपी से रत्ना भगवानदास चावला सीनेटर बनी थीं, हालांकि वो दलित नहीं थीं। रत्ना ने 2006 में चुनाव जीता था। वे पाकिस्तान की पहली हिंदू महिला सीनेटर थीं।

एससी के कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जज की नियुक्ति को दी मंजूरी

अरविंद कुमार वर्मा होंगे नए जज

बिलासपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में एक नए जज की नियुक्ति को लेकर मंजूरी दे दी है। बेंच कोटे से न्यायिक सेवा के हाईकोर्ट के रजिस्टार जनरल अरविंद कुमार वर्मा नए जज होंगे।

नियुक्ति का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। हाईकोर्ट में अब जजों की संख्या 16 हो जाएगी। हाईकोर्ट में जजों के कुल स्वीकृत पद 22 हैं।

कारोबारी ने रंगदारी नहीं दी 10 गोलियां मारीं

रांची, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रांची में रंगदारी नहीं देने पर कोयला कारोबारी अभिषेक श्रीवास्तव की हत्या कर दी गई। 5 टीपीसी उग्रवादियों ने उनकी गाड़ी में सामने से ताबड़तोड़ फायरिंग की। उग्रवादियों ने 10 गोलियां चलाईं, जिसमें 7 गोलियां अभिषेक को लगी। 7 गोलियां अभिषेक की छाती, गर्दन और हाथ में लगीं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अभिषेक से पिछले कुछ दिनों से टीपीसी के उग्रवादी रंगदारी मांग रहे थे और उन्हें धमकी दे रहे थे। कारोबारी ने अपनी सुरक्षा के लिए 4 गाड्र्स भी रखे थे लेकिन कल वो अकेले ही घर से निकले थे। पुलिस की जांच में पता चला है कि जेल में बंद टीपीसी के जोनल कमांडर भीखन गंझू के इशारे पर उग्रवादी इरफान अंसारी ने अभिषेक श्रीवास्तव की हत्या की है।

कांग्रेस का 'मिशन 2024'

अगले महीने छत्तीसगढ़ के सात जिलों से होकर गुजरेगी राहुल गांधी की न्याय यात्रा

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होने वाली है और अगले महीने छत्तीसगढ़ के सात जिलों से होकर गुजरेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय ठाकुर ने कहा कि यात्रा 67 दिनों में 15 राज्यों के 110 जिलों से गुजरते हुए 6,700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद मुंबई में समाप्त होगी। पार्टी के अनुसार लोकसभा चुनाव से पहले योजनाबद्ध यह यात्रा लगभग 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी। धनंजय ठाकुर ने कहा कि यात्रा 16-17 फरवरी के बाद पहुंचने की उम्मीद है और यह पांच दिनों में राज्य के सात जिलों को कवर करेगी, आदिवासियों की आबादी लगभग 32 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि पार्टी देश की एकता, अखंडता, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकारी नौकरी वाली महिलाओं को नहीं मिलेंगे 12 हजार

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में बाजी पलटने वाली महतारी वंदन योजना लोकसभा चुनाव के पहले लागू हो जाएगी। इसके तहत किन-किन महिलाओं को लाया जाएगा, इसका क्राइटेरिया बनाने का काम चल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्य सचिव अमिताभ जैन को मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों की सूची सौंपी है जिसमें महतारी वंदन योजना को पहले लेने की बात की गई है। 80 लाख महिलाएं इस योजना के तहत विचाराधीन हैं लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं ऐसे वर्ग से आती हैं जो सम्पन्न हैं।

नेपाल की मदद के लिए भारत ने फिर बढ़ाए हाथ

भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लिए 7 .5 करोड़ डॉलर देने का वादा

काठमांडू, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल में पिछले साल आए भूकंप के बाद लोगों को अपने घरों के पुनर्निर्माण और जिंदगी को पटरी पर लाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अब अपने पड़ोसी देश की मदद को भारत ने एक बार फिर जिम्मा उठा लिया है। विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने शुक्रवार को एलान किया कि भारत मदद जारी रखेगा और भूकंप से प्रभावित नेपाल के पश्चिमी जिले में बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7.5 करोड़ डॉलर देगा।

इस साल की पहली विदेश यात्रा पर जयशंकर

बता दें, जयशंकर इस साल की पहली विदेश यात्रा पर गुरुवार को नेपाल पहुंचे हैं। उन्होंने अपने नेपाली समकक्ष एनपी सउद के साथ साल 2015 में आए भूकंप के बाद काठमांडू में त्रिभुवन विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय और अन्य पुनर्निर्माण परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

भूकंप के कारण हुई मौतों को जानकर दुखी

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत पिछले साल नवंबर में नेपाल के पश्चिमी हिस्सों में आए भूकंप के कारण हुई मौतों और तबाही के बारे में जानकर दुखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नेपाल के लोगों और नेतृत्व के प्रति एकजुटता व्यक्त की है और हर संभव सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।

हम नेपाल के लोगों के साथ

उन्होंने कहा, 'हम नेपाल के लोगों के साथ खड़े हैं और हमेशा खड़े रहेंगे। इसलिए हमने कल प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड को बताया कि हम प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 1,000 करोड़ नेपाली रुपये यानी 7.5 करोड़ डॉलर देंगे।'

जयशंकर ने काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा की

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। नेपाल के दौरे पर गए विदेश मंत्री ने ट्वीट किया कि आज सुबह पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। दोनों देशों के लोगों की भलाई और भारत-नेपाल संबंधों के लिए प्रार्थना की।

तय समय पर नहीं होंगे आम चुनाव!

सीनेट ने पारित किया चुनाव में देरी की मांग वाला प्रस्ताव

इस्लामाबाद, 5 जनवरी (एजेंसियां)। आर्थिक और राजनैतिक मोर्चे पर अस्थिरता का सामना कर रहे पाकिस्तान में आम चुनाव को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है।

वहां की सीनेट ने आम चुनाव में देरी की मांग करने वाले एक प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए सीनेट ने ठंड के मौसम और सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर की भारी गोलाबारी

तोप से बरसाए 200 से ज्यादा गोले

येओनप्योंग, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है और कोरियाई प्रायद्वीप में जंग की स्थिति बनती दिख रही है। दक्षिण की सेना लगातार हमले का अभ्यास कर रही है। इसी को लेकर शुक्रवार को दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरियाई सीमा के पास येओनप्योंग द्वीप के निवासियों को जल्द जगह खाली करने को कहा।

नुकसान की नहीं खबर

दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को 200 से ज्यादा तोप के गोले दागे। गोले उत्तरी सीमा रेखा (एनएलएल) के उत्तर में गिरे, जो दोनों कोरियाई देशों के बीच वास्तविक समुद्री सीमा है। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

इस समझौते का किया उल्लंघन

दक्षिण कोरिया की सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा है कि बफर जोन में बमबारी कर उत्तर कोरिया ने दोनों देशों के बीच साल 2018 में किए गए समझौते का उल्लंघन किया है। आपको बता दें कि, पिछले कुछ घंटे में दोनों देशों के बीच का तनाव काफी बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के इस अभ्यास को उकसाने वाला बताया।

उत्तर कोरिया ने अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए तोप से गोले दागने का अभ्यास किया। सरकारी मीडिया ने कहा है कि यह कदम नए हथियारों की जांच के तहत उठाया गया है। अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया पर प्योंगयांग अपने अपने खिलाफ अपनाई जा रही दुश्मनी की नीति त्यागने का दबाव बनाए हुए है।

येओनप्योंग गांव के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया था कि उत्तर कोरिया येओंगप्योंग द्वीप पर समुद्री हमला करने वाला है, जल्द लोगों को वहां से निकाल दिया जाए। सेना के अनुरोध के बाद निकासी आदेश जारी किया गया था। इसलिए लोगों से जल्द जगह खाली करने को कहा गया। गौरतलब है, इससे पहले भी कई बार उत्तर कोरिया ने हमला किया है।

भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार

डॉक्टरों से 10 लाख अमेरिकी डॉलर की चोरी का आरोप

न्यूयॉर्क, 5 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में घायलों को चिकित्सा प्रदान करने वाले डॉक्टरों से दस लाख अमेरिकी डॉलर की चोरी करने के आरोप में 61 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान अमरीश पटेल के तौर पर की गई है।

न्यूयॉर्क के अटर्नी जनरल ने बताया कि अमरीश की दो कंपनियां मेडलिंक सर्विस और मेडलिंग पार्टनर्स के खिलाफ 2012 से लेकर 2019 तक चोरी के आरोप में 27 गुंडागर्दी के मामले दर्ज किए गए हैं। आरोपी और उसकी कंपनी पर बीमा धोखाधड़ी, चोरी और रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 11 मामले दर्ज किए गए है।

एटर्नी जनरल के अनुसार आरोपी को इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और 100,000 के बॉन्ड के साथ रिहा कर दिया गया है। अमरीश ने ब्रुक्लिन स्थित ऑर्थोपेडिक सर्जरी प्रैक्टिस के लिए बिलिंग सेवाएं प्रदान की थी।

सोमालिया के तट से जहाज हाइजैक

क्रू में 15 भारतीय शामिल, नौसेना ने भेजा अपना युद्धक जहाज

मोगादिशु, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सोमालिया के तट से एक जहाज को हाइजैक कर लिया गया है। हाइजैक किए गए जहाज के क्रू सदस्यों में 15 भारतीय नागरिक शामिल हैं। भारतीय नौसेना स्थिति पर नजर रखे हुए है। खबर के अनुसार, हाइजैक किया गए जहाज का नाम एमवी लीला नॉरफोल्क है और इस पर लाइबेरिया का झंडा लगा है। नौसेना ने अगवा जहाज की निगरानी के लिए अपने एयरक्राफ्ट तैनात कर दिए हैं। अगवा जहाज के क्रू से कम्युनिकेशन भी स्थापित कर लिया गया है।

नौसेना ने भेजा आईएनएस चेन्नई

भारतीय नौसेना ने बयान जारी कर बताया कि घटना गुरुवार शाम की है, जब लाइबेरिया का झंडा लगा जहाज अरब सागर से गुजर रहा था। जहाज ने यूकेएमटीओ पोर्टल पर एक संदेश भेजा कि करीब 5-6 हथियारबंद अज्ञात लोग जहाज पर चढ़ गए हैं और जहाज को अगवा करने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना मिलते ही

भारतीय नौसेना ने अपने युद्धक जहाज आईएनएस चेन्नई को रवाना किया। आईएनएस चेन्नई मेरीटाइम सिक्योरिटी के लिए ही अरब सागर में तैनात है। साथ ही शुक्रवार सुबह नौसेना के एयरक्राफ्ट्स ने भी अगवा जहाज के ऊपर से उड़ान भरी। नौसेना ने जहाज से संपर्क साधा और क्रू सदस्यों के सुरक्षा का हाल जाना। नौसेना क्षेत्र में मौजूद अन्य सहयोगी देशों और एजेंसियों के साथ हालात पर करीब से नजर बनाए हुए है।

अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर बढ़े हमले

उल्लेखनीय है कि सोमालिया हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर स्थित है, जिसके एक तरफ भारतीय महासागर और दूसरी तरफ अदन की खाड़ी है।

अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट भी सोमालिया के नजदीक से गुजरता है। यही वजह है कि सोमालिया के नजदीक समुद्री लुटेरों का खतरा रहता है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि इस जहाज को समुद्री लुटेरों ने कब्जाया है या फिर किसी अन्य संगठन ने। गौरतलब है कि इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से लाल सागर और अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर हमले शुरू हो गए हैं।

हूती विद्रोही बना रहे व्यापारिक जहाजों को निशाना

खासकर लाल सागर में ईरान समर्थित हूती विद्रोही लगातार व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। बीते करीब एक महीने में हूती विद्रोही करीब 25 बार व्यापारिक जहाजों पर हमले कर चुके हैं। दरअसल फलस्तीन के समर्थन में हूती विद्रोही इन हमलों को अंजाम दे रहे हैं। साथ ही समुद्री लुटेरों का खतरा बना ही हुआ है। बीते दिनों भी अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज को अगवा किया गया था। इसके बाद अमेरिका, भारत समेत कई देशों की नौसेनाएं अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट की सुरक्षा कर रही हैं। भारतीय नौसेना ने अरब सागर और लाल सागर में अपने पांच युद्धक जहाज भी तैनात कर दिए हैं।

चीन की सीमा के अंदर पहुंची म्यांमार की लड़ाई

ड्रैगन के इलाके में बरसे तोप के गोले, कर्मों की भुगत रहा सजा?

रंगून, 5 जनवरी (एजेंसियां)। म्यांमार के अंदर चल रहा गृहयुद्ध अब एक बार फिर से चीन की सीमा के अंदर दाखिल हो गया है। चीनी सोशल मीडिया में इस सप्ताह कई ऐसे वीडियो वायरल हुए हैं जिनमें दिखाया जा रहा है कि म्यांमार की सीमा के अंदर तोप के गोले दागे गए हैं। ये गोले चीनी इलाके में गिरे जिससे वहां काफी नुकसान हुआ है। साथ ही 5 चीनी नागरिक घायल हो गए हैं। चीन के इस कस्बे से सटे म्यांमार के इलाके में जोरदार लड़ाई चल रही है। म्यांमार में सेना के खिलाफ विद्रोही लगातार भीषण हमले कर रहे हैं और उन्होंने देश के काफी इलाके पर कब्जा कर लिया है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि चीन जहां म्यांमार की सेना को हथियार दे रहा है, वहीं विद्रोही भी चीन से हथियार हासिल कर रहे हैं। चीन का यह डबलक्रॉस अब उसी को भारी पड़ रहा है। हाल ही में म्यांमार में विद्रोहियों की नेता आंग सांग सू ची की पार्टी ने चीन को भरोसा दिया था कि म्यांमार में उसके हितों या निवेश को कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि चीन के नानसान कस्बे में अब म्यांमार की ओर से दागे गए तोप के गोले गिरे हैं जिससे 5 चीनी नागरिक घायल हो गए हैं। नानसान कस्बा चीन के यूनान प्रांत में आता है जो म्यांमार से बिल्कुल सटा हुआ है। एक वीडियो में नजर आ रहा है कि तोप के गोले गिरने से कई कारों को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोग घायलों का इलाज करते देखे गए। इन विस्फोटों से काफी मलबा भी जमा हो गया। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सभी 5 घायलों को एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया। उनकी हालत कैसी है, यह नहीं बताया गया है। इस घटना के बाद चीन की सरकार बुरी तरह से भड़क गई है। गुरुवार को चीन की सरकार ने म्यांमार में युद्धरत पक्षों से मांग की कि वे तत्काल सीजफायर करें। साथ चीनी नागरिकों को इन हमलों से सुरक्षित रखा जाए। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने इसका कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इससे पहले पिछले चीन ने ऐलान किया था कि वह म्यांमार की सरकार और विद्रोहियों के बीच लड़ाई में मध्यस्थता कर रही है। इससे पहले चीन की सेना ने सीमा पर बड़े पैमाने पर अभ्यास किया था और घातक तोपें तैनात कर दी थीं। म्यांमार के अंदर चीन विद्रोहियों की भी मदद कर रहा है ताकि वह चीन से सटे इलाके में चलने वाले अवैध जुए के नेटवर्क को खत्म कर सके।

हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले

गाजा में 16 लोग मारे गए, इनमें इस्लामिक जिहाद का कमांडर शामिल

तेल अवीव, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हमास के बाद अब इजराइल डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह पर जबरदस्त हमले शुरू कर दिए हैं। आईडीएफ के मुताबिक- गाजा में गुरुवार को अलग-अलग हमलों में 16 लोग मारे गए हैं। इनमें इस्लामिक जिहाद का कमांडर महमूद शामिल है।

इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 2024 की पहली विदेश यात्रा के तहत मिडिल ईस्ट जा रहे हैं। माना जा रहा है कि ब्लिंकन खाड़ी देशों के दौरे के बाद इजराइल भी जाएंगे।

लेबनान में हमले तेज

आईडीएफ की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक- अब हमास की तरह ही हिजबुल्लाह को भी संभाला जाएगा। इसकी वजह यह है कि साउथ लेबनान की तरफ से इजराइल पर हमले न सिर्फ तेज हो गए थे, बल्कि इनमें ईरान में बने हथियारों का इस्तेमाल भी हो रहा था। हिजबुल्लाह की कोशिश इजराइल की सेना को दो मोर्चों पर एक साथ उलझाना था। अब इसका जवाब उसी तरह दिया जा रहा है, जैसा गाजा में दिया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजराइल ने अब लेबनान पर एयरस्ट्राइक की नई स्ट्रैटेजी अपनाई है। इसके तहत लेबनान को हिजबुल्लाह के ठिकाने खुद तबाह करने को कहा जा रहा है और उस पर दबाव डाला जा रहा है। दूसरी तरफ, लेबनान की तरफ से अब तक हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमलों को लेकर किसी तरह का बयान जारी नहीं किया गया है।

गाजा में इस्लामिक जिहाद का कमांडर ढेर

आईडीएफ ने कहा है कि गुरुवार को गाजा पर एयरस्ट्राइक में इस्लामिक जिहाद का कमांडर महमूद मारा गया। अब तक इस्लामिक जिहाद की तरफ से इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, आईडीएफ और लोकल इंटेलिजेंस एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महमूद के साथ हमास के कुछ कमांडर भी मौजूद थे। हालांकि, इनमें से किसी भी संगठन ने इस हमले और महमूद के मारे जाने के बारे में कुछ नहीं कहा है।

'यरूशलम पोस्ट' के मुताबिक- महमूद ने इजराइल को फिदायीन हमलों की धमकी दी थी। आईडीएफ ने भी कहा है कि महमूद हमास और इस्लामिक जिहाद के लिए स्ट्रैटेजी और एग्जीक्यूशन का मास्टरमाइंड था। गाजा में इजराइली सेना पर हालिया हमलों के पीछे महमूद को ही अहम चेहरा माना जाता था।

न्यूजीलैंड की सबसे कम उम्र की सांसद का वीडियो वायरल

माओरी भाषा में दिए भाषण को देख लोग हुए हैरान

हंटली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की 21 वर्ष सांसद हाना राविती माईपी क्लार्क का माओरी भाषा में दिया गया भाषण सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा हैं। गौरतलब हैं कि न्यूजीलैंड की सबसे कम उम्र की सांसद हैं। पिछले वर्ष अक्तूबर में देश के सबसे वरिष्ठ सांसदों में से एक नानैया महुता को हराकर वह संसद के लिए चुनी गई थी। 21 वर्षीय माईपी क्लार्क माओरी के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठा रही हैं। माईपी क्लार्क ने पिछले महीने दिए गए भाषण में अपने मतदाताओं से एक वादा किया था। उन्होंने कहा था कि मेरी जिंदगी आप लोगों के लिए समर्पित हैं। 21 वर्षीय सांसद ऑकलैंड और हैमिल्टन के बीच एक छोटे से शहर हंटली से है, जहां वह एक माओरी सामुदायिक उद्यान चलाती है, जो बच्चों को समुदाय के चंद्र कैलेंडर के मुताबिक बागवानी के बारे में शिक्षित करता है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि मैं खुद को राजनेता के तौर पर नहीं बल्कि माओरी भाषा के संरक्षक के रूप में देखती हैं। उनका मानना है कि माओरी की नई पीढ़ी की आवाज को सुनने की जरूरत हैं।

अमेरिका में फिर से हिंदू मंदिर पर हमला

कैलिफोर्निया में पूजा स्थल पर लिखे खालिस्तान समर्थक नारे

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक बार फिर से हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया है। कैलिफोर्निया स्थित हिंदू मंदिर पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गौरतलब है कि हाल ही में कैलिफोर्निया के स्वामी नारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था और उस दौरान भी मंदिर पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए थे। कनाडा में भी हाल के समय में कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया है।

कई हिंदू मंदिरों को बनाया गया है निशाना

ताजा मामले में कैलिफोर्निया के बे एरिया में स्थित हिंदू मंदिर 'शेरावाली मंदिर' पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। कुछ ही दिन पहले कैलिफोर्निया के शिव दुर्गा मंदिर में चोरी की घटना हुई थी। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन मंदिर समिति से जुड़े लोगों के संपर्क में है। घटना की पुलिस में शिकायत की गई है। कैलिफोर्निया के स्वामी नारायण मंदिर पर हमले की अमेरिका के विदेश विभाग ने निंदा की थी। बयान में कहा गया था कि 'हम कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर श्री स्वामीनारायण मंदिर पर हमले की निंदा करते हैं। साथ ही हम नेवार्क पुलिस विभाग द्वारा दोषियों को जवाबदेय ठहराने की कोशिशों की भी तारीफ करते हैं।'

भारत सरकार ने भी जताई नाराजगी

कैलिफोर्निया में दोनों मंदिरों पर हुए हमले के पीछे खालिस्तान समर्थकों का हाथ माना जा रहा है। भारत ने भी विदेशों में हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों की निंदा की। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमलों और भारत विरोधी नारे लिखने की घटनाओं पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि कट्टरपंथी और भारत विरोधी तत्वों को भारत से बाहर छूट नहीं मिलनी चाहिए।

भारत के अमेरिका में राजदूत ने भी इन घटनाओं को लेकर अमेरिका सरकार के सामने शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल अभी तक दोनों मामलों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि हाल के समय में भारत के बाहर हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने का चलन बढ़ा है। कनाडा में भी कई हिंदू मंदिरों को ऐसे ही निशाना बनाया गया है।

बांग्लादेश का चुनाव बना वन वुमन शो

विपक्ष कैद, हसीना समर्थक ही आपस में लड़ रहे, जीते कोई भी, सत्ता इन्हीं की

ढाका, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सियासत के उन्मादी माहौल के लिए बदनाम बांग्लादेश के चुनाव में हिंसा की चर्चा बेशक कम है, लेकिन लोकतंत्र खामोश है। या यूं कहें कि खामोश कर दिया गया है। वजह कई हैं, लेकिन पहले बात करते हैं- सरकारी दमन की।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और सहयोगी दलों के 28 हजार नेता-कार्यकर्ता 3 महीने में जेलों में ठूंस दिए गए हैं। बीएनपी समेत 14 पार्टियों ने यह कहते हुए चुनाव का बहिष्कार कर रखा है कि पहले केयरटेकर सरकार बने। ठीक वैसे ही, जैसे 1996 में शेख हसीना केयरटेकर सरकार न बनाने पर चुनाव से हट गई थीं। हालांकि इस बार पीएम शेख हसीना ऐसा नहीं चाहतीं।

दूसरी ओर, बीएनपी अब वोटिंग ही नहीं होने देना चाहती। लोग 7 जनवरी को वोट न डालें, इसके लिए कैंपेन चल रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ढाका के सियासी गलियारे से यह 'ओपन सीक्रेट' बाहर आने लगा है कि चुनाव जैसा दिखने वाला यह 'चुनाव' 76 साल की पीएम हसीना का चेसबोर्ड है। यहां दोनों तरफ मोहरे भी उनके हैं। अब समझते हैं कि यह चुनाव 'वन वुमन शो' कैसे बन गया है? कुल 300 सीटें हैं। 2018 में 290 सीटें 3 पार्टियों ने जीती थीं- अवामी लीग, बीएनपी और जातीयो पार्टी (जापा)। बीएनपी इस बार नहीं लड़ रही। सत्ताधारी अवामी लीग 298 सीटों पर लड़ रही है। उसके ही 185 नेता बतौर आजाद उम्मीदवार मैदान में हैं। एक अवामी लीग नेता ने बताया कि 90 सीटों पर ये उम्मीदवार भारी हैं। ये खुद को हसीना का वफादार बताते हैं। ऐसे में लोग मानने लगे हैं कि जीते कोई भी, सत्ता का कंट्रोल हसीना के पास ही रहेगा क्योंकि करीब 220 सीटों पर पहले, दूसरे, तीसरे नंबर का कैंडिडेट हसीना समर्थक ही है।

अमेरिका के स्कूल में फायरिंग, 1 बच्चे की मौत

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के आयोवा में एक स्कूल में 17 साल के बच्चे ने फायरिंग की। इस घटना में एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हमले का आरोपी भी मृत पाया गया है। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार की सुबह करीब 7:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) यह घटना हुई। पब्लिक सेफ्टी डिविजन के अधिकारी मिच मोर्टवेट का कहना है कि पेरी स्कूल के प्रिंसिपल को भी गोली लगी है। एक पीड़ित की हालत गंभीर है, जबकि अन्य चार की हालत स्थिर है।

लोग चिल्लाए बाहर भागो

15 साल का जेंडर शेली हॉलवे में स्कूल का दिन शुरू होने का इंतजार कर रहा था, तभी उसने गोलियों की आवाज सुनी और कक्षा में भाग गया। उसके पिता केविन शेली के मुताबिक, सुबह 7:36 बजे उसने मुझे संदेश भेजा। तब वह कक्षा में छिपा था।

18 साल की रशेल कैरेस, सुबह 8:37 बजे जैज़ बैंड अभ्यास समाप्त कर रही थी। उसने अभी अपनी घड़ी देखी थी, जब उसने और उसके बैंडमेट्स ने चार गोलियों की आवाज सुनी।

अमेरिका की आबादी 33 करोड़ और यहां 40 करोड़ गन

नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे यानी एसएएस की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलयन बंदूक मौजूद हैं। दुनिया की आबादी में अमेरिका का हिस्सा 5% है, लेकिन दुनिया की कुल सिविलियन गन में से 46% अकेले अमेरिका में हैं।

अक्टूबर 2020 के गैलप सर्वे के मुताबिक, 44% अमेरिकी वयस्क उस घर में रहते हैं, जहां बंदूकें हैं। इनमें से एक तिहाई वयस्कों के पास बंदूकें हैं। 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 63 हजार लाइसेंस्ड गन डीलर थे, जिन्होंने उस साल अमेरिकी नागरिकों को 83 हजार करोड़ रुपए की बंदूकें बेची थीं।

अमेरिका 231 साल बाद भी अपने गन कल्चर को खत्म नहीं कर पाया है। इसकी दो वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं।

मंत्रियों के विभागों का बंटवारा

सीएम शर्मा के पास गृह, दीया को मिला वित्त विभाग बैरवा को परिवहन

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल के अनुमोदन के बाद राजस्थान की बीजेपी सरकार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने सभी मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। शुक्रवार शाम सभी मंत्रियों को विभागों के बंटवारे की अधिकारिक सूची जारी कर दी गई गई है। लिस्ट में देखिए किसको कौन से विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

भजनलाल शर्मा गृह और आबकारी | दीया कुमारी वित्त और पर्यटन | डॉ. प्रेमचंद बैरवा उच्च शिक्षा और परिवहन | किरोड़ीलाल मीणा ग्रामीण विकास और कृषि

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कार्मिक विभाग आबकारी विभाग गृह विभाग योजना विभाग सामान्य प्रशासन विभाग नीति निर्धारण प्रकोष्ठ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का प्रभार दिया गया है। वहीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को वित्त विभाग पर्यटन विभाग एवं पुरातत्व विभाग सार्वजनिक निर्माण विभाग महिला एवं बाल विकास अधिकारिता विभाग बाल अधिकारिता विभाग का प्रभार दिया गया है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को तकनीकी शिक्षा विभाग उच्च शिक्षा विभाग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा होम्योपैथी होम्योपैथी विभाग एवं परिवहन विभाग का प्रभाव दिया गया है।

किरोड़ी लाल मीणा को एवं उद्यान की विभाग ग्रामीण विकास विभाग, जन अभियोग निराकरण विभाग का प्रभार दिया गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभार दिया गया है। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को उद्योग एवं वाणिज्य विभाग सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग और खेल विभाग कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग एवं सैनिक कल्याण विभाग दिया गया है। मदन दिलावर को विद्यालय शिक्षा विभाग पंचायती राज विभाग संस्कृत शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जल संसाधन विभाग सुरेश सिंह रावत को

कन्हैयालाल को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग भूजल विभाग दिया गया है। जोगाराम पटेल को संसदीय कार्य विभाग विधि एवं विधिक कार्य विभाग और विधि परामर्श कार्यालय और न्याय विभाग का प्रभार दिया गया है। सुरेश सिंह रावत को जल संसाधन विभाग जल संसाधन योजना विभाग दिया गया है। अविनाश गहलोत को सामाजिक न्यायकर्ता सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग दिया गया है। सुमित गोदारा को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग दिया गया है।

इसके साथ उपभोक्ता मामला विभाग भी इनके पास ही रहेगा। वहीं, जोराराम कुमावत को पशुपालन एवं डेयरी विभाग, गोपालन विभाग एवं देवस्थान विभाग दिया गया है। बाबूलाल खराड़ी को जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग दिया गया है एवं गृह रक्षा विभाग भी इन्हीं के पास रहेगा।

जयपुर के बिजनेसमैन को हत्या की धमकी

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एक बिजनेसमैन को हत्या करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। कारों में तोड़फोड़ कर बिजनेसमैन को बदमाशों ने धमकाया- आनंदपाल गैंग के आदमी है, तेरे को जिंदा नहीं छोड़ेंगे। मुरलीपुरा थाने में पीड़ित बिजनेसमैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। हेड कॉन्स्टेबल हेमसिंह ने बताया- मुरलीपुरा निवासी 53 वर्षीय बिजनेसमैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। 19 नवम्बर को घर पर जितेंद्र सिंह नाम का लड़का गाली-गलौज करके गया था।

जाते समय जान से मारने की धमकी भी देकर गया। बिजनेसमैन होने के कारण डर के कारण शांत रहा। 8 दिसम्बर को उनके बेटे की शादी में 5 लड़के आए थे। सिक्योरिटी को देखकर वापस वहां से भाग गए थे। 27 दिसम्बर को उनकी एसक्रॉस गाड़ी को बुरी तरह तोड़फोड़ कर भाग गए। 1 जनवरी को मारुति ग्रैंड विटारा गाड़ी को तोड़ दी।

आइरा खान की रॉयल शादी के लिए उदयपुर में बुक हुए 176 कमरे

आमिर खान ने मेहमानों के लिए बनाया खास नियम

उदयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में रॉयल वेडिंग के लिए फेमस लेक सिटी उदयपुर एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल आमिर खान की बेटी आइरा खान डेस्टिनेशन वेडिंग कर रही हैं। आइरा ने 3 जनवरी को मंगेतर नूपुर शिखरे के साथ रजिस्टर्ड मैरिज की थी, और अब 8 जनवरी को उदयपुर में शादी करेंगी। शादी की सभी रस्में उदयपुर में होटल ताज अरावली में होंगी। वहीं बाद में मुंबई में रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा।

पहले तो जान लीजिए कि आइरा खान और नूपुर शिखरे ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में अपनी शादी रजिस्टर करवाई थी। शादी के लिए नूपुर शिखरे दौड़ते हुए वेडिंग वेन्यू तक पहुंचे थे। साथ में बारात भी दौड़ते हुए ही पहुंची थी। रजिस्टर्ड मैरिज के लिए जहां आइरा ने जहां चप्पल और हैरम पैंट पहनी थी, वहीं नूपुर शिखरे ने शॉर्ट्स और बनियान पहनी। वहीं आमिर खान शेरवानी में नजर आए थे। इस रजिस्टर्ड मैरिज में मुकेश अंबानी और परिवार भी शामिल हुआ था।

8 जनवरी को उदयपुर के ताज अरावली होटल में शादी

अब 8 जनवरी को उदयपुर के ताज अरावली होटल में आइरा और नूपुर की शादी होगी। 7 जनवरी से मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। सारे फंक्शन 10 जनवरी तक चलेंगे। उधर, सारी तैयारियां देखने और पूरी व्यवस्था के लिए आमिर खान 5 जनवरी को उदयपुर पहुंचेंगे। आमिर ने बेटी आइरा की इस रॉयल शादी के लिए होटल ताज अरावली में 176 कमरे बुक किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, इस शादी में कई हाई प्रोफाइल लोग हिस्सा लेंगे। संभावना है कि शादी में करीब 250 मेहमान शामिल हो सकते हैं। पिछले काफी दिनों से आमिर खान की बेटी आइरा खान की शादी की चर्चा चल रही थी।

दो दिन में बिल पास नहीं होने का हवाला देकर पेमेंट सिस्टम को सेंट्रलाइज किया

अब 6 महीने से अटके बिल

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी भुगतान की प्रक्रिया में गबन और फर्जीवाड़े के जो मामले सामने आ रहे हैं, इसकी चेतावनी सीएजी ने डेढ़ साल पहले ही सरकार को दे दी थी। वित्त विभाग ने सीएजी की चेतावनी और आपत्तियों को अनसुना कर महज एक सॉफ्टवेयर के जरिए राजस्थान की समस्त भुगतान प्रणाली को सेंट्रलाइज कर लिया। संवैधानिक प्रावधान कहते हैं कि किसी नियम में संशोधन किया जाना है तो पहले एक्ट फिर नियम और अंत में प्रक्रिया में बदलाव होता है। वित्त विभाग के अफसरों ने भुगतान को केंद्रीकृत करने के लिए सीधे प्रक्रिया ही बदल डाली। इसके लिए ई- सीलिंग सॉफ्टवेयर बनाकर भुगतान करने शुरू कर दिए गए, जबकि ट्रेजरी के नियमों और प्रक्रिया में इसका उल्लेख कहीं भी नहीं है। ई-सीलिंग मॉड्यूल का इस तरह से उपयोग पूरी तरह अवैध है। भुगतान प्रणाली को सेंट्रलाइज करने का कारण बताते हुए एजी को यह तक लिख दिया कि सरकार में ट्रेजरी ऑफिस बिना कारण के बिलों के भुगतान अटकाते हैं। इसके साथ ही बिना नियम संशोधन के यह प्रावधान कर दिया कि ट्रेजरी में 2 दिन बिल पेंडिंग रहता है तो तीसरे दिन यह ऑटो पेमेंट में चला जाएगा।

धौलपुर-बांसवाड़ा से गुजरेगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

मार्च में होगी राजस्थान में एंट्री; 128 किमी का रूट

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' राजस्थान के दो जिलों से होकर गुजरेगी। यात्रा के रूट मैप के अनुसार इसमें धौलपुर और बांसवाड़ा जिले कवर होंगे। दोनों जिलों में 128 किलोमीटर का सफर तय होगा। यात्रा दो फेज में राजस्थान से होकर गुजरेगी। पहले फेज में उत्तर प्रदेश से धौलपुर जिले में आकर ग्वालियर के लिए निकलेगी और फिर मध्यप्रदेश में चलेगी। मध्यप्रदेश के बाद यात्रा बांसवाड़ा जिले से फिर राजस्थान में एंट्री करेगी। बांसवाड़ा से यात्रा गुजरात में प्रवेश करेगी।

राजस्थान में मार्च के आसपास यात्रा की एंट्री होगी। इस बार हाइब्रिड मोड अपनाया गया है, जिसमें केवल शहरों और चुनिंदा जगहों पर ही राहुल गांधी पैदल चलेंगे। बाकी यात्रा बस से पूरी होगी। धौलपुर और बांसवाड़ा में चुनिंदा जगहों पर राहुल गांधी पैदल चलेंगे और कुछ सभाओं को संबोधित करेंगे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 5 से 20 दिसंबर 2022 तक राजस्थान में रही थी।

लोकसभा चुनाव से पहले राहुल की यात्रा पर निगाह

राहुल की यात्रा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रही है। राजस्थान में इस यात्रा में दो लोकसभा सीट कवर होंगी। कांग्रेस का दावा है कि यात्रा से इन लोकसभा सीट पर फायदा होगा। पार्टी के वर्कर की एकजुट होकर चुनाव में उतरने की संभावना बढ़ेगी। बांसवाड़ा इलाके से राहुल गांधी की यात्रा निकलेगी, वहां भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) का प्रभाव है। बीएपी ने इस इलाके में कांग्रेस और बीजेपी के समीकरण बिगाड़ दिए हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के रूट पर विधानसभा चुनाव में सिर्फ 8 सीट मिली

राजस्थान में राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के रूट पर विधानसभा चुनाव-2023 में कांग्रेस की सीटें पहले से कम हो गईं। राहुल की यात्रा के रूट में कुल 19 में से केवल 8 सीट कांग्रेस को मिली। जबकि 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 13 सीट जीती थीं। यात्रा वाले रूट पर कांग्रेस को 5 सीट का नुकसान हुआ है। यात्रा कोटा की 5, झालावाड़, टोंक व बूंदी की 1-1, दौसा की 4, सवाई माधोपुर की 3 और अलवर की 4 सीटों से होकर गुजरी थी।

14 जनवरी से शुरू होगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा

राहुल गांधी 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। यह यात्रा 14 राज्य और 85 जिलों को कवर करेगी। इस दौरान राहुल पैदल और बस से 6 हजार 200 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करेंगे।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड 11 जिलों में अलर्ट

मैदानी एरिया में ओस बर्फ बनी; अलवर में 10 और अजमेर में 13 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवा ने राजस्थान के कई शहरों में लोगों की धूजणी छूटा दी। सीकर, जयपुर, अलवर, भरतपुर, चूरू समेत कई जिलों में दिन-रात का तापमान सामान्य से नीचे आ गया। घने कोहरे के कारण इन शहरों में दिन में भी ठिठुरन रहने लगी है। राजस्थान में आज सबसे सर्द रात हिल स्टेशन माउंट आबू में रही, जहां तापमान माइनस 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ये इस सीजन का आबू का सबसे कम तापमान रहा है। कल यहां तापमान शून्य पर था। आबू में आज मौसम साफ है, जिसके कारण यहां तापमान माइनस में चला गया। इससे यहां गाड़ियों, पेड़-पौधों और खुले मैदानों पर ओंस की बूंदें जमकर बर्फ बन गई। मौसम केन्द्र जयपुर ने आज भी 11 जिलों में सीवियर कोल्ड की कंडीशन बने रहने की संभावना जताते हुए इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

माउंट आबू के अलावा आज जोधपुर, बीकानेर, अजमेर और उदयपुर में भी सीजन की सबसे सर्द रात रही। बीकानेर में आज न्यूनतम तापमान 2.8, जोधपुर में 7.6, उदयपुर में 6.8 और अजमेर में 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। उदयपुर, अजमेर, बीकानेर आज भी कोहरे की जद में रहे। उधर जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग के भी सभी जिले कोहरे से प्रभावित रहे। ठंड को देखते हुए स्कूलों में आठवीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स की सर्दी की छुट्टी अलवर में 10 जनवरी और अजमेर में 13 जनवरी तक बढ़ा दी गई हैं। वहीं, जयपुर में 16 और सीकर में 15 जनवरी को स्कूल खुलेंगे। इन दोनों जिलों में छुट्टी बढ़ाने के आदेश कल ही जारी कर दिए थे।

ब्रेन डेड हो चुके व्यक्ति का परिजनों ने किया अंगदान ऑर्गन ट्रांसप्लांट ने बचाई 2 लोगों की जान

धौलपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अंगदान से बड़ा कोई दान नहीं होता। सड़क हादसे में घायल धौलपुर के अजीत पाल का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार चल रहा था। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर अस्पताल के चिकित्सकों ने हाथ खड़े कर दिए। ब्रेन डेड होने के कारण उसके बचने की कोई संभावना नहीं थी। ऐसे में चिकित्सकों ने उसके परिजनों को अजीत के अंगदान के लिए प्रेरित किया।

परिजनों के सहमत होने पर अजीत की एक किडनी SMS में ही एक मरीज को लगाई गई। दूसरी किडनी और लीवर जयपुर में ही संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज को लगाई गई। दिल का रिसीवर राजस्थान में नहीं होने के कारण वो डोनेट नहीं किया जा सका। एमएसएस हॉस्पिटल के नोडल ऑफिसर, ऑर्गन ट्रांसप्लांट डॉ. देवेंद्र पुरोहित ने बताया अजीत पाल का 24 दिसंबर को एक्सीडेंट हो गया था। दुर्घटना में गंभीर घायल हो जाने पर उसे एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर रैफर किया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डैड घोषित कर दिया। डॉ. पुरोहित ने बताया कि डॉक्टरों और ट्रांसप्लांट कोर्डिनेटर्स की समझाइश के बाद अजीत पाल के परिजनों ने अंगदान की सहमति दे दी।

स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन राजस्थान की ओर से अंगों का आवंटन किया गया। इसमें अजीत पाल की एक किडनी एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज को दान की गई, जबकि दूसरी किडनी और लीवर संतोकबा दुर्लभजी में भर्ती एक ही मरीज को दान करके लगाई गई। उन्होंने बताया कि ये दूसरा केस है, जब एक ही मरीज को मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट किया गया है। इससे पहले सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी में एक मरीज को एक साथ दो अंग प्रत्यारोपित किए गए थे। उन्होंने बताया कि दिल को भी डोनेट करना था, लेकिन प्रदेश में कोई इस ग्रुप का रिसीवर नहीं मिला।

बदमाश भाइयों को पकड़ने गई पुलिस पर लाठी-डंडों से हमला

कई पुलिसकर्मी हुए चोटिल; एक को दबोच लाई टीम

भरतपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। डीग जिले के कामां थाना इलाके में आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस पर आरोपी के परिजनों और ग्रामीणों ने लाठी, डंडे, पत्थरों से हमला कर दिया। घटना में पुलिसकर्मियों के मामूली चोटें आई हैं। पुलिस हमले के बावजूद एक आरोपी को पकड़ने में कामयाब रही। सीओ देशराज कुलदीप ने बताया- अलताफ नाम का आरोपी जुरहरा थाने से वांछित था। आरोपी के ऊपर पुलिस से आरोपी को छुड़ाने की कोशिश का मुकदमा था।

जो कई दिनों से फरार चल रहा था। इसका भाई इरफान कामां थाने में एसटीएससी मुकदमे में वांछित चल रहा था। जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस ने टायरा गांव में गई। जब पुलिस आरोपियों को पकड़कर लेकर आ रही थी तो आरोपियों के परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थर, लाठी, डंडों से हमला कर दिया। घटना में कई पुलिस कर्मियों के मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने इरफान को गिरफ्तार कर लिया और उसे थाने ले आई। घटना के बाद टायरा गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात कर दिया गया है। पुलिस पर जिन लोगों ने हमला किया था उनकी तलाश की जा रही है। फिलहाल आरोपी मौके से फरार हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए दौसा के महंत अमरदास को मिला आमंत्रण

दौसा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राम जन्मभूमि अयोध्या में 22 जनवरी को मर्यादा पुरषोत्तम रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए दौसा राम मंदिर के महंत अमर दास महाराज को आमंत्रण पत्र सौंपा गया। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने अमरदास महाराज को निमंत्रण पत्र के साथ पूजित अक्षत देकर श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पहुंचने का आग्रह किया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष प्यारे लाल मीणा, विभाग प्रचारक मुकेश कुमार, जिला संघचालक भगवान सहाय, विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री परमानंद शर्मा, नरेन्द्र जोशी आदि मौजूद रहे। बता दें कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए देश के प्रमुख संतों व महंतों को निमंत्रण पत्र भेजे गए हैं।

इधर दौसा में घर-घर अक्षत वितरण का कार्य चल रहा है। इस काम में सभी राम भक्त व विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। पीले चावल बांटने के लिए राम भक्त शहर के हर वार्ड व हर मोहल्ले में निकले हैं। दौसा नगर को 15 बस्तियों में विभाजित कर अक्षत, पत्रक, रामजी का चित्र घर-घर पहुंचा रहे हैं। श्रीराम मंदिर जनसंपर्क अभियान के कार्यकर्ता व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक निमंत्रण पत्र व पीले चावलों के वितरण में मुख्य योगदान दे रहे हैं। इस काम में जिले के 950 कार सेवक भी जुटे हुए हैं। इन राम भक्तों का 7 जनवरी तक प्रत्येक घर तक अक्षत पहुंचाने का लक्ष्य है। 7 जनवरी को मोटर साइकिल रैली निकाल कर जनजागरण किया जाएगा।

श्रीराम प्रतिष्ठा आनंद उत्सव समिति के संयोजक रोहित डंगायच ने बताया कि 21 जनवरी को कलश एवं ध्वज यात्रा निकाली जाएगी। 22 जनवरी को श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में दौसा शहर के हर मंदिर में एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। जहां सुबह 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लाइव दिखाया जाएगा।

कार्रवाई नहीं होने पर दुष्कर्म पीड़िता और पिता ने टंकी पर चढ़कर दी आत्मदाह करने की चेतावनी

दौसा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। युवती से दुष्कर्म के बाद आरोपियों से प्रताड़ित भाई द्वारा आत्महत्या करने के मामले में कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता व उसके पिता बडियाल कलां गांव में पानी की टंकी पर चढ गए। टंकी पर चढ़कर दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। हाथ में पेट्रोल की बोतल लेकर आत्मदाह की चेतावनी दी। सूचना पर बांदीकुई एसडीएम व पुलिस मौके पर पहुंचे और समझाइश की। दुष्कर्म की घटना के बाद 30 नवम्बर को युवती के भाई ने आत्महत्या कर ली थी।

जयपुर के मूर्तिकार ने राममंदिर के लिए बनाई मूर्ति

अयोध्या में 7 महीने रहकर किया निर्माण; 90 वर्ष पुराने पत्थर पर तराशे श्रीराम को

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। प्राण प्रतिष्ठा के लिए श्रीराम की तीन मूर्तियों का निर्माण किया गया है। इनमें से एक का चयन कर उसे मंदिर में विराजित किया जाएगा। तीन मूर्तियों में से एक का निर्माण जयपुर के मूर्ति मौहल्ले में रहने वाले मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय ने किया है। वह पिछले सात महीनों से अयोध्या में रहकर इस मूर्ति को तैयार कर रहे थे।

उन्होंने बताया- रामलला की मूर्ति को मकराना से निकले एक रेयर सफेद संगमरमर के पत्थर से तैयार किया है। यह करीब 40 साल से उनके पास था और करीब 90 वर्ष पुराना पत्थर है। सत्यनारायण के बेटे पुनीत पांडेय ने बताया कि हमनें कई बार इस पत्थर पर मूर्ति बनाने की कोशिश की, लेकिन विफल रहे। कई बार मशीन खराब हो जाती तो कभी दूसरी समस्या आ जाती। इसके बाद हमनें इस पत्थर को सुरक्षित रख लिया। अब लगता है रामलला की मूर्ति के लिए ही इस पत्थर का उपयोग होना था। पांडेय ने बताया- रामलला की मूर्ति बनाने के लिए

देशभर से कलाकारों को मंदिर प्रबंधन ने बुलाया था, जिसमें से ट्रस्ट के अधिकारियों ने तीन कलाकारों को यह मूर्ति बनाने का जिम्मा दिया। मंदिर प्रबंधन से मिले निर्देशों के आधार पर रामलला की तीन मूर्तियों को तीन अलग-अलग मूर्तिकार तैयार कर रहे हैं। इनमें साउथ से गणेश बट्ट, अरुण योगीराज और जयपुर से सत्यनारायण पांडेय शामिल हैं।

डीजीपी ने इंस्पेक्टर नागेंद्र बाबू को बधाई दी

राजेंद्र नगर पीएस को सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन का पुरस्कार मिलना तेलंगाना के लिए गर्व की बात– रवि गुप्ता

हैदराबाद , 5 जनवरी (स्वतंत्र वाता)। तेलंगाना का राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन देशभर में शीर्ष पर है, इंस्पेक्टर नागेंद्र बाबू को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पुरस्कार मिला। तेलंगाना के लिए बेहद गर्व का क्षण, राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन को वर्ष 2023 के लिए देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला पुलिस स्टेशन घोषित किया गया है। यह घोषणा केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस महानिदेशकों (डीजीएसपी) के चल रहे सम्मेलन में आज जयपुर में की गई है। राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बी. नागेंद्रबाबू ने विभिन्न क्षेत्रों में स्टेशन के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रतिष्ठित ट्रॉफी प्राप्त की।

\ पूरे भारत में 17,000 से अधिक पुलिस स्टेशनों की प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, यह वास्तव में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। केंद्रीय गृह मंत्रालय इन पुरस्कारों को व्यापक मानदंडों पर आधारित करता है, जिसमें अपराध का पता लगाने की दर, जांच की गुणवत्ता, सामुदायिक भागीदारी, बुनियादी ढांचे का रखरखाव और मानवाधिकार दिशानिर्देशों का पालन शामिल है।

तेलंगाना के डीजीपी रविगुप्ता ने शीर्ष सम्मान प्राप्त करने पर इंस्पेक्टर नागेंद्रबाबू को बधाई देते हुए कहा, "यह उपलब्धि राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन की पूरी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।" "समुदाय की सेवा करने और कानून को कायम रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणा है।" चयन प्रक्रिया में अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से कठोर मूल्यांकन शामिल था, जिसमें राजेंद्रनगर के राष्ट्रीय चैंपियन के रूप में उभरने से पहले हजारों में से 75 स्टेशनों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। यह मान्यता न केवल तेलंगाना के लिए बहुत गर्व की बात है बल्कि देश भर के पुलिस स्टेशनों के लिए एक मानक भी स्थापित करती है। राजेंद्रनगर की कहानी इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे प्रभावी पुलिसिंग नागरिकों के जीवन में ठोस बदलाव ला सकती है।

दमरे के जीएम से भागवत ने मुलाकात की

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महेश एम.भागवत अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेलवे और सड़क सुरक्षा, तेलंगाना ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और नए भवनों के निर्माण, रेलवे पुलिस स्टेशनों की मरम्मत/नवीनीकरण के प्रस्तावों पर चर्चा की। पोस्ट और रेलवे संपत्तियों और यात्रियों के नुकसान की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में चर्चा की, उसके बाद भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल और सुश्री सुहासिनी गोतमारे, मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे और अरोमा सिंह ठाकुर, आईजी-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल के बीच समन्वय एवं सहयोग हेतु सिकंदराबाद मुलाकात की।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग 6 क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल 7 को

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता समाज की 24 टीमों के मध्य रविवार 19 नवंबर से अलियाबाद स्थित सीरवी समाज क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। जिसका रविवार 7 जनवरी प्रात: 7.30 बजे से सेमी-फाईनल व फाईनल मैच खेले जाएंगे। तत्पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न समारोह आयोजित किया जाएगा।

जिसमें प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक, समाज के गणमान्य अतिथि एवं समाज बन्धु, खेल प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

सीरवी फ्रेन्डस् क्लब के सुरेश सैंणचा ने बताया कि हर वर्ष की भांति सीरवी समाज प्रीमियर लीग 6 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन 7 जनवरी रविवार सेमी-फाईनल मुकाबले ग्राउंड-बी पर करमनघाट व टीएमजी टाईटेन्स एवं ग्राउंड-ए पर एल.बी.नगर व मेडचल के मध्य खेले जाएंगे। सेमी-फाईनल की विजेता टीमों के मध्य फाईनल मैच खेला जाएगा।

मैच समाप्ति के बाद समापन्न समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विजेता टीमों को परितोषिक वितरण एवं ट्रॉफी दी जाएगी।

प्रतियोगिता के प्रायोजक, सहप्रयोजक, प्रतियोगिता बॉल के स्पोन्सर, ट्रॉफी, एम्पायर प्रायोजक, भोजन की व्यवस्था एवं पधारे सम्मानित अतिथियों का भी विशेष सम्मान किया जाएगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीरवी फ्रेन्डस् क्लब के सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहेगा।

प्रतियोगिता के आयोजकों ने सीरवी समाज बन्धुओं से विशेष निवेदन किया है कि समय पर पधारकर खिलाड़ियों का हौसला बढाते हुए कार्यक्रम में अपना सहयोग व मार्गदर्शन देवे।

विधायक व एसपी ने कबड्डी खिलाड़ियों का किया सम्मान

निर्मल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के लातूर शहर में जिला स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता स्पोर्ट्स अकादमी मैदान में तेलंगाना के बासर मंडल किरगुल (बि) निवासी % वी कक्षा की बालिका ने अपनी टीम को जीता कर 8 प्वाइंट से मैन ऑफ द सीरीज हासिल किया। बालिका मुत्यला मनो रंजनी पिता साईबाबा किर्गुल बि के जेड.पी.एस.एस स्कूल में विद्या ग्रहण करती है जिला स्तरीय कबड्डी में सब को धूल चटाई जिसका मुधोल विधायक पवार रामराव पटेल एएसपी कांतिलाल पाटील ने सम्मान किया । उन्होंने बालिका को बधाई दी और भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहन किया।

ग्रामीणों के साथ कलेक्टर ने की बैठक

निर्मल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधीश आशीष सांगवान ने अतिरिक्त कलेक्टर किशोर कुमार के साथ शुक्रवार को कलक्ट्रेट मीटिंग हॉल में दिलावरपुर मंडल के संबंधित अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ विश्वास बहाली उपायों को लेकर बैठक की। इस अवसर पर ग्रामीणों ने निर्मल जिले के दिलावरपुर मंडल के गुंडम पल्ली में इथेनॉल फैक्ट्री के निर्माण को लेकर कलेक्टर को अपनी समस्याएं और शंकाएं बताई। इस मौके पर जिलाधीश ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि निर्माण को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए वे अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश देंगे और कहा कि कानून का उल्लंघन कर कोई घटना नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में दिलावरपुर मंडल के संबंधित अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया।

यदाद्रि मंदिर की आय रिकॉर्ड स्तर पर

हैदराबाद,5जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्रि लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी के दर्शन के लिए भक्त बड़ी संख्या में आ रहे हैं। मंदिर के पुनर्निर्माण के बाद दिन-ब-दिन भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है। कहना होगा कि यादाद्रि न केवल आध्यात्मिक स्थल बल्कि पर्यटन स्थल भी बन गया है। सप्ताहांत में तेलंगाना से लाखों लोग यदाद्री पहुंच रहे हैं।जहां कुछ लोग नए मंदिर को देखने आते हैं, वहीं अन्य लोग लक्ष्मीनरसिम्हास्वामी के समक्ष मन्नत पूरा करने आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में यदाद्रि मंदिर में आने वाले भक्तों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे हुंडी की आय में भी काफी वृद्धि हुई है.। मंदिर के अधिकारियों का कहना है कि यदाद्री को पिछले अट्ठाईस दिनों में रिकॉर्ड मात्रा में राजस्व प्राप्त हुआ है।

दिसंबर महीने में कार्तिक महीने की समाप्ति के अवसर पर 1 जनवरी को नए साल का जश्न मनाने के लिए हजारों भक्त मंदिर में आए और भगवान के दर्शन किए। इस पृष्ठभूमि में, यदाद्रि मंदिर की हुंडियों से 3.15 करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड राजस्व एकत्र किया गया है। पिछले 28 दिनों से भक्तों द्वारा चढ़ाए गए नकदी और आभूषणों के उपहार गुरुवार को पहाड़ी के नीचे आध्यात्मिक गांव में श्री सत्यनारायण स्वामी के व्रत मंडपम में गिने गए। इवो रामकृष्ण राव ने बताया कि 3,15,05,035 रुपये नकद, आभूषण के रूप में 100 ग्राम सोना और 4,250 ग्राम चांदी मिली। कहा जाता है कि संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर, नेपाल, कतर, थाईलैंड, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन, सऊदी अरब, ओमान और मलेशिया की मुद्रा भी हुंडियों के माध्यम से मिली। इवो ने खुलासा किया कि पहले नकद आय 2.5 करोड़ रुपये थी और इस बार 3.15 करोड़ रुपये है।

नए उच्च न्यायालय के लिए 100 एकड़ जमीन आवंटित

हैदराबाद,5 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को एक नए उच्च न्यायालय परिसर के निर्माण के लिए शहर के राजेंद्रनगर में 100 एकड़ भूमि आवंटित करने का एक जी.ओ. जारी किया।

रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर मंडल, प्रेमावथिपेट और बुडवेल, गांवों में प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) और श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय (एसकेएलटीएसएचयू) की भूमि इस उद्देश्य के लिए आवंटित की गई थी।पूरे मामले की सावधानीपूर्वक जांच के बाद, सरकार रजिस्ट्रार, पीजेटीएसएयू और एसकेएलटीएसएचयू को एसवाई नंबर 40/पी (एसी. 9-04 जीटीएस), 42/पी (एसी) में पीजेटीएसएयू और एसकेएलटीएसएचयू से संबंधित भूमि के आवंटन की अनुमति दी है।

आरडीओ ने संसद चुनाव पर विभिन्न दल के नेताओं के साथ की बैठक

निर्मल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी संसद चुनाव की पृष्ठभूमि में निर्मल आरडीओ रत्ना कल्याणी ने निर्मल विधानसभा की उपस्थिति में आरडीओ कॉन्फ्रेंस हॉल में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ एक बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बैठक में अब तक 9012 नए मतदाताओं का पंजीकरण किया जा चुका है तथा इस माह की 20 एवं 21 तारीख को प्रत्येक मतदान केन्द्र पर विशेष अभियान के तहत मतदान केन्द्र अधिकारियों के निर्देशन में नए मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। बैठक में बीजेपी नेता के. श्रवण रेड्डी, कांग्रेस नेता गज्जुला रवि, टीआरएस नेता रमेश, टीडीपी नेता रमेश और एमआईएम नेता मजहर ने हिस्सा लिया।

प्रत्येक आवेदन की जांच कर उसे ऑनलाइन पंजीकृत करे: कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि जन शासन कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायतों एवं नगर पालिकाओं में आयोजित बैठकों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन की जांच कर विवरण ऑनलाइन दर्ज किया जाए। शुक्रवार को जिला केन्द्र स्थित कलक्ट्रेट भवन सभाकक्ष में अतिरिक्त जिला कलक्टर दीपक तिवारी के साथ डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए आवेदनों को ऑनलाइन दर्ज करने के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि डाटा एंट्री ऑपरेटर 28 दिसम्बर 2023 से इस माह की छह तारीख तक चलने वाले जन शासन कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों की जांच कर आवेदनों की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाइन दर्ज करें तथा सतर्क रहें। पंजीकरण के दौरान कोई गलती किए बिना। उन्होंने कहा कि आवेदक का आधार कार्ड, राशन कार्ड, मोबाइल नंबर सहित आवेदक द्वारा भरी गई जानकारी ही अपलोड की जाए। आवेदन विवरण का ऑनलाइन पंजीकरण पूरा करने के बाद संबंधित आवेदक के मोबाइल नंबर पर एक संदेश भेजा जाएगा, और आवेदन विवरण का ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया इस महीने की 6 से 1% तारीख के बीच पूरी की जानी चाहिए।इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी उमर हुसैन, मंडल परिषद विकास अधिकारी, पंचायत सचिव, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य ने भाग लिया।

अग्रवाल शिक्षा समिति का निःशुल्क चिकित्सा शिविर कल

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति के मानद मंत्री नवीन कुमार अग्रवाल ने सूचित किया है कि शिक्षा समिति एवं रेनोवा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 7 जनवरी को विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति के पदाधिकारी व सदस्य, समिति द्वारा संचालित 13 शिक्षण संस्थानों के सभी प्राचार्य कर्मचारी व उनके पारिवारिक सदस्य सभी विद्यार्थी गण व अन्य कोई भी व्यक्ति इस भव्य चिकित्सा शिविर का लाभ उठा सकते हैं। अग्रवाल शिक्षा समिति विगत लगभग 100 वर्षों से ऐतिहासिक नगर हैदराबाद में समाज के सभी वर्गों के लिए शिक्षा के माध्यम से सामाजिक उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से अपनी अभूतपूर्व सेवाएं प्रदान कर रही है। समिति तर पीढ़ी दर पीढ़ी विद्यार्थियों के उज्जवल सुनहले भविष्य, व्यक्तित्व व आजीविका प्राप्ति के अवसरों के निर्माण का कार्य कर रही है। अपने शतकीय जीवन कल में समिति ने समाज को कुशल उद्योगपति, निपुण व सफल व्यवसाई, चिकित्सक इंजीनियर, अधिवक्ता, कुशल प्रबंधक, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, प्रबुद्ध प्राध्यापक एवं शिक्षक और जागरूक नागरिक दिए हैं। समिति सामाजिक उन्नति और प्रगति के लिए समायोचीत विभिन्न कार्यों के लिए सदैव तत्पर रही है। इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन समिति नगरत्रय में प्रसिद्ध रेनोवा हॉस्पिटल के संयोग से करने से करने जा रही है। इस विशेष शिविर में जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, गायनेकोलॉजी, पीडियाट्रिशियन व कैंसर रोगों के कुशल चिकित्सकों का दल अपनी अभूतपूर्व सेवाएं प्रदान करेंगे। समिति के अध्यक्ष प्रमोद केडिया एवं मानव मंत्री ने सभी को इसका लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

डीएम अमृता को आरटीसी कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

डिपो में आवास की व्यवस्था करने की मांग

भैंसा, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें हर साल भोजन के लिए कंपनी द्वारा दी जाने वाली धनराशि न दी जाए और इसके बदले डिपो में आवास दिया जाए। इस संबंध में शनिवार को डिपो प्रबंधक एम.अमृता के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। कैंटीनों पर धन बर्बाद किए बिना ड्राइवरों, कंडक्टरों और श्रमिकों के लिए विश्राम कक्षों में आवास, नई टिकट मशीनें, मरम्मत कराने, नई मशीनें खरीदने, कंपनी के विकास के लिए काम करने वाले कर्मचारियों को डीए और बकाया वेतनमान देने को कहा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

करण सिंह
माता: नेहा कनवर
पिता: महेंद्र सिंह

टी. जयसिंह
मता: टी. पिंकी बाई
थ्पता: टी. किशोर सिंह

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर में राम मंदिर अक्षत कलश की पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, पदाधिकारी, समाज बन्धु व महिलाएं।

वीविंग सस्टेनेबिलिटी" या बुनाई की स्थिरता- परिवर्तन के एक प्रतीक के रूप उभरा

प्लास्टिक वेस्ट को पर्यावरण-अनुकूल फैशन में परिवर्तन

हैदराबाद, 5 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। वीविंग सस्टेनेबिलिटी" या बुनाई की स्थिरता- परिवर्तन के एक प्रतीक के रूप उभरा है। जो बुनाई की स्थिरता जो प्लास्टिक वेस्ट को पर्यावरण-अनुकूल फैशन में परिवर्तन का सुपरिणाम है।

इस संदर्भ में, फैशन के सूत्रों ने बताया कि, पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रही दुनिया में, अपशिष्ट और प्रदूषण के गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए नवीन पहल उभर रही हैं। " वीविंग सस्टेनेबिलिटी" परिवर्तन के एक प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो फेंके गए प्लास्टिक को पर्यावरण-अनुकूल फैशन में परिवर्तित करके परिवर्तन की कहानी बुनता है। यह अग्रणी परियोजना न केवल टिकाऊ जीवन को अपनाती है बल्कि पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए अप-साइक्लिंग सामग्रियों की क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। प्रश्न है कि क्या हम प्लास्टिक के बिना रह सकते हैं?

इस प्रश्न ने एक परिवर्तनकारी यात्रा को जन्म दिया जिसके कारण बुनाई स्थिरता का निर्माण हुआ। प्लास्टिक के पर्यावरणीय प्रभाव के प्रति गहरी चिंता से प्रेरित होकर, संस्थापक ने प्लास्टिक कचरे को कपड़े में पुन: उपयोग करने, इसे पुन: उपयोग, पुनर्कल्पना और प्लास्टिक के साथ हमारे संबंधों को फिर से बनाने के प्रतीक में बदलने के मिशन पर काम शुरू किया। बदलाव के प्रति वीविंग सस्टेनेबिलिटी की प्रतिबद्धता में एक सावधानीपूर्वक प्रक्रिया शामिल है।

स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्लास्टिक को इकट्ठा किया जाता है, छांटा जाता है और धोया जाता है।

पिघलने की अवस्था को आसान बनाने के लिए इसे टुकड़े-टुकड़े किया जाता है, और फिर, सावधानीपूर्वक प्रबंधित प्रक्रिया के माध्यम से, इसे पिघलाया जाता है और फाइबर में फैलाया जाता है। बुनाई जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके यह फाइबर बुनाई के लिए कच्चा माल बन जाता है। अंतिम परिणाम स्कार्फ से लेकर लैपटॉप बैग तक उत्पादों की एक श्रृंखला है, प्रत्येक अपशिष्ट से पहनने योग्य कला में परिवर्तन की कहानी का कथन है।

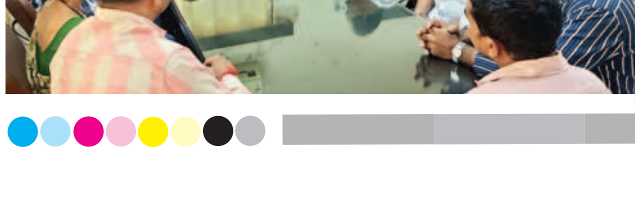

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र की कुछ समस्याओं के संबंध में आरडीओ सूर्यप्रकाश से चर्चा करते हुए स्थानीय नेता एम. आनंद कुमार गौड़। उन्होंने कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक, पेंशन, जाति और आय प्रमाणपत्र जल्द जारी करने की अपील की।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव की शुरूआत

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार के युवा सेवा विभाग के तत्वाधान में दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव-2024 शुक्रवार को शहर के शिल्पराम में एक पारंपरिक स्थल पर भव्यता के साथ शुरू हुआ। तेलंगाना राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं और लोक सांस्कृतिक पहलुओं को राज्य के 33 जिलों के युवा पुरुषों और महिलाओं द्वारा प्रतिबिंबित किया गया, जिन्होंने स्थानीय बोलियों, सांस्कृतिक विविधता और संबंधित क्षेत्रों की पृष्ठभूमि के साथ अद्भुत प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में युवा सेवा विभाग के आयुक्त एवं निदेशक डॉ. वासम वेंकटेश्वरलू ने ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में लोक गायिका, गायिका अरुणा सुब्बा राव, लिंगा श्रीनिवास, डी प्रशांत कुमार, टीएस स्टेप के महाप्रबंधक के वेणुगोपाल राव, उप निदेशक अनंत रेड्डी, प्रबंधक जगन्नाथम, लेखा अधिकारी टीएम प्रकाश और अन्य ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

प्राण प्रतिष्ठा से ...

इसके अलावा अगरबत्ती, धूपबत्ती, गाय के गोबर के उपले, सुगंधित कप, लोबान, कपूर, कुमकुम, चंदन, रोली, अक्षता, रूई की बनी बत्ती, गंगा जल आदि की खूब बिक्री हो रही है। पूजा के लिए उपयोग में आने वाले आसन जो जूट, चटाई, दरी व कपड़े आदि से बने हैं, उनकी बाजार में बड़ी मांग है। भरतिया एवं खंडेलवाल ने बताया, लोगों की जबरदस्त पसंद के रूप में छोटे से लेकर बड़े राम झंडे, पटके, बंटिंग, श्रीराम बैज बाजार में खूब दिखाई दे रहे हैं।

रामलला की नई...

इस मंदिर में चांदी के सिंहासन पर विराजमान रामलला प्रतिदिन आकर्षण रंग-बिरंगे वस्त्र में भक्तों को दर्शन देते हैं। 22 जनवरी को जब प्रधानमंत्री राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे तब रामलला को मंदिर के गर्भगृह में विराजित कर दिया जाएगा।

ऐलान किया गया कि सभी लोग चबूतरे पर पानी छोड़ें और धोएं, लेकिन जो नवयुवक थे उन्होंने कहा हम यहां पानी से धोने नहीं आए हैं। हम लोग यह कार सेवा नही करेंगे। उसके बाद नारे लगने लगे। सारे नवयुवक उत्साहित थे। वे बैरिकेडिंग तोड़ कर विवादित ढांचे पर पहुंच गए और तोड़ना शुरू कर दिया। इस बीच हम रामलला को बचाने में लग गए कि उन्हें कोई नुकसान न हो। हम रामलला को उठाकर अलग चले गए। जहां उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ।

मैंने डर खत्म करने के लिए...

उन्होंने कहा, मैंने 2020 में बंगले के लिए बोली लगाई थी। एक सनातन धर्म पाठशाला ट्रस्ट की स्थापना की गई है और स्कूल का निर्माण जल्द ही शुरू होगा। मैं शुक्रवार को नीलामी में भाग लूंगा। मैंने 2001 में लोगों के दिलों से दाऊद इब्राहिम का डर निकालने के लिए नीलामी में हिस्सा लिया था और उसके बाद कुछ लोग सामने आए।

'पृथ्वी योजना' के ...

ये एकीकृत अनुसंधान और विकास, मौसम और जलवायु, महासागर, क्रायोस्फीयर, भूकंपीय विज्ञान और सेवाओं की बड़ी चुनौतियों के समाधान करने और उनके टिकाऊ दोहन के लिए जीवित और गैर जीवित संसाधनों का पता लगाने में मदद करेंगे।

पृथ्वी योजना के उद्देश्यों में पृथ्वी प्रणाली और परिवर्तन के महत्वपूर्ण संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए वायुमंडल, महासागर ,भूमंडल, क्रायोस्फीयर और ठोस पृथ्वी के दीर्घकालिक अवलोकनों को बढ़ाना और बनाए रखना। साथ ही, मौसम को समझने और भविष्यवाणी करने के लिए मॉडलिंग सिस्टम का विकास शामिल हैं। इसमें नई घटनाओं और संसाधनों की खोज के लिए पृथ्वी के ध्रुवीय और उच्च समुद्री क्षेत्रों की खोज, सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समुद्रीय संसाधनों की खोज और टिकाऊ दोहन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नंबर–1 बना भारत

अब इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट की चुनौती, ऑस्ट्रेलिया में सीरीज भी अहम

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज ड्रॉ करने के बाद डब्ल्यूटीसी यानी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पहले नंबर पर पहुंच गई है। यहां से भारतीय टीम के मिशन डब्ल्यूटीसी 2025 ने जोर पकड़ लिया है। पहले मुकाबले में हार झेलने के बाद टीम इंडिया दूसरे टेस्ट में जोरदार वापसी की और 7 विकेट से जीत दर्ज की।

भारत अब तक 4 में से 2 मैच जीता

जून 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद चैंपियनशिप की की नई साइकिल शुरू हो गई थी। भारत ने 2023-25 साइकिल में अब तक वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका का दौरा कर लिया है। दोनों ही देशों में भारत ने 2-2 टेस्ट खेले। भारत को वेस्टइंडीज में एक जीत मिली और एक मैच ड्रॉ रहा। वहीं, साउथ अफ्रीका में टीम को 1 जीत और 1 हार मिली।

हर जीत पर मिलते है 12 पॉइंट्स, परसेंटेज से तय होती है पोजिशन

डब्ल्यूटीसी में हर टीम को कम से कम 6 सीरीज खेलनी होती है, लेकिन हर टीम की सीरीज में मैचों की संख्या फिक्स नहीं होती। किसी सीरीज में 2 ही टेस्ट मैच होते हैं, तो किसी सीरीज में 5 टेस्ट मैच। ऐसे में अगर टोटल पॉइंट्स के आधार पर रैंकिंग बनाई जाती तो उन टीमों को ज्यादा फायदा होता, जो ज्यादा टेस्ट मैच खेलती है। इस स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने रैंकिंग के लिए परसेंटेज पॉइंट्स को अहमियत देती है और इसी से रैंक डिसाइड होती है।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

मैच	कहां	कब
पहला टेस्ट	हैदराबाद	25-29 जनवरी
दूसरा टेस्ट	विशाखापट्टनम	2-6 फरवरी
तीसरा टेस्ट	राजकोट	15-19 फरवरी
चौथा टेस्ट	रांची	23-27 फरवरी
पांचवां टेस्ट	धर्मशाला	7-11 मार्च

*सभी मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे।

भारत की अगली चुनौती इंग्लैंड के खिलाफ

इंग्लैंड टीम 3 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलने आएगी। इस बार सीरीज में 5 मुकाबले होंगे। 25 से 29 जनवरी को पहला टेस्ट, 2 से 6 फरवरी तक दूसरा टेस्ट, 15 से 19 फरवरी तक तीसरा टेस्ट, 23 से 27 फरवरी तक चौथा टेस्ट और 7 से 11 मार्च तक पांचवां टेस्ट मैच खेला जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी के लिहाज से भारत को चुनौती मिलेगी। 5 मैचों की सीरीज में मुकाबले टक्कर के होंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज अगस्त 2021 के दौरान इंग्लैंड में हुई थी। 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। भारत में दोनों के बीच आखिरी सीरीज फरवरी 2021 में हुई थी, 4 टेस्ट की इस सीरीज को भारत ने 3-1 से जीता था। वहीं, भारत के बाद इंग्लैंड आगे वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट और श्रीलंका के खिलाफ 3 टेस्ट की सीरीज खेलेगा।

टी20 वर्ल्ड कप-2024 : भारत-पाकिस्तान मैच 9 जून को

टी20 वर्ल्ड कप शेड्यूल का ऐलान, 29 जून को फाइनल

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में इसी साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन किया जाना है. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी कर दिया है.

फैंस को काफी समय से इसका इंतजार था और ये इंतजार शुक्रवार को खत्म हो गया. इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें पांच-पांच के 4 ग्रुप में बांटा गया है. वेस्टइंडीज ने साल 2010 में टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था लेकिन इसके बाद अब वह दोबारा मेजबान बना है. इस बार हालांकि वह अमेरिका के साथ संयुक्त मेजबान है. अमेरिका पहली बार किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा.भारत और पाकिस्तान का मैच नौ जून को होना है. आईसीसी ने ए, बी, सी, डी,

नाम के चार ग्रुप बनाए हैं और हर ग्रुप में पांच टीमें हैं. ग्रुप स्टेज के बाद फिर सुपर-8 होगा. इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होगा. पिछला टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था जिसमें इंग्लैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था. भारतीय टीम सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार कर बाहर हो गई थी. पहले मैच एक जून को यूगांडा और अमेरिका के बीच होगा. फाइनल मैच 29 जून को होगा।

ऐसे हैं ग्रुप : भारतीय टीम को ग्रुप-ए में रखा गया है. इस टीम के साथ बाकी की चार टीमें- पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका हैं. वहीं ग्रुप-बी में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड और ओमान हैं.

ग्रुप-सी में न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, यूगांडा,पापुआ न्यू गिनी हैं. ग्रुप-डी में साउथ अफ्रीका के साथ श्रीलंका, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और नेपाल हैं।

रोहित ने केप टाउन की पिच पर सवाल उठाए

केपटाउन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा केप टाउन की पिच से नाखुश दिखे। दूसरे टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका पर जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस रोहित ने कहा, 'केप टाउन की पिच टेस्ट मैच के लिए आदर्श नहीं थी। जब तक भारतीय पिचों के बारे में कोई शिकायत नहीं करता, तब तक मुझे इस तरह की पिचों पर खेलने में कोई आपत्ति नहीं है। भारत में टर्निंग ट्रैक की आलोचना की जाती है।' उन्होंने कहा, 'यहां तक कि वर्ल्ड फाइनल की पिच पर भी सवाल उठाए गए थे, जबकि उस मैच में एक बल्लेबाज ने सेंचुरी भी जमाई थी। आईसीसी और मैच रेफरी को रेटिंग के लिए एक पैमाना होना चाहिए।' भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन टेस्ट 7 विकेट से जीतकर सीरीज 1-1 से बराबरी पर खत्म की। यह मैच दो दिन के अंदर खत्म हो गया। इस दौरान 33 विकेट गिरे।

वर्ल्ड कप फाइनल पिच को औसत दर्जा देने से खुश नहीं हैं रोहित

रोहित ने आईसीसी और मैच रेफरी को पिचों की रेटिंग के मामले में दोहरे मापदंड के लिए जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही उन्होंने भारत की स्पिन पिचों की निंदा करने वालों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड कप फाइनल की पिच को औसत रेटिंग दी गई थी। उस मैच में एक खिलाड़ी ने शतक बनाया था। मैं आश्चर्य चकित हूं कि अहमदाबाद की पिच को किस पैमाने के आधार पर रेटिंग किया गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं मैच रेफरी से आग्रह करता हूं कि वहां (पिच पर) क्या है उसे देखकर रेंटिंग दें। किसी देश को देख कर पिच की रेटिंग नहीं की जानी चाहिए। रेटिंग के लिए एक पैमाना होना चाहिए और मैच रेफरी को न्यूट्रल होकर उस पैमाने पर पिच का आकलन करना चाहिए। भारत में पहले दिन ही आप धूल के गुबार की बात करते हैं', यहां भी दरारें थीं।'

वॉर्नर का बैग्री ग्रीन कैप मिला

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर की बैगी ग्रीन कैप आखिरी टेस्ट खत्म होने से पहले मिल गया है। चार दिन पहले सिडनी में वॉर्नर का ग्रीन कैप खो गया था। उन्होंने वापस करने की गुहार लगाई थी। वॉर्नर का बैगी ग्रीन कैप टीम होटल में पाया गया। हालांकि, वह वहां कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। वॉर्नर ने बैगी ग्रीन कैप मिलने की सूचना शुक्रवार सुबह इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर दी। उन्होंने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- ढूंढने के लिए शामिल लोगों का शुक्रिया। पोस्ट किए गए वीडियो में वॉर्नर ने कहा कि सभी को नमस्कार, आप सभी को यह बताते हुए खुशी और राहत महसूस कर रहा हूं कि मेरा बैगी ग्रीन्स मिल गया है।

अगले हफ्ते निलंबन को चुनौती देगा भारतीय कुश्ती महासंघ

16 जनवरी को बुलाई कार्यकारी समिति की बैठक

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) खेल मंत्रालय द्वारा लगाये निलंबन को अगले हफ्ते अदालत में चुनौती देगा और आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए उसने 16 जनवरी को यहां कार्यकारी समिति की बैठक भी बुलाई है। सरकार ने राष्ट्रीय खेल संहिता और डब्ल्यूएफआई संविधान के उल्लंघन का हवाला देते हुए 24 दिसंबर को नवनिर्वाचित संस्था को महासंघ के चुनाव के तीन दिन बाद निलंबित कर दिया था।

डब्ल्यूएफआई कह चुका है कि वह न तो निलंबन को स्वीकार करता है और न ही कुश्ती का कामकाज देखने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ समिति को मान्यता देता है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष

संजय सिंह ने कहा, 'हमें सुचारू रूप से काम करने वाले महासंघ की जरूरत है। हम इस मामले को अगले हफ्ते अदालत में ले जा रहे हैं। हमें यह निलंबन स्वीकार्य नहीं है क्योंकि हमारा चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुआ था। हमने 16 जनवरी को कार्यकारी समिति की बैठक भी बुलाई है। '

वाराणसी के संजय सिंह ने बताया कि तदर्थ समिति मुश्किल की घड़ी में काम करने के लिए किस तरह ठीक नहीं थी।

उन्होंने कहा, 'आपने देखा होगा कि जगरेब ओपन के लिए किस तरह टीम की घोषणा की गई थी। पांच वजन वर्गों में प्रतिनिधित्व ही नहीं था। उचित महासंघ के बिना ऐसा ही होगा। अगर कुछ पहलवान अपने संबंधित वर्ग में उपलब्ध नहीं थे तो उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को क्यों नहीं लिया गया? ' संजय सिंह ने कहा, 'जब महासंघ काम कर रहा था तो कभी भी किसी भी टूर्नामेंट में ऐसा कोई भी वजन वर्ग नहीं रहा जिसमें भारत ने प्रतिनिधित्व नहीं किया हो।

और एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाली उसी टीम को चुनने के पीछे का औचित्य क्या था। अन्य दावेदार भी शामिल थे। मुझे उन पहलवानों के फोन आ रहे हैं जिन्हें लगा था कि वे भारतीय टीम में जगह बनाने के काबिल थे। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें ट्रायल्स के जरिये साबित करने का मौका दिया जाता तो वे टीम में जगह बना सकते थे। इसलिए आपको एक सुचारू रूप से काम करने वाले महासंघ की जरूरत है।'

'इंजीनियर साहब' का कोहराम

15 ओवर में 7 विकेट लेकर पंजाब का किया काम तमाम

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब और कर्नाटक के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मुकाबले खेला जा रहा है। इस मैच में कर्नाटक के वी कौशिक अपनी गेंदबाजी से पंजाब की बल्लेबाजी को बिखेर कर रख दिया। रणजी ट्रॉफी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस तेज गेंदबाज ने सात विकेट झटके। पंजाब की टीम पहली पारी में केवल 154 रन ही बना सकी।

कौशिक का रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

कौशिक ने चौथे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन को आउट करके शुरुआत की। इसके बाद एक-एक करके टीम के टॉप पांच खिलाड़ी भी कौशिक का शिकार बने। कौशिक ने 15 ओवर के स्पैल में 41 रन देकर सात विकेट झटके। इसमें छह मेडन ओवर शामिल थे। यह कौशिक का इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पिछले सीजन में उन्होंने केरल के खिलाफ 22.1 ओवर के स्पैल में 54 रन देकर छह विकेट लिए थे। मैक्निकल इंजीनियर वी कौशिक एक समय पर एमेजॉन में कॉपरेट नौकरी किया करते थे। हालांकि उनकी हमेशा से ही क्रिकेट में रुचि रही। उन्होंने 2019 में अपना प्रोफेशनल क्रिकेट डेब्यू किया। उन्होंने अपना पहला मैच रणजी ट्रॉफी में ही खेला था। कौशिक ने अब तक 10 फर्स्ट क्लास मैच में 49 विकेट लिए हैं। इसमें चार फॉर विकेट हॉल और दो पांच विकेट हॉल शामिल हैं। वह 50 फर्स्ट क्लास विकेट के करीब हैं। पिछले साल रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने 24 विकेट लिए थे।

नडाल ने ब्रिस्बेन में एक और प्रभावशाली जीत दर्ज की, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्रिस्बेन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। स्पेनिश दिग्गज राफेल नडाल की एटीपी टूर में वापसी गुरुवार को यहां ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ जारी रही। पूर्व विश्व नंबर 1, जो हाल ही में चोटों के कारण 12 महीने के लंबे ब्रेक के बाद एक्शन में लौटे, ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर को 6-1, 6-2 से हराया।

37 वर्षीय नडाल, जिन्होंने ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम के खिलाफ शानदार शुरूआती जीत के साथ शुरुआत की थी, गुरुवार को हार्ड-कोर्ट एटीपी 250 इवेंट में उतनी ही प्रभावशाली जीत हासिल करके आगे बढ़े, जहां उन्होंने छोड़ा था। नडाल, जिन्होंने इस सप्ताह से पहले ब्रिस्बेन में चोट के कारण लगभग

12 महीने तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था, उन्होंने 83 मिनट में कुबलर को पीछे छोड़ दिया। नडाल ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छे दृढ़ संकल्प के साथ बहुत अच्छा खेलकर मैच की शुरुआत की। मैंने मैच से पहले जेसन के वीडियो देखे और मैंने उसे बेसलाइन से बहुत मजबूती से खेलते हुए देखा, इसलिए मैं कोर्ट पर आया और बेसलाइन से अपने शॉट्स के साथ आक्रामक होने की कोशिश की।

"इसने बहुत अच्छा काम किया। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत सकारात्मक मैच था और कल फिर से खेलने का मौका मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 22 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता ने कहा, "लंबे समय तक पेशेवर टूर से बाहर रहने के बाद दो जीत मुझे अच्छा महसूस कराती हैं।" नडाल ने संकेत दिया कि 2024 उनका अंतिम सत्र हो सकता है, उन्होंने कहा, मुझे मैचों की ज़रूरत है, मुझे स्वास्थ्य की ज़रूरत है, मुझे अच्छा अभ्यास करते रहने की ज़रूरत है और निश्चित रूप से यहां पिछले दो मैचों से मदद मिलती है, और यहां तक कि पहले दिन युगल भी। नडाल ने कहा, जो मेलबर्न में 14 से 28 जनवरी तक खेले जाने वाले आगामी ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब में एक और जोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। नडाल ने साल का पहला ग्रैंड स्लैम दो बार 2009 और 2022 में जीता है।

उस्मान ख्वाजा ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट की धमकी दी

पिंक बॉल के स्थाई इस्तेमाल पर भड़के

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा कि अगर टेस्ट क्रिकेट में बदलाव किया गया तो वह इस प्रारूप से रिटायरमेंट ले लेंगे। उनका मानना है कि गुलाबी गेंदें खराब रोशनी के कारण खेल में आई रुकावटों को रोकने का समाधान नहीं है और अगर खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अगर स्थायी बदलाव किया जाता है तो वह संन्यास ले लेंगे। 4 जनवरी को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीसरे टेस्ट के दौरान खराब रोशनी की वजह से खेल को रोक दिया गया था। बारिश शुरू होने से 40 मिनट पहले अंपायरों ने लाइट मीटर का उपयोग किए बिना की खेल को रद्द कर दिया था।

पिंक बॉल के स्थाई इस्तेमाल की पक्ष में नहीं हैं उस्मान ख्वाजा

अंपायर के इस फैसले के बाद माइकल वॉन जैसे दिग्गज क्रिकेटरों में निराशा फैल गई जिन्होंने ऐसे कारणों से टेस्ट क्रिकेट में लगातार आई रुकावटों की आलोचना की है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने सुझाव दिया कि इस स्थिति के लिए गुलाबी गेंदों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और खेल चलना चाहिए। इस घटना के बाद एक बार फिर से इस बात पर बहस छिड़ गई है कि टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जाना चाहिए क्योंकि इससे खराब रोशनी की स्थिति के कारण होने वाली देरी से बचा जा सकता है। गुलाबी गेंद का समर्थन करने वालों का कहना है कि गुलाबी गेंद कम रोशनी में अधिक दिखाई देती है और खेल को इस स्थिति में जारी रखा जा सकता है।

पूर्व पैरालिंपियन ऑस्कर पिस्टोरियस को हत्या के आरोप में 9 साल की सजा के बाद पैरोल पर रिहा किया गया

जोहानसबर्ग, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व पैरालिंपियन ऑस्कर पिस्टोरियस को अपनी प्रेमिका रीवा स्टीनकैंप की हत्या के आरोप में नौ साल जेल की सजा काटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी जेल से पैरोल पर रिहा कर दिया गया है। पिस्टोरियस ने वैलेंटाइन डे 2013 पर प्रिटोरिया में अपनी हवेली के बंद बाथरूम के दरवाजे से रीवा को गोली मार दी और बाद में कहा कि उसने गलती से उसे चोर समझ लिया था।

पिस्टोरियस की उन्नत सार्वजनिक प्रोफ़ाइल के कारण उनके साथ कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जा सकेगा। 37 वर्षीय व्यक्ति को दिन के कुछ घंटों के लिए अपने घर तक ही सीमित रखा जाएगा और शराब पीने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। उन्हें यात्रा करने या रोजगार लेने की अनुमति लेनी होगी, साथ ही मीडिया से बात करने की भी अनुमति नहीं होगी। दक्षिण अफ्रीकी एथलीट, जिसके बचपन में ही पैर के निचले हिस्से को

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें पैरोल देने का निर्णय पिछले नवंबर में किया गया था। देश के जेल विभाग ने एक बयान में कहा, सुधारात्मक सेवा विभाग यह पुष्टि करने में सक्षम है कि ऑस्कर पिस्टोरियस को 5 जनवरी 2024 से प्रभावी रूप से पैरोल मिल गई है। उन्हें सामुदायिक सुधार प्रणाली में भर्ती कराया गया था और अब वह घर पर हैं। दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि काट दिया गया था, एक ओलंपिक धावक बन गया था, जिसके हाई-टेक प्रोस्थेटिक्स ने उसे ब्लेड रनर उपनाम दिया था, अंततः एक अपील अदालत द्वारा पहले के फैसले को पलटने के बाद 2015 में उसे गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराया गया था। वह अक्टूबर 2014 से जेल में है, जब उसे पहली बार दोषी ठहराया गया था और पांच साल की जेल की सजा शुरू हुई थी।

12 साल 284 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने किया डेब्यू

फर्स्ट क्लास में इस खिलाड़ी ने किया था सबसे कम उम्र में डेब्यू

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार 5 जनवरी को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया और वह ऐसा करने वाले सबसे कम उम्र के चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। वैभव ने पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ फर्स्ट क्लास मैच में डेब्यू किया। वह बिहार की तरफ से बेशक क्रिकेट के इस प्रारूप में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं, लेकिन रणजी ट्रॉफी में उनसे भी कम उम्र में तीन खिलाड़ियों ने पदार्पण किया था।

अलीमुद्दीन ने किया था 12 साल 73 दिन की उम्र में डेब्यू

रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी अलीमुद्दीन थे जिन्होंने 1942-43 सीजन में 12 साल 73 दिन की उम्र में ही पदार्पण किया था। अजमेर में जन्मे अलीमुद्दीन ने बड़ौदा के महाराजा प्रतापसिंह कोरोनेशन जिमखाना में बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में राजपूताना के लिए खेला। रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी एसके बोस थे जिन्होंने 1959-60 में 12 साल और 76 दिन की उम्र में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया। उन्होंने जमशेदपुर के कीनन स्टेडियम में बिहार और असम के बीच मैच खेला था। रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में

तीसरे नंबर पर मोहम्मद रमजान थे जिन्होंने 12 साल 247 दिन की उम्र में यह कमाल किया था। अक्टूबर 1937 में रमजान ने पटियाला के बारादरी मैदान में रणजी ट्रॉफी मैच में संयुक्त प्रांत के खिलाफ मैच में उत्तरी भारत के लिए खेला। केवल 9 खिलाड़ियों ने 13 साल की उम्र से पहले प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया है जिसमें इन चारों खिलाड़ियों को छोड़कर आकिब जावेद (1984-85), मोहम्मद अकरम (1968-69), रिजवान सत्तार (1985-86), सलीमुद्दीन (1954-55) और कासिम फिरोज (1970-71) शामिल हैं।

विशेष बसों में महिलाओं के लिए नि:शुल्क यात्रा सुविधा

संक्रांति व्यवस्थाओं पर टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने की समीक्षा

हैदराबाद , 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) संक्रांति के अवसर पर घर जाने वाले लोगों के लिए विशेष व्यवस्था कर रहा है। उन्हें सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 4,484 विशेष बसें चलाने का निर्णय लिया है। जिनमें से 626 सेवाओं के लिए अग्रिम आरक्षण की सुविधा प्रदान की गई है। ये विशेष बसें इस महीने की % से 15 तारीख तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेंगी। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार मंकर संक्रांति के लिए विशेष बसों की व्यवस्था, महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन और यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के संबंध में शुक्रवार को हैदराबाद बस भवन में वरिष्ठ अधिकारियों और आरएम के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए, सज्जनार ने कहा कि महा लक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के संदर्भ में, यात्रियों की भीड़ के अनुसार संक्रांति के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल क्रॉस रोड, अरंगर, एलबी नगर क्रॉस रोड, केपीएचबी, बोइनपल्ली, गाचीबोवली आदि में विशेष बसें चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में यात्रियों की सुविधा के लिए पंडाल, शामियाना, कुर्सियां, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली, पेयजल सुविधा और मोबाइल शौचालय स्थापित किए जा रहे हैं। दोनों ने प्रत्येक व्यस्त क्षेत्र में डीवीएम रैंक के अधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया है और वे भीड़ के अनुसार विशेष बसें उपलब्ध कराएंगे।यह स्पष्ट किया गया है कि टीएसआरटीसी इस संक्रांति के लिए आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के लिए विशेष बसें चला रहा है और एपी के लिए निर्धारित सेवाएं हमेशा की तरह चलेंगी। उन्होंने कहा कि संक्रांति पर्व के लिए बस किराये में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी और विशेष बस सेवाएं पहले की तरह सामान्य किराये के साथ चलाई जाएंगी। यह स्पष्ट किया गया है कि संक्रांति तक चलने वाली विलेज लाइट, एक्सप्रेस, सिटी ऑर्डिनरी और मेट्रो एक्सप्रेस बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस सुविधा उपलब्ध होगी। महिलाओं को शून्य टिकट के साथ यात्रा करने की सलाह दी जाती है।

इस बैठक में टीएसआरटीसी सीओवीओ डॉ. रविंदर, कार्यकारी निदेशक मुनिशेखर, कृष्णकांत, वेंकटेश्वरलू, सीटीएम (संचालन) जीवन प्रसाद, सीएमई रघुनाथ राव, सीपीएम उषादेवी, सीटीएम (वाणिज्यिक) सुदर्शन, सीईआईटी राजशेखर, आरएम और अन्य ने भाग लिया।

सीएम ने सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन का पुरस्कार मिलने पर पुलिस अधिकारियों को बधाई दी

बी.नागेंद्र बाबू, एसएचओ राजेंद्रनगर को 2023 के लिए देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले पीएस के रूप में पहला स्थान जीतने के लिए आज एमएचए द्वारा घोषित किया गया और गृह मंत्री से डीजीपी सम्मेलन में ट्रॉफी प्राप्त की गई।

हैदराबाद, 5, जनवरी (स्वतंत्र वार्ता। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन को 'सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन' पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने काउंटी में वर्ष 2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशनों की सूची की घोषणा की। राजेंद्र नगर पुलिस यह स्टेशन सभी सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशनों में नंबर एक स्थान पर रहा। आज (शुक्रवार) जयपुर में आयोजित सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की बैठक में स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) बी नागेंद्र बाबू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से ट्रॉफी प्राप्त की।

प्रजा पालन आवेदन की अंतिम तिथि आज

हैदराबाद,5 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नवनिर्वाचित कांग्रेस सरकार ने छह वादों पर अमल शुरू कर दिया है।योजना के तहत दी जाने वाली छह गारंटियों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। युवाओं के विकास के अलावा अन्य गारंटी के लिए गांवों में ग्राम सभा और शहरों में वार्डों में विशेष बैठकें लोक प्रशासन के नाम पर स्वीकार की जा रही हैं। सीएम रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि आवेदन 28 दिसंबर से 6 जनवरी तक स्वीकार किए जाएंगे। लेकिन वह समय सीमा 6 तारीख समाप्त हो जाएगी। इसको लेकर कई योग्य लोग परेशान हैं।जहां कुछ लाख लोग पहले ही आवेदन कर चुके हैं, वहीं लाखों लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने अभी तक आवेदन नहीं किया है। समय सीमा नजदीक आने से वे चिंतित हैं। उन्हें चिंता है कि अगर वे इसमें चूक गए तो दोबारा आवेदन नहीं कर पाएंगे और अगर अब भी आवेदन नहीं किया तो उन्हें योजनाओ का लाभ नहीं मिलेगा।

इस संदर्भ में, सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन अनुप्रयोगों पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा कि छह जनवरी तक आवेदन करने का सुझाव दिया गया था। फिलहाल समयसीमा बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। इस बीच जिन लोगों ने अब तक आवेदन नहीं किया है उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। सीएस शांति कुमारी ने बताया कि अगले चार महीने के बाद लोक प्रशासन के लिए एक विशेष कार्यक्रम होगा। सीएस ने कहा कि हर चार महीने में एक बार गांवों और कस्बों में विशेष लोक प्रशासन बैठक आयोजित की जाएगी और पात्रों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। सभी पात्रों तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाना सरकार का मिशन है।

बाल श्रम प्रणाली को खत्म करने के लिए सख्त कदम: सुधीर बाबू

ऑपरेशन स्माइल की 10वीं समन्वय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्रता वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू ने बाल श्रम प्रणाली के आमूल-चूल उन्मूलन का आह्वान किया है जो उन बच्चों के बचपन को बर्बाद कर रहा है जिन्हें खुशी से पढ़ाई और गाने बजाना चाहिए। ऑपरेशन स्माइल की 10 वीं समन्वय बैठक आज नेरेड मेट में राचकोंडा आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। कार्यक्रम में बोलते हुए कमिश्नर ने कहा कि बाल श्रम प्रथा समाज में एक बीमारी की तरह बन गई है और यह कई मासूम बच्चों का बचपन बर्बाद कर रही है। इसका मुख्य कारण माता-पिता की गरीबी थी कि बच्चे काम में फंस गये और अपना सुनहरा भविष्य खो बैठे। माता-पिता की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, उन्हें अपने बच्चों को श्रम बाजार में नहीं धकेलना चाहिए, सरकार बच्चों की शिक्षा के लिए कई मुफ्त कार्यक्रम और योजनाएं चला रही है और उन्हें उनका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने वेट्टी की नौकरियों को खत्म करने में जनभागीदारी का आह्वान किया और लोगों को भी इसे अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझनी चाहिए।सीपी ने कहा कि राचाकोंडा में मानव तस्करी और बाल श्रम को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे मानव तस्करी पर कड़ा रुख अपनाए हुए हैं, कई लोगों को विशेष टीमों ने बचाया है और मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कार्यस्थल पर स्कूल उनके आवासीय क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं ताकि ओडिशा और बिहार जैसे अन्य राज्यों से लाई गई ईंटों के कारण श्रमिकों के बच्चे शिक्षा से वंचित न हों। डीसीपी महिला सुरक्षा उषा विश्वनाथ, एसीपी वेंकटेशम, रंगारेड्डी जिला कल्याण अधिकारी कृष्ण रेड्डी, रंगारेड्डी जिला सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष नरेंद्र, मेडचल जिला सीडब्ल्यूसी राजा रेड्डी, यदाद्री सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष श्रीमती जयश्री, रंगारेड्डी जिला उप चिकित्सा अधिकारी डॉ. गीता, डी.सी.पी.ओ. प्रवीण, इम्तियाज, सैदुलु, बालारक्षा भवन के अधिकारी, बाल एवं श्रम विभाग के अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, बचपन बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधि वेंकटेश्वरलु, चाइल्ड लाइन के अधिकारी और अन्य राचकोंडा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ आज नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

आंध्र प्रदेश से धन की वसूली के लिए कदम उठाने की मांग की रेवंत रेड्डी ने

हैदराबाद,5 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि तेलंगाना की संपत्तियों के उपयोग के लिए पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से धन की वसूली के लिए कदम उठाया जाए।

उनके पास एक कारण है क्योंकि मुख्यमंत्री का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा 5 की पृष्ठभूमि में आया है, जो कहता है कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) दो तेलुगु राज्यों के लिए आम राजधानी होगी। दस वर्ष से अधिक की अवधि के लिए नहीं। वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने निस्संदेह उसे आवंटित सचिवालय के हिस्से का कब्ज़ा तेलंगाना सरकार को सौंप दिया है, जिससे नए परिसर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

हालाँकि, जीएचएमसी की संयुक्त राजधानी का दर्जा इस साल 1 जून से लेकर तेलंगाना राज्य के गठन के लिए नियत दिन 2 जून 2014 से 10 साल पूरे होने तक रहेगा। अधिनियम की धारा 8 के अनुसार, राज्यपाल को राज्य में रहने वाले सभी लोगों के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की सुरक्षा की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी। विशेष रूप से राज्यपाल को सामान्य राजधानी क्षेत्र में सरकारी भवनों के प्रबंधन और आवंटन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

अधिकारियों ने 2 जून, 2019 की कार्यवाही का हवाला दिया जब तत्कालीन राज्यपाल ईएसएल नरसिम्हन ने तेलंगाना सरकार को दो इमारतें अलग करने का निर्देश दिया, एक पुलिस विभाग के लिए और दूसरी अन्य सभी विभागों के लिए, जिन्हें पड़ोसी राज्य सरकार के विशेष उपयोग के लिए आवंटित किया जाएगा।

श्री नरसिम्हन ने राज्य सरकार से दो भवनों के कब्जे/उपयोग में एपी सरकार पर लगाए गए संपत्ति कर और सार्वजनिक उपयोगिता शुल्क के बकाया दावों को माफ करने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अधिनियम की धारा 5 और कानून और व्यवस्था से संबंधित मुद्दों से संबंधित धारा 8 अभी भी लागू रहेगी।

पड़ोसी राज्य के छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में स्थानीय माना जा रहा था और यह सुविधा 1 जून तक जारी रहेगी। हालांकि, तेलंगाना सरकार ने संस्थानों, विशेष रूप से मेडिकल कॉलेजों में एपी छात्रों के लिए आरक्षण के नियम को लागू करने से इनकार कर दिया था। 2018 के बाद और हाई कोर्ट ने भी फैसले को बरकरार रखा।-

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह दो तेलुगु राज्यों, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच संपत्ति और देनदारियों के बंटवारे में अपना सहयोग बढ़ाए। मुख्यमंत्री ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया है कि पड़ोसी एपी सरकार लगभग 10 साल पहले राज्य के विभाजन के बाद से ब्याज सहित तेलंगाना की संपत्तियों के उपयोग के लिए भुगतान करे।

असफलता से निराश नहीं होना चाहिए: इसरो अध्यक्ष सोमनाथ

हैदराबाद,5 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। इसरो के चेयरमैन सोमनाथ ने कहा कि उन्होंने रॉकेट के डिजाइन में कई गलतियां कीं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी असफलता से निराश नही होना चाहिए और इसे जीत में बदलने की कोशिश करनी चाहिए। शुक्रवार को जेएनटीयू यूनिवर्सिटी कुकटपल्ली के 12वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सोमनाथ को इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी नरसिम्हा रेड्डी ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। बाद में सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। वर्तमान समाज में, छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे ध्यान केंद्रित करें और अपना दृढ़ संकल्प कभी न छोड़ें।

उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। वर्तमान में विश्वविद्यालय भी अंतरिक्ष नीति के नाम पर नए पाठ्यक्रम लेकर आ रहा हैं,।उन्होंने कहा कि इसरो ने पिछले 25 वर्षों में कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है। सोमनाथ ने कहा कि उन्होंने इसमें जीत भी देखी है और हार भी। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में और अधिक स्टार्ट-अप और उद्योगों की आवश्यकता है।

तिरुमाला में धार्मिक आयोजन के व्यवस्था के निर्देश

तिरुमाला, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ श्री एवी धर्म रेड्डी ने अधिकारियों को अस्थाना मंडपम में टीटीडी के हिंदू धर्म प्रचार परिषद विंग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 3 से 5 फरवरी तक धार्मिक सदन के सुचारू संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को अन्नामैया भवन में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए ईओ ने अधिकारियों को देश भर के सभी मठाधीशों को आमंत्रित करने और उनके लिए श्रीवारी दर्शन, आवास और परिवहन सुविधाओं को सुचारू तरीके से व्यवस्थित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सनातन हिंदू धर्म प्रचार को आगे बढ़ाने में धार्मिक प्रमुखों के सुझाव और निर्देश महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय करने और कई समितियों का गठन करने का भी आग्रह किया। टीटीडी के जेईओ सदा भार्गवी और वीरब्रह्मम, तिरुमाला मंदिर के मुख्य पुजारियों में से एक वेणुगोपाल दीक्षितुलु, सीई नागेश्वर राव, एचडीपीपी सचिव सोमयाजुलु, कार्यक्रम अधिकारी राजगोपाल, अन्नमाचार्य परियोजना निदेशक डॉ. ए विभीषण शर्मा, धर्मगिरि वेद विज्ञान पीठ के प्राचार्य कुप्पा शिव सुब्रमण्य अवधानी और अन्य मौजूद थे।

एससीआर ने विद्युतीकरण के साथ दोहरी लाइन शुरू की

गुंटूर का हिस्सा -गुंतकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना

हैदराबाद, 5 जून (स्वतंत्रता वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा क्रियान्वित की जा रही गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना ने चालू वित्तीय वर्ष में गति पकड़ी है और अच्छी प्रगति दर्ज की है। परियोजना के विभिन्न खंडों में 281 किलोमीटर की दोहरी लाइन पहले ही पूरी हो चुकी है, जिसमें से 74 किलोमीटर का काम चालू वित्तीय वर्ष में ही पूरा हो चुका है। उसी गति को जारी रखते हुए, 26.4 किलोमीटर की दूरी के लिए गिद्दलुर - जगम्बोतला कृष्णापुरम के बीच एक और खंड का दोहरीकरण पूरा हो गया है और विद्युतीकरण के साथ चालू कर दिया गया है। यह खंड आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में पड़ता है और इस खंड के दोहरीकरण के पूरा होने के साथ, अब गुंटूर - गिद्दलूर स्टेशनों के बीच 200 किलोमीटर तक विद्युतीकरण के साथ-साथ निरंतर दोहरी लाइन की सुविधा होगी। गुंटूर-गुंटकल खंड आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर शहर को रायलसीमा क्षेत्र और दक्षिण से परे जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल लिंक है। यह लाइन गुंटूर, प्रकाशम, पालनाडु, नंद्याल और कुरनूल जिलों से होकर भीतरी इलाकों को जोड़ती है। इस खंड पर निर्बाध परिवहन प्रदान करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए, 3887 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ 401 किलोमीटर की दूरी के लिए गुंटूर-गुंटकल दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजना को वर्ष 2016-17 में मंजूरी दी गई थी। अब तक, नल्लापाडु - जगम्बोतला कृष्णपुरम (174 किलोमीटर) और बेतमचेरला - गुंतकल (107 किलोमीटर) के बीच कुल 281 किलोमीटर का दोहरीकरण और विद्युतीकरण पहले ही पूरा और चालू हो चुका है। अब, गिद्दलुर - जगंबोतला कृष्णापुरम के बीच 26 किलोमीटर की दूरी के पूरा होने के साथ, गुंटूर गुंटकल के विभिन्न हिस्सों पर विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण का कुल 307 किलोमीटर का काम पूरा हो गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब ट्रेनों को गुंटूर-गिद्दलूर के बीच 200 किलोमीटर और बेतमचेरला-गुंतकल के बीच 107 किलोमीटर तक लगातार चलाया जा सकता है। इन खंडों के दोहरीकरण से इस महत्वपूर्ण खंड में भीड़ कम हो जाएगी जिससे गुंटूर-गुंतकल खंड में अच्छी गतिशीलता मिलेगी। परियोजना के शेष खंड अर्थात बेतमचेरला-गिद्दलूर में काम तेजी से प्रगति पर है। संपूर्ण परियोजना के दोहरीकरण और विद्युतीकरण के पूरा होने से न केवल खंड पर भीड़भाड़ कम होगी बल्कि ट्रेनों की औसत गति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने महत्वपूर्ण खंड में दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य को पूरा करने के लिए निर्माण संगठन और गुंटूर डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.